निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

झामुमो में शामिल कोडरमा की दिग्गज महिला नेत्री शालिनी गुप्ता का स्वागत करते सीएम हेमंत सोरेन

• बोकारो, शुक्रवार 6 फरवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 260 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

जंगली हाथियों ने तीन बुजुर्गों को कुचल कर मार डाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के गोमिया प्रखंड के वन प्रक्षेत्र गोमिया के बड़की पुन्नू गांव में पांच हाथियों के झुंड ने एक घर पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों को कुचल कर मार डाला। तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिला और एक पुरुष शामिल हैं। वहीं एक महिला घायल है, जिसे इलाज के लिए गोमिया अस्पताल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के बड़की पुन्नू के करमाली टोला के रहने वाले गंगा करमाली (65) और उसकी पत्नी कमली देवी (62) और कमली की बड़ी जेठानी भगिया देवी (65) अपने घर में सो रहे थे। अहले सुबह हाथियों के झुंड ने घर पर हमला कर दिया और तीन लोगों को कुचल कर मार डाला जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। गोमिया क्षेत्र में लगातार हो रही मौत की घटनाओं को लेकर विभाग के प्रति ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और बचाव के लिए संसाधनों की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार सालों भर उसका आना-जाना लगा रहता है। इसके चलते आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों की मांग है कि गांव से रजरप्पा जाने वाली रोड में लाइट की व्यवस्था की जाए। सड़क के किनारे बड़ा ड्रेनेज बनाया जाए जिससे हाथी सड़क पर सीधे नहीं पहुंच सके। हाथियों को इलाके में आने से रोका जाए ताकि आम जन को कोई नुकसान न हो सके। साथ ही मुआवजा की राशि बढ़ाई जाए। मामले को लेकर डीएफओ बोकारो संदीप शिंदे ने कहा कि गुरुवार लगभग 3 बजे सुबह पांच हाथियों के झुंड द्वारा हमले में तीन लोगों की मौत हुई है। हमारे वन क्षेत्र की टीम घटनास्थल पर पहुंची हुई है। तात्कालिक जो मुआवजा राशि बनती है, वह मुहैया कराई जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संघर्षों से पैदा हुआ है झारखंड : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से कोडरमा के लोकाई मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे। इस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भव्य स्वागत किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा नगर विकास मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव ने भी शिरकत की। इस मौके पर दिशोम गुरु पद्मश्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में ठेंगा दिखाया। अगर हम भी ठेंगा दिखा दें, तो देश अंधेरे में डूब जाएगा। उन्होंने कहा कि हम कुत्ते बिल्ली की तरह लड़ना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जेपीएससी की उम्र सीमा घटाने का अनुरोध कर रहे हैं। हम उस पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चतरा में अंबेडकर विश्वविद्यालय बनाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड के सवा तीन करोड़ जनता को ठेंगा दिखाया गया। मंईयां सम्मान योजना में कोई कमीशन नहीं। एक बटन दबता है और सीधा उनके खातों में पैसा जाता है। इस मौके पर जिले की दिग्गज नेत्री शालिनी गुप्ता झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं शालिनी गुप्ता और उनके

नेतृत्व में शामिल होने वाले सैकड़ों कार्यकर्ताओं का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि आज जेएमएम में एक और कड़ी जुड़ी है और वह शालिनी गुप्ता हैं। मैं कोडरमा कई बार आया हूं। लंगे समय के बाद झारखंड अलग राज्य बना है। गुरुजी और अनगिनत झारखंडियों ने आंदोलन करके अलग राज्य लिया। यह झारखंड संघर्षों से पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। यहां भगवान बिरसा मुंडा और चांद भैरव जैसे वीर पैदा हुए। उन्होंने कहा कि देश की आजादी से लेकर झारखंड अलग होने तक सभी आंदोलन में यहां के लोगों ने त्याग और बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि कोडरमा के लोगों को पेट पालने के लिए अब दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोडरमा में बाल मजदूरी सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड में लोहा, कोयला, अभ्रक सबकुछ है, लेकिन इसे गरीब राज्य बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई और गुजरात को बड़ा शहर बनाना है। झारखंड-बिहार को मजदूर बना दिया गया है, ताकि उन शहरों में यहां के लोगों को मजदूर बनाया जाए। भाजपा ने कोरोना में लॉकडाउन कर लोगों को सड़कों पर ला दिया। उस समय आपका बेटा मजदूरों को हवाई जहाज से लाने और सुरक्षित घर तक पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा कि गरीब हैं तो कुछ भी करेंगे, अब ऐसा नहीं चलेगा। पिछले 15 सालों में इन लोगों ने झारखंड को बर्बाद कर दिया। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि देश-विदेश में कहीं भी कोई हादसा होगा, हमारी सरकार मदद करेगी। हमारी सरकार रांची से नहीं, गांव से चलती है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के युवक का शव बरामद

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जसीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डिगरिया पहाड़ के 62 माइल के पास सड़क किनारे स्थित एक पुलिया के नीचे अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया। सुबह-सुबह शव देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलने पर जसीडीह थाना की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिले के लहुआ गांव निवासी लड्डू उर्फ हेमंत यादव (42 वर्ष) के रूप में की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया है।

बुज़ुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसूपी गांव में अंधविश्वास ने एक बार फिर एक बुज़ुर्ग महिला की जान ले ली। डायन-बिसाही के आरोप में 57 वर्षीय महिला पवदनी सुरीन की भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार गांव के कुछ लोगों को संदेह था कि महिला जादू-टोना करती है और इसी कारण गांव में बीमारियां फैल रही हैं। इसी शक के आधार पर एक समूह ने उनके घर में घुसकर उन पर हमला कर दिया। पोस्टमार्टम में उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं।

ससुर का हत्यारा दामाद गिरफ्तार

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के छत्तरपुर थाना क्षेत्र में ससुर की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पत्नी और साली पर भी उसने जानलेवा हमला किया था। यह वारदात 29 जनवरी को छत्तरपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में हुई थी। हैदरनगर थाना क्षेत्र के बरेवा गांव निवासी लवकुश कुमार यादव ने अपने ससुराल पहुंचकर पत्नी, साली और ससुर पर चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में ससुर की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि पत्नी रीता देवी और साली गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

लातेहार (नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के रेहड़ा मोड़ के पास गुरुवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सासंग निवासी 31 वर्षीय अफसर अंसारी के रूप में हुई है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने बताया कि अफसर अंसारी चेन्नई में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह बुधवार को ही चेन्नई से अपने पैतृक गांव सासंग लौटा था। लंबे समय बाद घर लौटने की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी।

46 लाख के इनामी आठ महिला समेत 12 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में कुल 46 लाख रुपये के इनामी 12 नक्सलियों ने गुरुवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि इनमें आठ महिलाएं भी शामिल हैं। ये सभी माओवादी संगठन के 'साउथ सब जोनल ब्यूरो' से जुड़े थे। इन्होंने बस्तर पुलिस की 'पूना मर्जेम' (पुनर्वास से सामाजिक पुनर्स्थापन) पहल के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। इनमें सोमडू मड़काम (42) डिविजनल कमेटी मेंबर और कटेकल्याण एरिया कमेटी प्रभारी,

हुंगी कुंजाम (19) और पायकी कुंजाम (22) शामिल हैं, जो अलग अलग यूनिट के पार्टी मेंबर थे। इन तीनों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसके अलावा तीन अन्य नक्सलियों पर पांच-पांच लाख रुपये, एक पर दो लाख रुपये और पांच पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने एक एके 47 रायफल, दो सेल्फ लोडिंग रायफल (एसएलआर), 250 जिलेटिन स्टिक, 400 डेटोनेटर, बारूद से भरा एक प्लास्टिक ड्रम और कॉर्डेक्स वायर का एक बंडल भी पुलिस को सौंपा। अधिकारी ने बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को तत्काल 5-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी और सरकार की नीति के तहत उनका पुनर्वास किया जाएगा। पुलिस के अनुसार बीजापुर जिले में एक जनवरी 2024 से अब तक 888 नक्सलियों ने हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है जबकि 1,163 गिरफ्तार हुए और अलग-अलग मुठभेड़ों में 231 मारे गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि माओवादी संगठन तेजी से अपने अंत की ओर बढ़ रहा है। दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में सुरक्षा कैंप स्थापित होने, सड़क संपर्क बेहतर होने, लगातार सफल नक्सल विरोधी अभियानों और विकास योजनाओं की प्रभावी पहुंच से संगठन का आधार क्षेत्र लगातार सिमट रहा है।

दो आदिवासी बच्चियों के संग सामूहिक दुष्कर्म के मामले का खुलासा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। हरलाडीह ओपी क्षेत्र में 25 जनवरी की रात में दो आदिवासी बच्चियों के संग सामूहिक दुष्कर्म के मामले का खुलासा एसपी डॉ. बिमल कुमार की टीम ने कर लिया है। टीम ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि चार किशोर को निरूद्ध किया गया है। इस मामले की जानकारी एसपी डॉ. बिमल कुमार ने दी है। इस मामले में जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनमें हरला डीह के मंझलाडीह निवासी राजेश मुर्मू एवं रविलाल टुडू, धनबाद जिला के मनियाडीह थाना इलाके के मछियारा निवासी संजय टुडू एवं सोहन टुडू शामिल हैं। दुष्कर्म की घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। उसने बताया कि अंधेरा होने की वजह से वह सभी को ठीक से पहचान नहीं पा रही थी लेकिन देखने के बाद पहचान लेगी। चूंकि अपराधियों की पहचान उजागर नहीं थी ऐसे में पुलिस पदाधिकारी घटना को अंजाम देने वालों तक तुरंत नहीं पहुंच पा रही थी। ऐसे में एसपी ने डुमरी एसडीपीओ सुमित कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। शुरुआती दौर में अपराधियों की पहचान नहीं थी ऐसे में घटनास्थल से लेकर जतरा स्थल तक हरेक स्थान का अध्ययन किया गया। हर रोज पुलिस हरलाडीह व उसके आसपास भटकती लेकिन कुछ विशेष सुराग नहीं मिलता। हर रोज देर रात तक एसपी खुद ही मॉनिटरिंग कर रहे थे। किशोर से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने राजेश मुर्मू, रविलाल टुडू, संजय टुडू एवं सोहन टुडू को गिरफ्तार किया। वहीं घटना के साजिशकर्ता समेत चार किशोर को निरूद्ध किया गया। अब इस घटना में शामिल एक अन्य की तलाश में पुलिस जुटी है।

नामांकन पत्रों की जांच में मेयर पद के तीन उम्मीदवारों का पर्चा रद्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड में चल रहे नगर निकाय चुनाव के तहत धनबाद में मेयर पद के लिए दाखिल किये गये नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जांच के दौरान कुल 33 नामांकन पत्रों में से 3 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द कर दिया है। नामांकन रद्द होने की वजह दस्तावेज की कमी और आवश्यक जानकारियां पूरी तरह से दर्ज न होने के अलावा कम आयु सीमा भी बड़ी वजह है। जानकारी के अनुसार अखिलेश्वर महतो और डॉ। सुशील कुमार द्वारा दाखिल किये गये नामांकन पत्रों के साथ संलग्न एफिडेविट अधूरे पाये गये हैं। साथ ही शपथ पत्र में आवश्यक जानकारियां पूरी तरह से दर्ज नहीं होने के कारण भी दोनों उम्मीदवारों का नामांकन अमान्य घोषित कर दिया गया। वहीं 27 वर्षीय पुष्पा कुमारी का भी नामांकन कम आयु की वजह से रद्द कर दिया गया। आयु संबंधी नियमों का उल्लंघन होने के कारण निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनका नामांकन स्वीकार नहीं किया गया। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नामांकन पत्रों कीचाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष पद के सभी उम्मीदवारों के नामांकन वैध, 11 लोगों के बीच जंग जांच के बाद चुनावी मुकाबले में अब 30 उम्मीदवार शेष बचे हैं। आयोग द्वारा शुक्रवार को नामांकन वापस लेने की तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

350 एकड़ जमीन में लगी अफीम की खेती को किया नष्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले का चौपारण क्षेत्र इन दिनों अफीम की खेती के लिए चर्चा में है। हजारीबाग पुलिस ने नशा कारोबारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 350 एकड़ जमीन में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया है। पुलिस ने अफीम की खेती पर ट्रैक्टर भी चलाया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अफीम का कारोबार करने वालों को बड़ा झटका लगा है। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि अवैध तरीके से अफीम की खेती हो रही है। सूचना के आलोक में वन विभाग के साथ एक पुलिस टीम बनाकर पिछले 15 दिनों तक कार्रवाई की गई। इसी के तहत पुलिस अफीम की खेती को नष्ट कर रही है ताकि अफीम का नामोनिशान मिटाया

जा सके। हजारीबाग पुलिस का कहना है कि अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ आर्थिक चोट करना जरूरी है। इसे देखते हुए बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह अभियान जारी रहेगा। हजारीबाग का कटकमसांडी और केरेडारी भी कभी अफीम की खेती के लिए पूरे राज्य भर में सुर्खियों में रहता था। बेहतर पुलिसिंग और जागरूकता के कारण अब यहां के किसान वैल्यू एडेड खेती कर रहे हैं। अधिकतर किसानों ने टमाटर और स्ट्रॉबेरी की खेती करना शुरू किया है। एक सकारात्मक पहल समाज की कही जा सकती है। अफीम की खेती के खिलाफ हजारीबाग पुलिस गुप्तचर के अलावा टेक्निकल मदद भी ले रही है। सेटेलाइट मैपिंग और ड्रोन की मदद से जानकारी जुटाई जा रही है। यही कारण है कि हजारीबाग पुलिस ने लगभग 300 एकड़ जमीन में लगी अफीम की खेती नष्ट किया है। हजारीबाग एसपी ने बताया कि पिछले 19 दिनों से लगातार कार्रवाई चल रही है जिसमें भारी मात्रा में लगी अफीम की खेती को खत्म किया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी पर बनेगी फिल्म

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी पर फिल्म बनने वाली है। इसी कड़ी में झारखंड के पर्यटन एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू उन आंदोलनकारियों से मिल रहे हैं, जिन्होंने संघर्ष के दिनों में गुरुजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी थी। झारखंड के पर्यटन एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू धनबाद के राजगंज प्रखंड स्थित लाठाटांड़ गांव पहुंचे, जहां उन्होंने झारखंड आंदोलनकारी शंकर किशोर महतो से मुलाकात की। शंकर किशोर महतो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षकालीन साथियों में से एक रहे हैं। मुलाकात के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने झारखंड आंदोलन के दिनों की चर्चा करते हुए शंकर किशोर महतो से उनके संघर्ष से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी ली। शंकर किशोर महतो ने बताया कि वे विनोद बिहारी महतो के माध्यम से आंदोलन से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि आंदोलन के शुरुआती दौर में

कार्यकर्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई बार साथियों को जेल से छुड़ाने के लिए आर्थिक सहयोग तक जुटाना पड़ता था। शंकर किशोर महतो ने बताया कि उस समय टुंडी विधानसभा क्षेत्र के पलमा में उनके घर से संगठन का संचालन किया जाता था। बाद में पोखरिया में आश्रम बना, जहां से झारखंड आंदोलन की गतिविधियां संचालित होने लगीं। शिवाजी समाज के माध्यम से आंदोलन को गति मिली जिससे गुरुजी शिबू सोरेन जुड़े हुए थे। वहीं मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जीवन और संघर्ष पर आधारित लगभग तीन घंटे की एक फीचर फिल्म बनने वाली है। इसे लेकर गहन शोध कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन के संघर्षकाल के साथी अब बहुत कम जीवित हैं और उनकी संख्या सीमित है। इसी वजह से उनके साथ रहे आंदोलनकारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि शिबू सोरेन पर बनने वाली फिल्म पूरी तरह वास्तविक घटनाओं और तथ्यों पर आधारित होगी। इसमें कोई काल्पनिक तत्व नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन के साथ आंदोलन में जुड़े लोगों ने कभी यह नहीं सोचा था कि वे सांसद या विधायक बनेंगे। वे स्वयं 33 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े हैं और परिस्थितियों ने उन्हें मंत्री बनाया है। मंत्री ने कहा कि शंकर किशोर महतो द्वारा बताई गई बातों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंचायी जाएगी और उन्हें मुख्यमंत्री से मिलवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही गांव की जिन समस्याओं को सामने रखा गया है, उनके समाधान की दिशा में भी पहल की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं। आज भी यह बड़ी समस्या है। अलग झारखंड राज्य की लड़ाई इसी उद्देश्य से लड़ी गई थी कि यहां के लोगों को अपने राज्य में ही बेहतर अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि समस्याएं पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं, लेकिन पहले की तुलना में स्थिति में सुधार हुआ है और आगे भी प्रयास जारी रहेंगे।

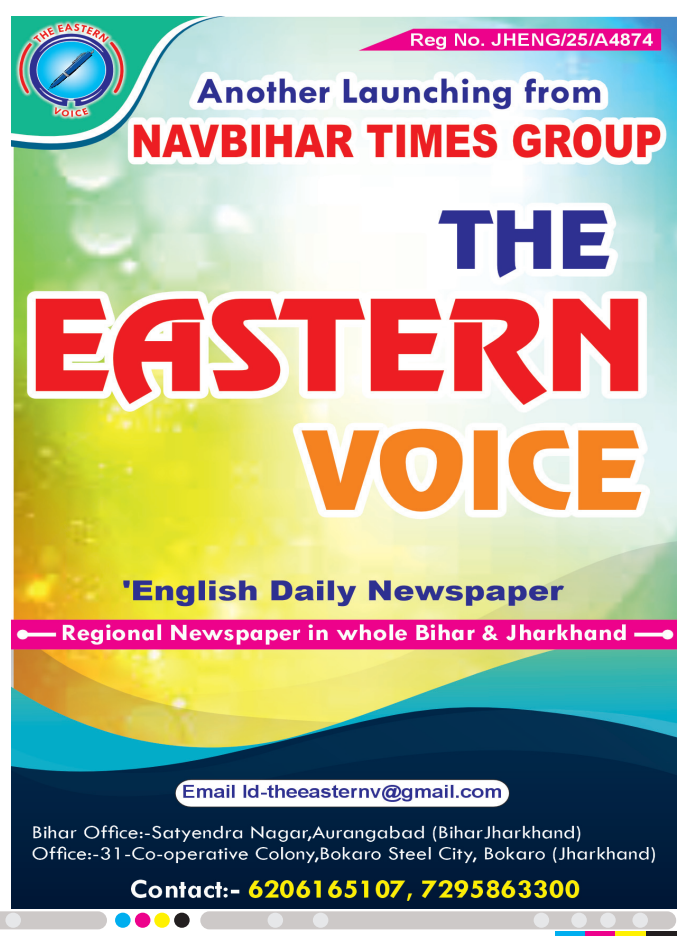

संक्षिप्त समाचार

बीएमडब्ल्यू वेंचर्स लिमिटेड पटना ने की नौ महीनों के वित्तीय परिणामों की घोषणा

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएमडब्ल्यू वेंचर्स लिमिटेड, पटना ('कंपनी') ने सेबी रेग्युलेशन्स, 2015 के अनुरूप वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (Q3 FY26) तथा 31 दिसंबर 2025 को समाप्त नौ महीनों की अवधि के लिए अपने Unaudited वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। Q3 FY26 के दौरान कंपनी का कुल रेवेन्यू 563.17 करोड़ रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 61.32 करोड़ (12.22%) की तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष-दर-वर्ष (Yo) आधार पर रेवेन्यू में 78.27 (16.14) करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। 31 दिसंबर 2025 को समाप्त नौ महीनों की अवधि में कंपनी का कुल रेवेन्यू 1,547.74 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 70.56 करोड़ (4.78%) की YTD YoY वृद्धि को दशार्ता है। शुद्ध लाभ के स्तर पर कंपनी ने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। Q3 FY26 में प्रॉफिट बिफोर टैक्स में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 5.37 करोड़ (53.87%) तथा वर्ष-दर-वर्ष (oY) आधार पर 4.50 करोड़ (41.52%) की वृद्धि दर्ज की गई। नौ महीनों की अवधि में पीबीटी में 3.62 (11.69%) करोड़ की ड्ड वृद्धि दर्ज की गई। Q3 FY26 के दौरान कंपनी का पीबीटी मार्जिन 2.72% रहा। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। Q3 FY26 में पीएटी में QoQ आधार पर 4.38 करोड़ (61.60%), YoY आधार पर 3.55 करोड़ (44.76%) तथा नौ महीनों की अवधि में YoY आधार पर 3.51 करोड़ (16.05%) की वृद्धि दर्ज की गई। इस तिमाही के दौरान पीएटी मार्जिन 2.04% रहा। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 10 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 1.50 का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है, जो लागू वैधानिक एवं नियामकीय प्रावधानों के अधीन होगा।

बीते दो महीने से सड़क पर बह रहा नाला का पानी

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढी प्रखंड के बैरमचक गांव में पिछले दो महीने से पूरे गांव के लोग काले पानी की सजा भुगत रहे हैं, दरअसल इस गांव में तकरीबन 2 महीने से नाले का पानी सड़कों पर बह रहा है। नतीजन आवागमन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इस नाले के पानी से तकरीबन 50 से अधिक घर इससे प्रभावित है। लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो गया है, किसी तरह से नाले के पानी में चलने को विवश हैं, हालांकि महिलाओं को पूजा पाठ करने में कई तरह की परेशानी हो रही है, सरपंच मनोज कुमार उर्फ मंटू यादव ने बताया कि नाले के पानी का कोई निकासी नहीं है, जिस वजह से नाले का पानी रुका हुआ है और सड़कों पर ही बह रहा है जिससे आवागमन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण स्थानीय प्रशासन से नाले के पानी के निकासी का विकल्प ढूंढा जाए, बैरमचक के बबलू कुमार पटेल,दीनबंधु कुमार (वार्ड सदस्य - 9), मनु बिंद,योगेंद्र बिंद,मुंद्रिका यादव,चंद्रिका यादव, शिवनाथ बिंद,भूखल बिंद आदी शामिल रहे।

दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी के लिए निकाली गई रैली

मनेर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी एवं जागरूकता को लेकर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय में दिव्यांगजनों की जागरूकता रैली निकाली गई।जिसका उद्घाटन सीडीपीओ मेंविका दर्शन,विकास पदाधिकारी सुधीर कुमार आदि ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर किया। जागरूकता रैली के बारे में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि दिव्यांगजनों को युडीआईडी कार्ड के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार से चलने वाली बहुत सी योजनाओं का उन्हें लाभ दिया जाता है। 40% से अधिक दिव्यांगजनों को शिक्षा एवं रोजगार हेतु बैटरी चलित ट्राई साइकिल निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना के तहत कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण का भी वितरण किया जा रहा है। जिन लोगों को पहले से सादा या पीला रंग का दिव्यंता प्रमाण पत्र निर्गत है उन्हें युडीआईडी कार्ड के लिए सीएससी सेंटर से आवेदन करना है।वही दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी के लिए जागरूकता रैली निकाली गई।

नौ दिवसीय सूर्य यज्ञ के लिए निकाली कलश यात्रा

दनियावां(पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दनियावां बाजार के समीप सूर्य मंदिर प्रांगण में 9 दिवसीय महायज्ञ को लेकर मंगलवार को कलश यात्रा निकाली गई।फतुहा स्थित त्रिवेणी संगम गंगा घाट से पूजा अर्चना कर सैकड़ों श्रद्धालु कलश में गंगाजल भरकर दस किलोमीटर की पैदल यात्रा कर यज्ञ स्थल पहुंचे।इस महायज्ञ में वाराणसी और वृंदावन के मुकेश शास्त्री समेत कई आचार्य मौजूद थे।

धनरूआ के मध्य विद्यालय नेतौल के प्रधानाध्यापक की हुई विदाई और सम्मान समारोह का आयोजन

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मध्य विद्यालय नेतौल के प्रधानाध्यापक रामाधीन पासवान का विद्यालय परिवार की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के वरीय शिक्षक कामता प्रसाद ने किया। तथा मंच के संचालन ब्रज भूषण प्रसाद ने किया। इस मौके पर धनरुआ के शिक्षक संघ अध्यक्षक गजेंद्र कुमार हिमांशु ने रामाधीन पासवान को एक ईमानदार और मिलनसार शिक्षक बताया।

इन्होंने अपने कार्य काल में विद्यालय को सावरने और सजाने का काम किया। इस मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री मिथलेश कुमार, लेखापाल -नदीम जी, डीडीओ- श्रवण कुमार, तथा अन्य और कर्मी उमेश प्रसाद, सुनील कुमार सिंह, राजकुमार, अरुजय कुमार, विपिन कुमार, तनवीर जी, बृजनन्दन जी इत्यादि मई नेतौल के मुखिया अनिल, पंचायत समिति प्रतिनिधि मंटू कुमार इस मौके पर उपस्थित थे। संकुल के सभी शिक्षक उपस्थित रहें, विजय कुमार, अमित कुमार सभी गणमान्य ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की।

पटना में बिना निशान थायरॉइड सर्जरी की ऐतिहासिक सफलता

रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल में नई मेडिकल उपलब्धि

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार की राजधानी पटना में चिकित्सा क्षेत्र ने एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल में अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी (Scarless Thyroid Surgery) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। यह जटिल और आधुनिक सर्जरी अस्पताल के वरिष्ठ कंसल्टेंट थोरैसिक, लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. रवि रंजन कुमार द्वारा उनकी विशेषज्ञ टीम के साथ की गई। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गर्दन पर किसी भी प्रकार का चीरा या स्थायी निशान नहीं पड़ता। पारंपरिक थायरॉइड सर्जरी के विपरीत, एंडोस्कोपिक पद्धति में शरीर के अन्य हिस्सों से सर्जरी की जाती है, जिससे मरीज को बेहतर सौंदर्य परिणाम, कम दर्द और तेज रिकवरी मिलती है। डॉ. रवि रंजन कुमार, जो एमसीएच (Minimal Access Surgery) और एआईआईएमएस दिल्ली से प्रशिक्षित हैं, ने बताया कि यह तकनीक विशेष रूप से युवाओं और महिला मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि इस सर्जरी में अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि कम होती है और मरीज जल्दी अपने सामान्य जीवन में लौट सकता है। इस अवसर पर रुबन ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट एवं प्रबंध निदेशक डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह ने कहा कि रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल का उद्देश्य हमेशा अत्याधुनिक और सुरक्षित चिकित्सा तकनीकों को बिहार तक लाना रहा है। उन्होंने डॉ. रवि रंजन कुमार और उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्कारलेस थायरॉइड सर्जरी की शुरूआत पटना को उन्नत सर्जिकल सुविधाओं के राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करती है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस तरह की उन्नत सर्जरी के लिए विशेष प्रशिक्षण और अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता होती है, जो अब पटना में उपलब्ध होना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे मरीजों को इलाज के लिए बड़े महानगरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह उपलब्धि न केवल रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल, बल्कि पूरे बिहार में न्यूनतम इनवेसिव और स्कारलेस सर्जरी के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ती है।

मोटरसाइकिल शोरूम के मालिक से दिनदहाड़े छह लाख की लूट

सूचना पर एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंच जांच में जुटे

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अनुमंडल के बाढ़ थाना अंतर्गत एसडीपीओ ऑफिस से कुछ दूरी पर दिनदहाड़े अपराधियों ने हीरो शोरूम के एक पार्टनर से 6 लाख रुपये लूट कर अपाचे बाइक पर सवार दो अपराधी भाग गये। हीरो शोरूम के मालिक ललन कुमार बैंक ऑफ बरोदा बैंक से पैसा निकालकर अपने शो रूम पहुंचे। फिर वहां से पैदल हाथों में झोला में रखी 6 लाख रुपये लेकर घर जाने लगे तभी पहले से घात लगाये बाइक सवार अपराधी झपटा मार फरार हो गये।

घटना की सूचना पर एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंच जांच में जुटे है। कोई पुलिस का कहना है कि इस तरह की दिनदहाड़े घटना पुलिस के लिए चुनौती है और इस चुनौती को हम स्वीकार करते हैं और जल्द ही हम अपराधी को खोज निकलेंगे। पुलिस ने एक टीम का गठन करते हुए तकनीकी सहायता से आसपास के सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला शुरू किया है। पुलिस ने मोटरसाइकिल की पहचान कर ली है और अनुसंधान जारी है। वहीं इस तरह की घटना से लोग दहशत में हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन पहले ही प्रखंड कार्यालय के पास बैंक से पैसा निकाल कर जा रहे एक व्यक्ति के थैले में ब्लेड मारकर रुपया को बाहर गिरा दिया था। इस दौरान स्थानीय यात्रियों ने चोर की करतूत को देख ली और उसे पकड़ कर जमकर धुनाई कर दी थी।

धनरूआ में युवती को जबरन उठा ले जाने का आरोप, पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनरूआ थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार सुबह करीब 11 बजे 22 वर्षीय युवती को जबरन उठा ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक चार-पांच अन्य लोगों के साथ युवती के घर पहुंचा और उसे अपने साथ ले गया। इस दौरान जब युवती की मां ने विरोध किया तो आरोपी युवक ने उसे धक्का दे दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ी।इस मामले में अगवा की गई युवती की मां ने धनरूआ थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में अरवल जिले के करपी थाना क्षेत्र के खजूरी गांव निवासी राजकुमार सिंह के पुत्र समीर कुमार, उसके पिता राजकुमार सिंह, राहुल कुमार समेत दो अन्य को आरोपी बनाया गया है।

खेल क्लब बनने से गांव की छिपी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में मिलेगी मदद : विधान पार्षद

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत मसौढ़ी प्रखंड के देवरिया पंचायत के अनौली गांव में गुरुवार को स्व. राममनोहर लोहिया खेल क्लब भवन निर्माण कार्य का विधान पार्षद रविंद्र सिंह कार्यप्रारंभ किया. मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा, पंचायत अध्यक्ष शंभू सिंह आदी ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर कार्य प्रारंभ कराया. विधान पार्षद रविंद्र सिंह ने कहा की नौ लाख रुपये की प्राकल्लन राशि से यह खेल भवन बनाये जा रहे हैं जो डेढ़ महीने के अंतराल में बनकर तैयार हो जायेगा. उन्होंने कहा कि सूबे की सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए गांव से लेकर शहर तक सुविधा मुहैया करा रही है. उन्होंने कहा कि इससे गांव की प्रतिभा जो अब तक छिपी हुई थी उसे राष्ट्रीय फलक तक पहुंचने में मदद मिल पायेगी. सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के अंदर खेल के प्रति बढ़ावा देने का अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रही है, खेल क्लब भवन में युवाओं के लिए हर तरह के खेल के साधन उपलब्ध करवाएंगे, जैसे बैट बॉल, कैरम बोर्ड ,हॉकी कई तरह के खेल उपकरण रहेंगे। वैसे छात्र-छात्र युवा जो स्कूल जाते हैं वह स्कूल से जब आएंगे तो वह शाम को मोबाइल की जो लत लग गई है उससे कम से कम या दूर होंगे। खेलने से न केवल शरीरक बल्किऔर मानसिक तौर पर भी मजबूती मिलेगी।पुरे मसौढी प्रखंड के 17 पंचायतों में से अब तक कुल 14 जगहों पर खेल क्लब निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिसमें कुल 6 से अधिक जगह पर कार्य अंतिम चरण पर चल रहा है। मौके पर कई गण्यमान्य उपस्थित रहे।

बाढ़ पुलिस ने कुख्यात डकैत को तमिलनाडु से किया गिरफ्तार

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2024 बाढ़ थाना क्षेत्र में स्वर्ण व्यवसायी से डकैती एवं एक अन्य डकैती कांड का सफलतापूर्वक पदार्फाश कर लिया है,और मुख्य अभियुक्त को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया है, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शेखपुरा जिला के मेहुस थाना क्षेत्र निवासी प्रमोद पासवान के पुत्र सनी कुमार के रूप में हुई है। जो कई डकैती के कांडों में पहले भी अभियुक्त रहा है, दो कांड इसके विरुद्ध बाढ़ थाना में ही दर्ज है जिसमें 389/2024 और 450/2024 है, पहली घटना दयाचक की है। जबकी दूसरी घटना नोनिया बाग की है,वही गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एक और कांड डकैती का ही निरसा थाना में दर्ज है। इन सभी कांडों में इसकी तलाश की जा रही थी। अन्य अभियुक्तों की पहले ही गिरफ्तारी की जा चुकी है। दरअसल बाढ़ के दयाचक और नोनिया बाग मोहल्ले में डकैती कांड को इसने 2024 में अंजाम दिया था। जिसके बाद से ही यह बदमाश फरार चल रहा था, और विभिन्न राज्यों में छुप कर रह रहा था। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर एक टीम गठित कर तमिलनाडु भेजा क्यूंकि इसके तमिलनाडु में रहने की सूचना प्राप्त हुई थी जहां से इसकी गिरफ्तारी हुई।

कभी बारूदों गंध और गोलियों की तडतडाहट से थरार्ता था पूरा इलाका, बदलते बयार में फूलों की खेती से फिजा हो रही रंगीन

शशि तुलस्यान

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नक्सलियों के नैनिहाल और माओवादियों के मांद कहे जाने वाला भगवानगंज इलाका कभी बारूद की गंध और गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका थर्रा उठता था,, लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं. इस बदलते बयार में फिजां रंगीन हो चुकी है,सैकड़ों एकड़ में फूलों की खेती और उसकी महक से दूर-दूर तक एक खुशनुमा माहौल बन रहा है। बहरहाल भगवानगंज का चैनपुर गांव में जहाँ कभी नक्सलियों के कारण बदनाम रहा ये पूरा इलाका आज फूलों की खेती कर एक 'रंगीन और खुशबूदार' संदेश दे रहा है. गेंदा की कई प्रजातियां और इसके अलावा गुलाब, चंपा, सदाबहार, मोगरा आदि फूलों की खेती हो रही है. इस काम से करीब 300 से अधिक परिवार जुटे हैं,बहरहाल भगवानगंज थाना इलाके में माहौल रंगीन हो गया है. रंग बिरंगे फूलों से पूरा इलाका काफी खूबसूरत दिख रहा है. नक्सल इलाकों में रंगीन फिजां बदलते माहौल का खुशनुमा संदेश दे रही है। फूलों की खेती करने वाले चैनपुर के कमलेश कुमार ने बताया कि तकरीबन 300 से अधिक परिवार भगवानगंज के चैनपुर गांव में फूलों की खेती करते हैं. तकरीबन 80 एकड़ में फूलों की खेती होती है. गेंदा फूल की कई प्रजातियों की खेती होती है. यहां से फूल कई राज्यों में भेजी जाती है।

शहर के सभी वार्डों में समस्याओं के समाधान विकास की योजना और जनसुनवाई के लिए 'वार्ड सभा' का आयोजन

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद मसौढी के विभिन्न वार्डों में वार्ड सभा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों की भागीदारी के साथ विकास कार्यों की योजना बनाना, समस्याओं की पहचान करना और वार्ड पार्षदों की देखरेख में कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करना है। ऐसे में गुरुवार को नगर परिषद मसौढी के वार्ड संख्या 26 के सरवां गांव में वार्ड सभा का आयोजन किया गया, जिसके अध्यक्षता वार्ड पार्षद शैल देवी ने की। इस मौके पर वार्ड के सभी मोहल्लेवासी शामिल हुए,वार्ड सभा में खास तौर पर वीर कुंवर सिंह कॉलोनी से सरवां तक जल जमाव निकासी लाइट लगाने आदि कई मुद्दों पर चर्चा की गई है मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शैलेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, संजय कुमार साकेत ,दीपक कुमार,अजीत कुमार के अलावा नगर परिषद के आवास कर्मचारी रिंकू कुमार आदि शामिल रहे, वार्ड सभा में स्थानीय मुद्दों,पर चर्चा, योजनाओं का चयन, और वार्ड की जरूरतों को नगर परिषद के सामने रखा गया। कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन ने बताया की वार्ड सभा जनता के लिए अपने पार्षद से सीधे संवाद करने और जवाबदेही तय करने का एक सीधा मंच है।जहाँ वार्ड के विकास कार्यों, जैसे- नाली, सड़क, स्ट्रीट लाइट और सफाई आदि के लिए योजनाएं तैयार करना होता है। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं को सुनना और उन पर आम सहमति बनाना है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुध्न प्रसाद का विदाई सह सम्मान समारोह

घोड़ासहन (पूर्वी चम्पारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुध्न प्रसाद के सेवानिवृत्ति के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी में विदाई सह सम्मान समारोह काआयोजन किया गया.कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील यादव तथा संचालन शाह अकबर तथा अजय राम ने संयुक्त तौर पर किया.कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से जुड़े पदाधिकारी,शिक्षक,कर्मी एवं बड़ी संख्या छात्र-छात्राएं उपस्थित रही.कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया.समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने श्री प्रसाद के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया.शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उनका योगदान सराहनीय रहा है. उन्होंने विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के साथ-साथ शिक्षक एवं छात्रों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए.अपने विदाई संबोधन में शत्रुध्न प्रसाद ने सभी सहयोगियों, शिक्षकों एवं कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रखंड में कार्य करने के दौरान उन्हें सभी का भरपूर सहयोग मिला. उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है.

15 धूर जमीन दिखाकर रजिस्ट्री के नाम पर ठग लिए 25 लाख

नहीं हुई जमीन की रजिस्ट्री, प्राथमिकी दर्ज

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अगर आप जमीन खरीद रहे हैं तो सबसे पहले सावधान और सतर्क रहें और जमीन के सभी कागजात एवं अन्य चीजों की जानकारी इकट्ठा कर ले, दरअसल मसौढ़ी शहर में इन दिनों जमीन खरीद बिक्री को लेकर कई तरह के जालसाजी की भी मामले सामने आ रहे हैं: ऐसा ही एक मामला मसौढ़ी थाना क्षेत्र के तारेगना चक गांव की है जहां पर 15 धुर जमीन की रजिस्ट्री के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में कुणाल कुमार पिता नाथन सिंह तारेगना चक निवासी ने रंजीत कुमार पिता राजेंद्र राम कुमहरटोली टर जमीन दिखाकर 25 लाख रुपए की ठगी कर लेने की प्राथमिकी थाने में कार्रवाई हैं। दरअसल बताया जाता है कि बीते 3 मार्च 2025 को मौजा अब्दुल्ला नगर में 15 धुर की जमीन को दिखाकर सबसे पहले एग्रीमेंट करवाया उसके बाद कुणाल कुमार से ₹5 लाख की राशि ली, उसके बाद 6.03.2025 को ₹9 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से दिए हैं, उसके बाद 3 लाख 65 हजार दिए हैं ऐसे करके तकरीबन 25 लाख रुपए की राशि उसे दिए, लेकिन बार-बार रजिस्ट्री का डेट आगे बढ़ाते हुए एक दिन ऐसा आया कि वह फरार हो गया।

डाकघर से नाता जोड़ें, सुकन्या समृद्धि सहित अन्य खाता खुलवाएं और अपने धन को सुरक्षित रखें : मो.अब्दानी चीफ पोस्टमास्टर

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डाक विभाग में सुरक्षित और उच्च रिटर्न वाली कई सरकारी बचत योजनाएं प्रदान की जा रही है, जिसमें सुकन्या समृद्धि, सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम, पीपीएफ, डाकघर मासिक आय योजना, रेकरिंग डिपॉजिट और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र शामिल हैं। उक्त बातें चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार मो. अब्दानी ने मंगलवार को धनरूआ के पडितगंज शाखा डाकघर मे कार्यक्रम के दौरान कही, मौके पर पटना साहिब के डाक अधीक्षक अनिल कुमार, सहायक डाक अधीक्षक उमाशंकर कुमार, डाक अधीक्षक मनोज कुमार के अलावा हजरत साइ उप डाकघर के विनय कुमार, भखरी के सरस्वती कुमारी एवं सोनमई के जनजय कुमार आदि शामिल रहे। चीफ पोस्ट मास्टर जनरल बिहार ने बताया कि सुकन्या समृद्धि खाता झ बेटियों की शिक्षा और विवाह के लिए सर्वोत्तम है जिसमें 8.2% तक का उच्च ब्याज मिलता है। सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम-वरिष्ठ नागरिकों (60+ वर्ष) के लिए, जिसमें 8.2% प्रति वर्ष तक का ब्याज प्रदान किया जाता है । डाकघर मासिक आय योजना (एमआईएस) में एकमुश्त निवेश पर 7.4% तक वार्षिक ब्याज के साथ हर महीने गारंटीड आय प्रदान की जाती है। ग्रामीण वासियों से अपील की है कि घर बैठे डाकघर से नाता जोड़ें और जनहितकारी योजनाओं से लाभ उठाएं और अपने खून पसीने की कमाई से अर्जित धन को डाकघरों में अत्यधिक सुरक्षित रखें। क्योंकि डाकघर का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा, जन सेवा है। इसे अलावा चीफ पोस्टमास्टर जनरल मो. अब्दाली ने , सुकन्या खाता, बचत खाता, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, इंडिय पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्य से डीबीडी के माध्यम से सरकारी लाभ की सुविधा डाक घर मे सुविधा के बारे जानकारी दी।

मंत्री ने किया बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री सुरेंद्र मेहता ने गुरुवार को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय स्थित पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशु चिकित्सा स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग, पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी विभाग सहित विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया तथा वहां उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं और उपचार प्रक्रियाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने चिकित्सालय में उपलब्ध एक्स-रे मशीन, रक्त एवं अन्य जांच उपकरण, आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर समेत विभिन्न संसाधनों को देखा और संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय का यह उन्नत पशु चिकित्सालय देश के आधुनिक पशु चिकित्सालयों से किसी भी तरह कम नहीं है। उन्होंने प्रतिदिन पंजीकृत होने वाले पशुओं की बढ़ती संख्या पर भी प्रसन्नता जताई और कहा कि यह विश्वविद्यालय के दक्ष पशु चिकित्सकों और आधुनिक तकनीकों से हो रहे बेहतर उपचार का परिणाम है। मंत्री ने चिकित्सालय में इलाज कराने आए पटना एवं आसपास के क्षेत्रों से आए पशुपालकों और पशु प्रेमियों से भी बातचीत की। उन्होंने पाया कि यहां आने वाले लोगों को उन्नत सेवाओं का लाभ मिल रहा है। पशु प्रेमियों ने जहां वर्तमान सुविधाओं की सराहना की, वहीं कुछ छोटी-मोटी व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की मांग भी रखी। इस पर मंत्री ने आश्वस्त किया कि जो भी कमियां शेष हैं, उन्हें जल्द सुदृढ़ किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने पशु चिकित्सालय में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से भी संवाद किया और उनके अनुभवों की जानकारी ली। इस अवसर पर बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. जे.के. प्रसाद, डॉ. पल्लव शेखर, डॉ. ज्ञान देव सिंह, डॉ. राजेश, डॉ. अजीत, डॉ. दीपक सहित अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दारू में स्वतंत्रता सेनानी सरस्वती देवी की मनाई गयी 125 वीं जयंती

दारू हजारीबाग (नबिटासं)। दारू में धूमधाम से मनी स्वतंत्रता सेनानी सरस्वती देवी की 125वीं जयंती. देश की महान स्वतंत्रता सेनानी सरस्वती देवी की 125वीं जयंती गुरुवार को सरस्वती प्लस टू उच्च विद्यालय, दारू में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी दारू रामबालक कुमार, बीडीओ हारून रशीद, सरस्वती देवी के पौत्र भैया मारुति शरण सहाय एवं भैया सुकेश सहाय तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक परितोष झा ने दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर भैया मारुति शरण सहाय ने कहा कि सरस्वती देवी संयुक्त बिहार की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अपने एक वर्ष के बच्चे को साथ लेकर जेल यात्रा की थी। अंचलाधिकारी रामबालक कुमार ने कहा कि यह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि इतनी महान स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर वर्ष 1948 में विद्यालय की स्थापना हुई, जहाँ से आज भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। भैया सुकेश सहाय ने कहा कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं प्रधानाध्यापक परितोष झा ने कहा कि प्रतिदिन उनकी प्रतिमा को नमन करने से उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में प्रीति प्रकाश, मीना नारायण, ओमप्रकाश, नंदकिशोर, मंजू देवी, मोहम्मद मोबिन सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

विश्व हिंदू कल्याण फाउंडेशन के सचिव ने दारू थाना प्रभारी से की शिष्टाचार मुलाकात

दारू हजारीबाग (नबिटासं)। विश्व हिंदू कल्याण फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ साव ने दारू थाना प्रभारी इकबाल हुसैन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी को संस्था द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और भविष्य में सहयोग की अपेक्षा जताई। बैजनाथ साव ने बताया कि उनकी संस्था जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए लगातार कार्य कर रही है। खासकर निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग, गंभीर रूप से बीमार लोगों के इलाज में सहायता करना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। वहीं थाना प्रभारी इकबाल हुसैन ने संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण होती है और पुलिस प्रशासन ऐसे प्रयासों में हमेशा साथ खड़ा रहेगा।

बेला में महायज्ञ के तहत प्रवचन मंच का उद्घाटन, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला बने मुख्य अतिथि

बरही हजारीबाग (नबिटासं)। प्रखंड अंतर्गत पंचायत कोल्हुआ कला के ग्राम बेला में आयोजित श्री श्री 1008 श्री हनुमत सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दूसरे दिन संध्या बेला में प्रवचन मंच का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने विधिवत रूप से मंच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर यज्ञ समिति की ओर से उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया रघुवीर यादव, युवा नेता अरविंद यादव, कांग्रेस नेत्री मीना देवी, रामानंद यादव सहित यज्ञ समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष भोला यादव, सचिव सुधीर यादव, कोषाध्यक्ष गोबिंद कुमार चंद्रवंशी, संयोजक उमेश कुमार चंद्रवंशी तथा सह संयोजक संजय यादव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। महायज्ञ के अंतर्गत श्रीधाम वृंदावन से पधारीं प्रवचनकर्ता बाल व्यास सुजाता किशोरी श्रद्धालुओं को कथा श्रवण करा रही हैं। यह सात दिवसीय महायज्ञ 3 फरवरी से 9 फरवरी तक आयोजित किया गया है, जिसमें प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन कार्यक्रम होंगे।

पारदर्शी एवं कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने को लेकर जिला उपायुक्त ने किया मकतपुर हाई स्कूल का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिले में आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा संचालित है। परीक्षा के सुचारु संचालन एवं व्यवस्थाओं को लेकर जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने मकतपुर हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा संचालन की निगरानी व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने केंद्राधीक्षक, वीक्षक एवं परीक्षा कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षकों को परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा के दौरान झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा जारी सभी दिशा-निदेशों एवं नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा को कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाए तथा परीक्षार्थियों को शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। आगे उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के आसपास सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त ने समाहरणालय अवस्थित विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । समाहरणालय अवस्थित विभिन्न कार्यालय में जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से आज जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने समाहरणालय में अवस्थित विभिन्न विभागों यथा राजस्व शाखा, समाज कल्याण विभाग, बाल संरक्षण शाखा, विधि शाखा, जिला स्थापना शाखा सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न कार्यालयों में संचालित कार्यों, अभिलेखों के संधारण कार्यालयीन व्यवस्था साफ सफाई अनुशासन एवं आमजनों को दी जा रही सेवाओं की गहन समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके दायित्वों लंबित मामलों सेवा वितरण की स्थिति एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विभाग समयबद्ध रूप से कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करें तथा आम नागरिकों को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े आगे उपायुक्त ने कहा कि समाहरणालय आम जनता के लिए प्रशासन का प्रमुख केंद्र है, अत यहां आने वाले नागरिकों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार त्वरित सुनवाई एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा देना सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों का दायित्व है। उन्होंने फाइलों एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख रखाव डिजिटल प्रक्रियाओं के अधिकतम उपयोग तथा कार्यालयीन पारदर्शिता पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था सूचना पट्ट शिकायत निवारण व्यवस्था एवं कार्यालय समय के पालन की भी समीक्षा की गई। जिन विभागों में कमियां पाई गईं उन्हें शीघ्र सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा कर कार्यों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाया जाए। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से टीम भावना के साथ कार्य करने, सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा जिले के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

- उपायुक्त ने विभिन्न कार्यालयों में संचालित कार्यों, अभिलेखों के संधारण, कार्यालयीन व्यवस्था, साफ-सफाई, अनुशासन एवं आमजनों को दी जा रही सेवाओं की गहन समीक्षा की

जतरा मेला से लौट रही दो नाबालिगों के साथ सामूहिक दुष्कर्म, 4 आरोपित गिरफ्तार, 4 किशोर निरुद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । 25 जनवरी 2026 की रात्रि हरलाडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत जतरा मेला देखने गई दो नाबालिग बच्चियों के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना को अंजाम दिया गया। इस संबंध में खुखरा हरलाडीह थाना कांड संख्या 02/26 26.01.2026 को धारा 70(2), 3(5) बीएनएस एवं 6/10 पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डुमरी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल एस ई टी का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में श्वान दस्ता, विधि-विज्ञान प्रयोगशाला रांची एवं तकनीकी टीम को घटनास्थल पर प्रतिनियुक्त किया गया।

मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने इस कांड का सफल उद्भेदन करते हुए 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि 04 विधि-विरुद्ध किशोरों को निरुद्ध किया गया है गिरफ्तार अभियुक्तों में राजेश मुर्मू, रविलाल टुडू, संजय टुडू एवं सोहन टुडू शामिल हैं। पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक अभियुक्त का जिंस पैंट तथा 07 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पति ने ही रची पत्नी की हत्या की साजिश, अर्द्धजला शव जंगल में फेंका गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । बगोदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कारीपहाड़ी के जंगल में 30 जनवरी 2026 की सुबह एक अज्ञात महिला का अर्द्धजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना पर गिरिडीह पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बगोदरझसरिया के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर एफएसएल टीम, श्वान दस्ता, फिंगर प्रिंट व तकनीकी टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। जांच के दौरान डुमरी थाना क्षेत्र से 28 जनवरी को लापता शाहिना प्रवीण की पहचान उसके माता-पिता ने कपड़ों, चूड़ियों व शरीर पर मौजूद निशानों के आधार पर की मृतका के पिता ताहुल अंसारी के आवेदन पर बगोदर थाना कांड संख्या 20/26 दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति जाबीर अंसारी और सास जैबुन निशा सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रेक्षकों ने की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा, नगरपालिका चुनाव के लिए गठित विभिन्न कोषांगों के कार्यों से हुए अवगत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । नगरपालिका आम चुनाव-2026 के सफल संचालन को लेकर पलामू पहुंचे प्रेक्षकों ने 5 फरवरी 2026 को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन सहित जिले के सभी पांचों नगर निकाय के निवार्ची पदाधिकारी,विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय के संबंधित प्रेक्षक को एक-एक कर उनके क्षेत्र में अबतक किये गये कार्यों से अवगत कराया।इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्र,मतदान केंद्र तक कर्मी के आवगमन की सुविधा सहित अन्य कार्यों से अवगत कराया।

इसके अलावे उन्होंने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा,मतदान केंद्र, वाहन की आवश्यकता,प्रशिक्षण कार्यक्रम, सामग्री, पोस्टल बैलेट, मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।बैठक में प्रेक्षकों को बताया गया कि जिले के पांचों नगर निकाय में कुल 103 वार्डों के लिये चुनाव कराया जाना है।इसके लिये 246 मतदान केंद्र बनाया गया है।वहीं शस्त्रों का सत्यापन किया जा रहा है।इसी क्रम में एफएसटी और एसएसटी का गठन किया गया है।इस अवसर पर उपरोक्त के अलावे मेदिनिगर नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक,विश्रामपुर नगर परिषद के सामान्य प्रेक्षक, छत्तरपुर नगर पंचायत के सामान्य प्रेक्षक, हुसैनाबाद नगर पंचायत के प्रेक्षक और हरिहरगंज नगर पंचायत समेत विभिन्न कोषांग के नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त की संवेदनशील पहल से बच्चों को मिला स्पॉन्शरशिप योजना का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिला उपायुक्त रामनिवास यादव आज समाहरणालय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर रहे थे, इसी क्रम में बाल कल्याण समिति के पास खड़ी दो बच्चों के साथ एक महिला पर उनकी नजर पड़ी मौके पर उपायुक्त ने महिला से समाहरणालय आने का कारण पूछा। महिला ने उपायुक्त को बताया कि मेरा नाम रेणु देवी है, मेरे दो बच्चे है राम कुमार साहू (बेटा) उम्र-7 वर्ष रितिक कुमार साहू (बेटा) उम्र-5 वर्ष सलैयडीह बच्चों के पिता का देहांत हो चुका है, मजदूरी करके घर का खर्च चलना पड़ता है।

इसके पश्चात उपायुक्त ने मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए बाल संरक्षण पदाधिकारी को बुलाया और दोनों बच्चों को प्राथमिकता के साथ स्पॉन्सरशिप योजना समेत अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ देने हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने महिला से बच्चों की पढ़ाई के बारे जानकारी प्राप्त की। साथ ही मौके पर समाज कल्याण विभाग द्वारा बच्चों को स्वेटर भी उपलब्ध कराया गया उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि बच्चों का जनकल्याण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बच्चा सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस मानवीय पहल से बच्चों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। महिला रेणु कुमारी ने भी प्रशासन की इस पहल की सराहना की और आभार व्यक्त किया। उपायुक्त की संवेदनशील सोच और तत्पर निर्णय से बच्चों को नई उम्मीद और बेहतर भविष्य की दिशा मिली है। यह पहल जिले में सकारात्मक बदलाव का उदाहरण बन रही है।

संस्कार केंद्रों में बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरित व खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। गुरुवार को विद्या भारती द्वारा संचालित भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के अंतर्गत संचालित सरस्वती संस्कार केंद्र हरला एवं सिंघरावां टीटही में अध्ययनरत भैया-बहनों के बीच विद्यालय के सौजन्य से पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया । मौके पर सभा भैया बहनों को जलपान भी कराया गया। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संचालित संस्कार केंद्र पड़ीरमा एवं पुरहरा में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सरस्वती संस्कार केंद्रों में पाठ्य सामग्री विद्यालय की आचार्या जुली कुमारी के सौजन्य से प्रदान की गई, जबकि संघ द्वारा संचालित केंद्रों में पुरस्कार विद्यालय के माध्यम से वितरित किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय, प्रभारी सह खंड सेवा प्रमुख राजू कुमार, वरिष्ठ आचार्य प्रिंस रविशंकर प्रियदर्शी, आचार्या जुली कुमारी, सुरेंद्र कुमार, सोमनाथ कुमार, योगेश्वर साव तथा पूर्व अध्यक्ष गुरुदेव गुप्ता की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन और संस्कारों के पालन का संदेश दिया।

जय माता दी ज्वेलर्स लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, अब तक पांच जेल भेजे गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। 16 नवंबर 2025 को बरही थाना क्षेत्र स्थित जय माता दी ज्वेलर्स दुकान में हुई करोड़ों रुपये के जेवरात की लूट मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस कांड में शामिल पांचवें आरोपी रामाशिष चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी बुधवार को उसके आवास ग्राम बनाही, थाना आमस, जिला गया (बिहार) से की गई। इसकी जानकारी एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। एसडीपीओ ने बताया कि यह मामला बरही थाना कांड संख्या 439/25 से जुड़ा हुआ है। घटना के बाद एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 36 घंटे के भीतर कांड का खुलासा कर दिया था और लूटे गए जेवरात बरामद करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

इसके कुछ ही दिनों बाद लूट में प्रयुक्त बाइक के साथ एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा गया था। अब तक इस मामले में इंद्रराज चौधरी (ग्राम मायापुर, थाना इंटरगंज, जिला चतरा, झारखंड), रौशन यादव (ग्राम गंगटी, थाना शेरघाटी, जिला गया, बिहार), धनंजय चौधरी उर्फ छोटू (ग्राम लेंबोइया, थाना रौशनगंज, जिला गया, बिहार) और टोलू उर्फ अभिषेक सिंह (साकीन पड़रिया, थाना धनगई, जिला गया, बिहार) सहित चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पांचवें आरोपी रामाशिष चौधरी को जख्मी हालत में उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। हालांकि उसके पास से कोई जेवरात बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास बिहार के विभिन्न थानों में दर्ज है। एसडीपीओ ने बताया कि एक अन्य फरार आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसके खिलाफ वारंट जारी किया जाएगा। प्रेस वार्ता में पुनि सह थाना प्रभारी विनोद कुमार के साथ आरक्षी गणेश यादव, सकलदेव यादव, संजय यादव समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे। इस पूरे अभियान में पुअनि मृत्युंजय कुमार, पुअनि रौशन कुमार, एएसआई नीरज कुमार सिंह एवं सशस्त्र बल की भूमिका सराहनीय रही।

एलआइसी कर्मियों ने हड़ताल की तैयारी हेतु किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ के आवाहन पर एलआईसी गिरिडीह शाखा के कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के समय द्वारा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सचिव धर्म प्रकाश ने कहा कि 12 फरवरी 2026 को देश के 10 केंद्रीय श्रम संगठन तथा 100 एसोसिएशन और फेडरेशन के द्वारा केंद्र सरकार के नीतियों के खिलाफ एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आवाहन किया गया है।

इस हड़ताल के माध्यम से श्रम संहिता को वापस लेने, बीमा कानून संशोधन बिल 2025 को वापस लेने, बीमा क्षेत्र में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को निरस्त करने, एलआईसी में तृतीय चतुर्थ वर्ग में कर्मचारियों की बहाली अभिलंब शुरू करने, किसानों को एमएसपी की गारंटी देने, बैंकों का विलय बंद करने इत्यादि मांगों को रखा गया है। आज का द्वारा प्रदर्शन कार्यक्रम इस हड़ताल की तैयारी के लिए रखा गया है। तमाम श्रमिक संगठनों के द्वारा इस हड़ताल को सफल और ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उम्मीद किया जा रहा है कि 12 फरवरी को गिरिडीह के तमाम बैंक, बीमा कार्यालय तथा अन्य कार्यालय बंद रहेंगे। इस कार्यक्रम को बीएसएसआर यूनियन के राज्य सचिवालय सदस्य मृदुल कांति दास ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर कोड केंद्र सरकार ने कॉर्पोरेट के इशारे पर बनाया है जो मजदूरों के शोषण के लिए उपयोग किया जाएगा।

लेबर कोड के लागू हो जाने से श्रमिक संगठन बनाना तथा हड़ताल करना लगभग असंभव हो जाएगा कार्यक्रम में धर्म प्रकाश अनुराग मुर्मू विजय कुमार उमानाथ झा रोशन कुमार सबा परवीन अंशु कुमारी सिंघानिया देवनाथ दास राजेश कुमार माहेश्वरी वर्मा महफूज अली प्रदीप कुमार घनश्याम साव प्रदीप प्रसाद पंकज कुमार सुनील कुमार वर्मा संजय कुमार शर्मा सहित कई कर्मचारियों ने भाग लिया।

दारू पुलिस ने न्यायालय के इश्तिहार का कराया प्रकाशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दारू (हजारीबाग)। दारू थाना कांड संख्या 1146/20 के अभियुक्त मो. तस्लीम (पिता वली मियां), निवासी सीलाडीह, थाना दारू, जिला हजारीबाग के विरुद्ध माननीय न्यायालय, हजारीबाग द्वारा निर्गत इश्तिहार का विधिवत प्रकाशन किया गया। दारू पुलिस ने न्यायालय के निदेर्शानुसार इश्तिहार को ढोल-नगाड़ा बजाकर सार्वजनिक रूप से उद्घोषित किया तथा दो गवाहों की उपस्थिति में अभियुक्त के घर, सीलाडीह चौक एवं व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग के मुख्य द्वार पर नोटिस लगाया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई है, ताकि अभियुक्त को न्यायालय में उपस्थित होने की सूचना विधिवत रूप से मिल सके।

शराब के साथ दो गिरफ्तार, एक्सेंट कार जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग (चौपारण) । पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को 05 फरवरी 2026 को गुप्त सूचना मिली कि बरही की ओर से एक हुंडई एक्सेंट कार (नंबर खल्13ऊ3969) में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब लेकर चौपारण होते हुए बिहार की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में चौपारण थाना गेट के सामने वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बरही की ओर से आ रही उक्त एक्सेंट कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए वाहन को चतरा मोड़ की ओर भगा दिया। पुलिस बल ने पीछा किया। इस दौरान कार ने तेज रफ्तार में कई वाहनों को टक्कर मारते हुए चौथी मोड़ से अंदर की ओर कच्चे रास्ते से मनगढ़ होते हुए महुदी मोड़ की तरफ भागने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मदद से आखिरकार वाहन को रोक लिया गया। कार से दो लोग उतरकर भागने लगे, जिन्हें सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इस संबंध में चौपारण थाना कांड संख्या 34/26, दिनांक 05/02/26 के तहत धारा 317(5)/ 281/132/ 109(1)/ 324(3)/221/125 /125/3(5) बीएनएस एवं 47 एक्साइज एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपीः सोनू कुमार (उम्र 19 वर्ष), पिता- उपेंद्र यादव, निवासी- परसातरी, थाना- चौपारण, जिला- हजारीबाग संदीप पासवान (उम्र 20 वर्ष), पिता- रामचंद्र पासवान, निवासी- फुलवरिया, थाना- नवलशाही, जिला- कोडरमा बरामद सामानः रॉयल स्टैग कंपनी की 06 पेटी (प्रत्येक में 12 बोतल, 750 एमएल) कुल 72 बोतल किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर की 05 पेटी (प्रत्येक में 24 कैन, 500 एमएल) कुल 120 कैन एक हुंडई एक्सेंट कार (रजिस्ट्रेशन नंबर 3969) छापेमारी दल में शामिलः अजित कुमार बिमल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही पु.अ.नि. सरोज सिंह चौधरी, थाना प्रभारी, चौपारण स.अ.नि. बादल कुमार महतो स.अ.नि. मो. कमरुद्दीन थाना रिजर्व गार्ड एवं चौकीदार पुलिस के अनुसार बरामद सभी सामानों का अनुमानित मूल्य करीब 7 लाख रुपये है।

नवजात के अदला-बदली को ले अस्पताल में हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। सदर अस्पताल के प्रसव वार्ड में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक प्रसूता के परिजनों ने बेटे की जगह बेटी सौंपे जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। नवजात के बदलने की बात सामने आते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। हालात बिगड़ते देख ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने अस्पताल से बाहर निकलकर नगर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई।

पीड़िता के भाई संजय कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने अपनी बहन गुंजन को प्रसव के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। करीब 12 बजे डॉक्टर उसे प्रसव के लिए ले गए। कुछ देर बाद अस्पताल के एक कर्मी ने परिजनों को बताया कि बेटा हुआ है और नसबंदी करानी है। पहले से प्रसूता को चार बेटियां थीं, इसलिए बेटे के जन्म की जानकारी मिलने पर परिजनों ने नसबंदी करवा दी। लगभग एक घंटे बाद जब

⇨पूर्व में भी घट चुकी है ऐसी घटना
⇨सीएस ने कहा - होगी जांच

अस्पताल कर्मियों ने बेटे की जगह बेटी सौंपनी चाही, तो परिजनों ने बच्ची लेने से इनकार कर दिया और डॉक्टर व नर्स पर बच्चे की अदला-बदली का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

आक्रोशित परिजनों के हंगामे को देख ओटी वार्ड में तैनात सभी कर्मी वार्ड छोड़कर बाहर निकल गए। इधर, सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस दल-बल के साथ अस्पताल पहुंची और परिजनों को समझाने-बुझाने में जुट गई, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे और बेटे को सौंपने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चले हंगामे और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए।

बताया जा रहा है कि इससे पहले भी सदर अस्पताल में नवजात की अदला-बदली का मामला सामने आ चुका है।

बीते 30 अगस्त को नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में गड़बड़ी के कारण बच्चे की अदला-बदली को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। बिदुपुर थाना क्षेत्र के दुगोली गांव निवासी दीपक ठाकुर की पत्नी प्रियंका कुमारी ने देर रात एक बच्चे को जन्म दिया था, जो लड़का था और इलाज के लिए नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में रखा गया था। वहीं, एक अन्य महिला जिसका नाम भी प्रियंका कुमारी था, उसकी बच्ची का भी वहीं इलाज चल रहा था। दोनों माताओं का नाम एक होने के कारण अस्पताल कर्मियों से बच्चे की अदला-बदली हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने हंगामा किया था।

इस पूरे मामले पर सिविल सर्जन डॉ. श्याम नंदन प्रसाद ने कहा कि संबंधित प्रसूता ने बेटी को ही जन्म दिया था। किसने परिजनों को बेटा होने की जानकारी दी, इसकी जांच की जाएगी। इसके लिए एक टीम का गठन कर दिया गया है और जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

पिता की पिस्टल से पुत्र ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुरा। चौसा थाना के भटगामा में गुरुवार की दोपहर एक किशोर ने पिस्टल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। मृतक की पहचान विनोद कुमार सिंह के पुत्र तन्मय कुमार(15) के रूप में हुई है। वह 12वीं का छात्र बताया जा रहा है। विनोद कुमार सिंह रिटायर्ड फौजी हैं। पिता के नाम पर ही पिस्टल का लाइसेंस है। तन्मय के दायें कनपट्टी में गोली लगी थी। स्वजन के अनुसार वह पटना में रहकर पढ़ाई करता था। विगत एक माह से घर पर ही रह रहा था।

मौके पर पहुंची चौसा थाना की पुलिस पिस्टल जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुट गई है। थानाध्यक्ष रवि कुमार पासवान के अनुसार स्वजन के द्वारा घटना का कारण नहीं बताया गया है। जांच के लिए फोरेंसिक टीम बुलाई गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

... और जब रात्रि में सिविल ड्रेस में सदर अस्पताल पहुंच गए डीएम-एसपी

बिना लाल बत्ती, बिना तामझाम के ऑल्टो कार से पहुंचे अधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई। बुधवार की रात जमुई सदर अस्पताल उस वक्त अचानक सुर्खियों में आ गया, जब जिलाधिकारी नवीन और पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल सिविल ड्रेस में सदर अस्पताल पहुंच गए। अधिकारियों के अचानक पहुंचने से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई।

खास बात यह रही कि डीएम और एसपी बिना किसी सरकारी तामझाम, बिना लाल बत्ती और बिना सुरक्षाकर्मियों के काफिले के एक साधारण ऑल्टो कार से अस्पताल पहुंचे। बताया जा रहा है कि कार स्वयं पुलिस अधीक्षक चला रहे थे, जबकि जिलाधिकारी उनके साथ अगली सीट पर बैठे थे। यह दृश्य देखकर अस्पताल कर्मियों में भी चर्चा का विषय बना रहा।

इस दौरान डीएम और एसपी ने महिला प्रसव कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, इमरजेंसी रूम सहित विभिन्न वार्डों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने मरीजों की स्थिति, साफ- सफाई, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता को परखा। हालांकि इस दौरान अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी अपने-अपने ड्यूटी पर मुस्तैद पाए गए।

इधर अधिकारियों के पहुंचने की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रबंधन भी हरकत में आ गया। डीएम और एसपी ने व्यवस्थाओं को लेकर कई बिंदुओं पर संक्षिप्त चर्चा भी की। डीएम और एसपी के पहुंचने की सूचना पर अस्पताल मैनेजर रमेश पांडेय भी अस्पताल पहुंचे। लेकिन डीएम और एसपी से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई।डीएम और एसपी के अस्पताल पहुंचने को लेकर अस्पताल मैनेजर रमेश पांडेय ने बताया कि रात में डीएम और एसपी सर आए थे। कुछ देर के लिए रुके और चले गए। उन्होने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर और सभी कर्मचारी मौजूद थे।

अचानक डीएम और एसपी के पहुंचने से यह संदेश गया कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर है। सिविल ड्रेस में अस्पताल पहुंचने की चर्चा आम लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दे कि आए दिन सदर अस्पताल से लापरवाही की तस्वीर सामने आती रहती है।

मटकुरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स का मिलन समारोह संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। गुरुवार को धनबाद मटकुरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स ने हर वर्ष की भांति मिलन समारोह का आयोजन सनराइज कंपलेक्स, मटकुरिया में किया गया। जिसमें चेंबर के अध्यक्ष दिनेश हेलीवाल व अन्य पदाधिकारीओं को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष दिनेश हेलीवाल ने कहा मटकुरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स के अलावा बैंक मोड चैंबर ऑफ कॉमर्स, डीएमडीए अन्य चैंबर्स के पदाधिकारी एवं सदस्यों को भी हम हर वर्ष इस मिलन सभा में आमंत्रित कर स्वागत सम्मान देते हैं। इस आयोजन से आपसी एकता व मेलजोल बढ़ती है। नगर निगम चुनाव के बारे में पूछे जाने पर बताया कि मटकुरिया चेंबर के सभी सदस्य कर्मठ एवं निष्ठावान उम्मीदवार चुनेगी और सर्वसम्मति से निर्णय लेकर चेंबर का सारा वोट एकमत होकर उसी उम्मीदवार को जाएगा, इसकी घोषणा जल्द कर दी जाएगी। साथ ही मिलन समारोह की बैठक में व्यापार से संबंधित चर्चा हुई जिसमें कस्टमर का

रुझान बैंकमोड़,मटकुरिया साइड भी बढ़ाने के ऊपर बातचीत हुई।जिसमें धनबाद की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलने से व्यापारियों का व्यवसाय और अच्छा होगा। समारोह में दिनेश हेलीवाल अध्यक्ष, हरीश गंगवानी, दिलीप सुबूकी, सुशील सांवरिया, सुशील पटवारी, राहुल अग्रवाल, सुभाष लिख्मणिया, प्रभात सुरोलिया, प्रमोद गोयल, सुरेंद्र अरोड़ा, आशीष केजरीवाल, महेंद्र अग्रवाल, विजय बरनवाल,संदीप मुखर्जी, मनोज गोयल, प्रकाश चौधरी, रामावतार राजगढ़िया,सोनू पंकज केडिया,आर बी गोयल, सुरेश अग्रवाल,कृष्ण अग्रवाल, राजेश गुप्ता,सीताराम हेलीवाल, सचिन हेलीवाल,और शहर के काफी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बदल जायेगा 141 वर्ष के दाउदनगर का दायरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। 10 फरवरी 1885 को दाउदनगर कस्बे से शहर बना था। उसी दिन इसे नगरपालिका का दर्जा मिला था। अब 141 वर्ष पूरे हो चुके हैं और बदलते समय के साथ शहरी क्षेत्र का विस्तार आवश्यक हो गया है। नगर परिषद के वर्तमान स्वरूप में भखरुआं क्षेत्र के एक हिस्से को जोड़ना अब तय हो गया है।

इससे दाउदनगर का दायरा बढ़ेगा और जनसंख्या में लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि होगी। नगर विकास एवं आवास विभाग, पटना द्वारा चार अक्टूबर 2025 को क्षेत्र विस्तार से संबंधित अधिसूचना जारी की गई थी।

75 हजार के करीब होगी शहर की आबादी

इसके बाद दावा-आपत्ति के लिए निर्धारित समय सीमा रखी गई, लेकिन इस अवधि में एक भी दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। इसके उपरांत नगर परिषद दाउदनगर ने चार जनवरी 2026 को इस संबंध में जिला पदाधिकारी को पत्र भेजा।इसी पत्र के आलोक में 21 जनवरी 2026 को जिला पदाधिकारी ने परियोजना पदाधिकारी सह अपर निदेशक, नगर विकास एवं आवास विभाग, पटना को पत्र प्रेषित किया।पत्र में उल्लेख किया गया है कि नगर परिषद दाउदनगर द्वारा सार्वजनिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों में अधिसूचना चस्पा की गई थी। साथ ही डुगडुगी बजाकर एवं अन्य प्रचार-प्रसार माध्यमों से क्षेत्र विस्तार की उद्घोषणा कराई गई, इसके बावजूद कोई दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ऋषिकेश अवस्थी ने बताया कि क्षेत्र विस्तार को लेकर अब किसी तरह का अवरोध नहीं रह गया है और प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है।भखरुआं तरारी पंचायत का हिस्सा है, जिसमें थाना नंबर-75 क्षेत्र, तिवारी मोहल्ला, कुर्बान बिगहा और बाबाजी का बागीचा शामिल हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार पूरे इलाके की कुल आबादी 16,460 है। कार्यपालक पदाधिकारी के अनुसार, भखरुआं के इस हिस्से की लगभग नौ हजार आबादी नगर परिषद क्षेत्र में शामिल की जाएगी।

बिहार जाति आधारित गणना 2022 (प्रथम चरण) के आंकड़ों के अनुसार दाउदनगर शहर की आबादी 65,543 है। वर्ष 2011 की जनगणना में यह संख्या 52,364 थी। अब भखरुआं क्षेत्र की लगभग नौ हजार आबादी जुड़ने के बाद नगर परिषद दाउदनगर की कुल जनसंख्या करीब 75 हजार हो जाएगी।

जल्द शुरू होगी वाटर मेट्रो

पटना। गंगा जो सदियों से पटना की जीवनरेखा रही है, अब आधुनिक शहरी परिवहन व पर्यटन विकास की धुरी बनने जा रही है। गंगा नदी से विकास की नई धारा इसी माह निकलेगी। फरवरी के अंत तक वाटर मेट्रो सेवा शुरू करने की तैयारी है। पहले चरण में दीघा से कंगन घाट तक वाटर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। इसके लिए दीघा घाट में गंगा तट पर कम्युनिटी जेटी यानी घाटनुमा संरचना तैयार की जा रही है। यहीं पर टिकट काउंटर, सुरक्षा इंतजाम व यात्रियों की सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आधुनिक व सुरक्षित नावों से यात्रियों को कम समय में आरामदायक सफर उपलब्ध कराया जाएगा। भविष्य में वाटर मेट्रो के रूट को अन्य घाटों तक विस्तारित करने की योजना है। इसके अलावा पहलवान घाट के पास वर्ल्ड क्लास क्रूज टर्मिनल के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इन दोनों परियोजनाओं से न सिर्फ यातायात की व्यवस्था बदलेगी, बल्कि पटना रिवर टूरिज्म व जलमार्ग परिवहन का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।

केएलएस कॉलेज अब होगा इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा जिले के लिए यह गर्व का विषय है कि आजादी के बाद से उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा कन्हाई लाल साहू महाविद्यालय (केएलएस कॉलेज) अब प्रदेश में इंस्टीट्यूट ऑफ इंपोर्टेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। बिहार सरकार द्वारा गठित उच्च शिक्षा परिषद के तहत बनी विशिष्ट समिति ने राज्य के चुनिंदा प्रतिष्ठित महाविद्यालयों की सूची जारी की है, जिसमें केएलएस कॉलेज को भी शामिल किया गया है।

राज्य सरकार की इस पहल के तहत केएलएस कॉलेज को राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 के प्रविधानों का अनुपालन करते हुए स्वायत्तता (सेल्फ गवर्नेंस) प्रदान की जाएगी। इससे कॉलेज को अकादमिक निर्णय लेने, पाठ्यक्रम विकास और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। उद्देश्य कॉलेज को शैक्षणिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करना है।

उच्च शिक्षा परिषद द्वारा जारी सूची में राज्य के कुल 55 उच्च शिक्षण संस्थानों को इंस्टीट्यूट ऑफ इंपोर्टेंस के रूप में विकसित करने की योजना है। यह कार्य दो चरणों में होगा। पहले चरण में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान पटना विश्वविद्यालय का साइंस कॉलेज, पटना कॉलेज, मगध महिला कॉलेज सहित 31 संस्थानों का विकास किया जाएगा। दूसरे चरण में वर्ष 2027-28 के तहत नवादा का केएलएस कॉलेज समेत 24 संस्थानों को यह दर्जा मिलेगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंपोर्टेंस बनने के बाद केएलएस कॉलेज में शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे का व्यापक विकास किया जाएगा। आधुनिक प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और शोध से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और समकालीन शिक्षा मिल सके।

माले कार्यकर्ताओं ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। अजीमाबाद थाना क्षेत्र के बागा बालू घाट संख्या-21 पर काम सुनिश्चित करने तथा मजदूरी दर बढ़ाने की मांग को लेकर भाकपा (माले) के कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने बागाझभीमपुरा नहर के समीप नासरीगंजझसकड्डी स्टेट हाईवे को जाम कर प्रशासन और बालू घाट संचालकों के खिलाफ नारेबाजी की। सड़क जाम सुबह 10:30 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक चला। जाम में बड़ी संख्या में मजदूरों के साथ महिलाएं भी शामिल रहीं। जाम की सूचना पर संदेश, अजीमाबाद और नारायणपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जाम हटवाने तथा वार्ता के माध्यम से समाधान का प्रयास किया, लेकिन बातचीत असफल रही।

वार्ता विफल होने के बाद पुलिस द्वारा बल प्रयोग कर जाम हटाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव किए जाने की बात सामने आई।

इसके बाद पुलिस ने जाम का नेतृत्व कर रहे भाकपा माले नेता सुधीर यादव को हिरासत में ले लिया। सड़क जाम के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अजीमाबाद थानाध्यक्ष महेन्द्र कुमार ने बताया कि बातचीत के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस बल पर पथराव किया गया, जिसमें दो पुलिस जवान घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज रेफरल अस्पताल, संदेश में कराया जा रहा है। इसे लेकर प्राथमिकी की जा रही है।

इधर, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाकपा माले नेता सुधीर यादव ने आरोप लगाया कि बालू घाट संख्या-21 बागा पर स्थानीय मजदूरों को नियमित रूप से काम नहीं दिया जा रहा है और तय मजदूरी दर से कम भुगतान किया जा रहा है। इससे मजदूर परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इधर,हंगामे की सूचना मिलने पर अजीमाबाद थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार, बीडीओ संदेश चंदन कुमार, संदेश थाना तथा नारायणपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रशासन द्वारा मांगों पर विचार का आश्वासन दिए जाने के बावजूद जाम समाप्त नहीं हुआ, जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इसके बाद नासरीगंज-सकड्डी मार्ग पर आवागमन बहाल कराया गया। देर शाम तक मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

चाकू मारकर युवक की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जैतपुर थाना इलाके में बदमाशों ने सिलीगुड़ी से आ रहे युवक की लूटपाट के दौरान चाकू गोदकर हत्या कर दिया। हत्या किया हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया।

पुलिस सूचना पर पहुंचे स्वजन ने शव की पहचान किया। जैतपुर पुलिस ने बताया कि युवक के पॉकेट से मिलें आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के जरिए परिवार के लोगों को सूचना दिया गया है। बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से वास्तविकता सामने आएगी। मृतक पूर्वी चंपारण जिला के केसरिया थाना इलाके के बिजधरी निजामत वार्ड 12 का सुनील ठाकुर था। पत्नी रिंकू देवी ने बताई कि सुनील सिलीगुड़ी में लकड़ी का काम करता था। बुधवार को 4 बजे घर आने की बात हुई थी।

जागरूकता रथ को मुख्य पार्षद ने दिखाई हरी झंडी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के तहत नारायणी सेवा संस्थान के तत्वावधान में बाल विवाह उन्मूलन को लेकर बाल विवाह मुक्ति जागरूकता रथ को नगर पंचायत एकमा बाजार के ब्लॉक रोड स्थित त्रिदेव मंदिर परिसर से मुख्य पार्षद श्वेता रानी व सामाजिक कार्यकर्ता व जागरूकता अभियान के कोऑर्डिनेटर विकास मिश्रा के द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर भाजपा नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों की मौजूदगी में रवाना किया गया। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत एकमा बाजार की मुख्य पार्षद श्वेता रानी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों व कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है।

उन्होंने कहा कि 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह कराना दंडनीय अपराध है। इसमें माता-पिता के साथ-साथ विवाह में सहयोग करने वाले रिश्तेदारों व बारातियों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। कानून के तहत दोषी पाए जाने पर कारावास की सजा व एक आर्थिक जुमार्ना अथवा दोनों हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कानून बनाना सरकार का काम है और इसका पालन करना और कराना हम सभी का है।

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता विकास मिश्रा, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष चैतेंद्र नाथ सिंह, भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मुकेश कुमार सिंह, चितरंजन सिंह, विक्की सावन, विनोद सिंह, मंडल अध्यक्ष भाजपा प्रमोद सिंह, जितेंद्र तिवारी, ओमप्रकाश सिंह, मुनमुन बाबा, संजय सिंह, अभय मिश्रा, परवेज अख्तर, संजीत कुमार, संजय तिवारी, मनीष कुमार सिंह आदि अन्य स्थानीय लोगों ने बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। सामाजिक कार्यकर्ता विकास मिश्रा के द्वारा बताया गया कि यह जागरूकता रथ नगर पंचायत एकमा बाजार क्षेत्र के अलावा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों के बीच बाल विवाह के दुष्प्रभाव की जानकारी देते हुए इसके उन्मूलन के लिए प्रेरित करेगा।

ससुर का हत्यारा चढ़ा पुलिस के हत्थे

घटना में सास तथा पत्नी को चाकू मारकर किया था जख्मी

जपला स्टेशन से दबोचा गया आरोपित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में ससुर की हत्या तथा पत्नी व सास को गंभीर रूप से घायल करने के आरोपी लव कुश कुमार यादव को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान लव कुश कुमार यादव (30 वर्ष), पिता सीताराम यादव, ग्राम बैरिया, थाना हैदर नगर के रूप में की गई है।

इस संबंध में एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि ससुर की हत्या और पत्नी रीता देवी व सास पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी को जपला रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह पहले से ही हत्या के इरादे से दिल्ली से रामपुर गया था, जहां से उसने रामपुरी चाकू खरीदा। एसडीपीओ ने बताया कि लव कुश की शादी वर्ष 2023 में रीता देवी से हुई थी। शादी के बाद से ही आरोपी का अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष से विवाद होता रहता था। इसी कारण उसकी पत्नी ससुराल छोड़कर मायके में रहने लगी थी। लगभग एक वर्ष पूर्व दोनों परिवारों के बीच पंचायत भी हुई थी, लेकिन विवाद का

समाधान नहीं हो सका। इस दौरान आरोपी दिल्ली में मजदूरी कर रहा था, जहां से पत्नी से मोबाइल पर अक्सर विवाद होता रहता था। इसी क्रम में वह रात के समय चाकू लेकर ससुराल पहुंचा और पत्नी को अपने साथ चलने के लिए कहा।

सास द्वारा सुबह बात करने की बात कहे जाने पर विवाद बढ़ गया और आरोपी ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए ससुर और सास पर भी उसने चाकू से वार किया, जिसमें इलाज के दौरान ससुर की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खून लगा चाकू और खून सनी जैकेट भी बरामद कर ली है। एसडीपीओ ने बताया कि इस कार्रवाई में छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, एसआई अनिल रजक, सीआई धर्मवीर कुमार यादव एवं आशी राजीव कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

फाल्गुनी पशु मेला की तैयारी शुरू

बक्सर। ब्रह्मपुर के प्रसिद्ध फाल्गुनी पशु मेला को लेकर अभी भी कई तरह के पेंच फंसे हुए हैं। कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित हाई स्कूल की जमीन पर मेला नहीं लगाया जाएगा। विभाग द्वारा देर से मार्गदर्शन मिलने के बाद अब मेला लगाने के लिए किसानों की जमीन लीज पर लेने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मेला को लेकर कई तरह की लंबी प्रक्रिया को देखते हुए पूरी तरह से अभी भी दुविधा की स्थिति खत्म नहीं हुई है। फाल्गुन महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ के नाम पर लगने वाला ब्रह्मपुर का ऐतिहासिक पशु मेला कई दिनों से कानूनी प्रक्रिया और मार्गदर्शन के पेंच फंसा हुआ था। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर लगने वाला मेला एक सप्ताह पहले ही लगने लगता है, लेकिन काफी देर से मार्गदर्शन मिलने के बाद मेला लगना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। जगह का कोई विकल्प नहीं होने से कोर्ट से प्रतिबंधित ब्रह्मपुर के बीएन हाई स्कूल की जमीन पर कुछ व्यापारियों और दुकानदारों द्वारा मेला के लिए दो सप्ताह पहले ही जमीन को चिह्नित कर दिया गया।

प्रधानाध्यापकों की बैठक में योजनाओं एवं फाइलेरिया उन्मूलन अभियान पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवाजीनगर के सभागार भवन में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामजन्म सिंह की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देना था।

बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का अपार कार्ड निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यू-डायस 2024-25 एवं 2025-26 के आंकड़ों में पाए जा रहे अंतर को ठीक करने, डीबीटी डाटा में त्रुटि सुधार एवं संधारण, टैब के माध्यम से छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति दर्ज करने तथा टैब से ही विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा टीआरई 1, 2, 3 एवं विशिष्ट शिक्षकों की संपत्ति ब्यूरो से संबंधित विवरणों में सुधार कार्य समयबद्ध रूप से पूरा करने का निर्देश भी दिया गया।

बैठक में पीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.

कुमार अमित एवं स्वास्थ्य कर्मी डॉ. अभिषेक कुमार द्वारा फाइलेरिया रोग के उन्मूलन को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर रोग है, जो मच्छर के काटने से फैलता है और मनुष्य के पैर, हाइड्रोसील तथा महिलाओं के स्तन को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने जानकारी दी कि 10 फरवरी को आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से विद्यालयों में दो वर्ष से अधिक आयु के सभी छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जाएगी।

इसके अंतर्गत एल्बेंडाजोल, आइवरमेक्टिन एवं डीईसी दवा का सेवन कराया जाएगा स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि फाइलेरिया से बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार यह दवा अवश्य लेनी चाहिए, ताकि इस रोग को जड़ से समाप्त किया जा सके। विद्यालयों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की गई। बैठक का संचालन पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह ने किया। बैठक में प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार, पारस नाथ महाराज, देवानंद कामत, नीलू कुमारी, दिनेश प्रसाद सिंह, रामनाथ पंडित, अरुण कुमार पासवान, संजीव कुमार सिंह, उमेश यादव, मदन कुमार, अवधेश कुमार चौधरी, शांति भूषण राय, मृत्युंजय कुमार राय, राज कुमार राय, अवधेश कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विवाहिता की संदेहास्पद मौत

अररिया। नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के फुलकाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत नरपतगंज के वार्ड संख्या एक में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शादीशुदा तीन बच्चे की मां 30 वर्षीय प्रियंका कुमारी पति अजय कुमार दास की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई है। मामले की जानकारी मृतका के सास के द्वारा सुपौल जिले के छातापुर प्रखंड के चुन्नी गांव स्थित मायके वाले को दी गई तथा आसपड़ोस को बताया। मौत की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों के द्वारा फुलकाहा थाना पुलिस को सूचना दिया गया।

ममता सरकार के अन्याय के आगे कर्मचारियों के न्याय की जीत ऐतिहासिक : मंगल पांडेय

महंगाई भत्ते के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री तथा पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने ममता सरकार पर अपने कर्मचारियों के दमन व शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार और उनके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से चल रही महंगाई भत्ते (डीए) के विवाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि कई सालों की लड़ाई और संघर्ष के बाद यहां राज्य सरकार के कर्मचारियों को आखिरकार कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक उनके हक का

महंगाई भत्ता मिलने वाला है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि कर्मचारियों की एकता, धैर्य और पक्के इरादे का सबूत है जिसे ममता सरकार साजिश व दमनकारी नीतियों के तहत लगातार नजर अंदाज कर रही थी। श्री पांडेय ने बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की नाकाम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने काफी समय तक सरकारी कर्मचारियों को उनका जायज हक नहीं दिया। वहीं राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता रोकने की पुरजोर कोशिश में जनता के पैसों का दुरुपयोग करते हुए कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए कई बड़े वकीलों को हायर किए। साथ ही कर्मचारियों के जायज आंदोलन पर पुलिसिया कार्रवाई भी की। उन्हें डराने और रोकने के लिए अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियां भी की गईं। लगातार दमन और अन्याय के बावजूद, राज्य के कर्मचारियों ने हार नहीं मानी। एक लंबे और सिद्धांतों वाले संघर्ष के जरिए, उन्होंने आज वह हासिल किया है जो उनका हक है। यह जीत अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत है।

श्री पांडेय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ तौर पर कहा है कि महंगाई भत्ता न तो कोई रियायत है और न ही कोई खैरात, बल्कि यह कर्मचारियों का एक कानूनी और अटूट अधिकार है। इस खास मौके पर मैं सभी राज्य सरकार के कर्मचारियों को उनकी ऐतिहासिक जीत और अपने जायज दावों की रक्षा के लिए दिल से बधाई देता हूं। आज सीएम ममता गलत साबित हुईं। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए बार-बार कहा है कि 'डीए' कर्मचारियों का अधिकार नहीं है। मगर देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ कहा है कि डीए कर्मचारियों का कानूनी तौर पर सही अधिकार है, कोई ग्रांट नहीं। अब आने वाले विधानसभा चुनावों में ममता की पार्टी को जनता सबक सिखाएगी।

प्रो. रत्ना अमृत के नेतृत्व में बी. डी. कॉलेज ने एआई युग की ओर बढ़ाया कदम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना ने सीएआइइएस फाउंडेशन, पटना के साथ एक एम.ओ.यू. किया। यह ऐतिहासिक सहयोग कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के दूरदर्शी नेतृत्व में संपन्न हुआ है। प्रो. अमृत ने सदैव नवाचार, समावेशिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया है। उनके मार्गदर्शन में कॉलेज ने यह सुनिश्चित किया है कि छात्र और समाज दोनों ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग के लिए तैयार हो सकें। सीएआइइएस फाउंडेशन द्वारा संचालित एआई योद्धा पहल का उद्देश्य बिहार को एआई-सक्षम बनाना है। यह पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा साइंस को तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित न रखकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प रखती है।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि अगले शैक्षणिक सत्र से बी. डी. कॉलेज में एआई पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है जिससे छात्रों को डिजिटल युग के अनुरूप शिक्षा और कौशल प्राप्त होंगे। एम.ओ.यू. हस्ताक्षर कार्यक्रम में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. दिवाकर कुमार पांडेय, बर्सर डॉ. अमित कुमार तथा सीएआइइएस फाउंडेशन के निदेशक डॉ. सुशांत कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। यह सहयोग बी. डी. कॉलेज की सामूहिक प्रतिबद्धता और प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के गतिशील नेतृत्व का प्रमाण है।

सत्ता पक्ष ने लोकतंत्र को डर तंत्र में बदला : तेजस्वी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर अपना पक्ष रखते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने उन्हें बोलने के लिए 25 मिनट का समय दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 'न्याय के साथ विकास नहीं, बल्कि अन्याय के साथ विनाश हो रहा है।' तेजस्वी यादव के इस बयान पर सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। बीजेपी और जदयू सहित एनडीए के सदस्यों ने उनके विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि 'आप लोगों ने लोकतंत्र को डर-तंत्र में बदल दिया है।' नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कोई नया काम नहीं किया है और पुरानी समस्याओं को ही झूठे वादों की पोटली में बांधकर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और पूरा बिहार अन्याय के साथ विनाश की ओर बढ़ रहा है। तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि जनता और विपक्ष की निगाहें हमेशा सरकार पर टिकी रहती हैं, लेकिन मौजूदा सरकार अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्ष की संख्या भले ही कम हो, लेकिन सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सवाल उठाना जारी रहेगा। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है और उन्हें यह भरोसा हो गया है कि सरकार उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

बच्चों ने की अपील, स्वच्छता सर्वेक्षण में जरूर लें भाग

जीवन में स्वच्छता का काफी ज्यादा महत्व : ममता मेहरोत्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा पाटलिपुत्र कॉलोनी क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध लेखिका और साहित्यकार ममता मेहरोत्रा ने कहा कि जीवन में स्वच्छता का काफी ज्यादा महत्व है। अच्छी स्वच्छता से ही अच्छा स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है। घर और नगर दोनों ही हमारे हैं। हम अपने-अपने घर की सफाई अच्छे तरीके से करें, यह अच्छी बात है। हम अपने नगर की सफाई में महत्वपूर्ण योगदान दें यह और ज्यादा अच्छी

बात है। इस अवसर पर नवगीतिका लोक रसधार द्वारा साहित्यकार ममता मेहरोत्रा को सम्मानित भी किया गया। पटना नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एंबेस्डर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने कई चर्चित गीतों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में भाग लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ममता मेहरोत्रा के साथ-साथ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में शहर के कई बुद्धिजीवियों और लोक गायक राजेश केसरी ने हिस्सा लिया और एक स्वर में कहा कि पटना नगर निगम की स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी हैं। नगर की स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित करना भी सभी की सम्मिलित जिम्मेदारी है। मेरा शहर मेरी जवाबदेही कार्यक्रम चलाकर नगर निगम इसी संदेश हम सभी नागरिकों को दे रहा है। लिट्रा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने एक स्वर में कहा कि स्वच्छता के लिए वह स्वयं संकल्पित रहेंगे और अपने माता-पिता एवं परिवार के लोगों को भी प्रेरित करेंगे। विद्यालय के शिक्षकों ने भी स्वच्छता के संबंध में अपनी राय रखी और लोक गायिका नीतू नवगीत ने बच्चों को स्वच्छता के गीत सिखाए।

कुशल युवा कार्यक्रम में नामांकन बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन से ठोस कदम की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार की रोजगारोन्मुख एवं महत्वाकांक्षी योजना कुशल युवा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में नामांकन बढ़ाने को लेकर केवाइपी केंद्र संचालकों ने जिला प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की है। केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के जिलाध्यक्ष सह केवाइपी केंद्र संचालक आनंद रंजन झा एवं प्रतिनिधि राकेश सिन्हा ने इस संबंध में जिलाधिकारी, वैशाली को एक लिखित आवेदन समर्पित किया। आवेदन में मांग की गई है कि डीएम स्तर से जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों तथा महाविद्यालयों के प्राचार्यों को 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण पात्र विद्यार्थियों का कुशल युवा कार्यक्रम में नामांकन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। केंद्र संचालकों ने कहा कि समुचित सूचना, मार्गदर्शन एवं प्रशासनिक समन्वय के अभाव में बड़ी संख्या में पात्र युवा योजना से वंचित रह जा रहे हैं। साथ ही जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र को भी प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कुशल युवा कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से लगाए जाने की मांग की गई है।

भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया। पिछले पांच दशकों में मैगी ने नूडल्स और

मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। 50 ईयर्स ऑफ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनते हुए 50 वर्ष पूरे करने पर मैं मैगी को बधाई देता हूं। डाक टिकट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने कहा भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है।

पूर्व रेलवे ने करीब 100 होली विशेष ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। आगामी होली पर्व के दौरान यात्रियों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने विभिन्न दिशाओं में पूर्व रेलवे ने इस बार होली स्पेशल ट्रेनों की 94 यात्राएं चलाने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत अपने पैतृक स्थानों की यात्रा करने, परिवार के सदस्यों से मिलने, त्योहार मनाने और पुरी जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित की जा सके। पूर्व रेलवे के विशेष ट्रेनों की कुल 94 यात्राओं में 10 यात्राएं कोलकाता और रक्सौल के बीच (बरौनी के रास्ते), 08 यात्राएं कोलकाता और मधुबनी के बीच (बरौनी के रास्ते), 20 यात्राएं कोलकाता और गोरखपुर के बीच (पटना के रास्ते), 08 यात्राएं और हावड़ा एवं आनंद विहार के बीच (झाझा-किउल-गया के रास्ते), 08 यात्राएं शामिल है। इसके अलावा हावड़ा और खातीपुरा के बीच (झाझा-किउल-गया के रास्ते), 02 यात्राएं कोलकाता और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच तथा 8 यात्राएं सियालदह और पुरी के बीच चलेंगी। इसके अलावा 6 यात्राएं आसनसोल और गोरखपुर के बीच (पटना के रास्ते), 8 यात्राएं मालदा टाउन और आनंद विहार के बीच (झाझा-किउल-गया के रास्ते), 8 यात्राएं मालदा टाउन और उधना के बीच (किउल-गया के रास्ते) और 8 यात्राएं मालदा और मुंबई के बीच (किउल-पटना के रास्ते) चलाने की भी योजना बनाई गई है। इन विशेष सेवाओं से होली की भीड़ में काफी राहत मिलने की उम्मीद है और प्रमुख तीर्थ स्थलों पर होली मनाने के इच्छुक श्रद्धालुओं सहित यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे। पूर्व रेलवे यात्रियों की मांग पर बारीकी से नजर रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर विशिष्ट मार्गों पर अतिरिक्त होली विशेष ट्रेनों के परिचालन के लिए भी तैयार है।

'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्यस्तरीय पहल नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका 'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बागवानी महोत्सव बिहार के किसानों, महिलाओं और उद्यमियों के लिए रोजगार का समेकित मंच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्यान निदेशालय, कृषि विभाग द्वारा आयोजित बागवानी महोत्सव-2026 बिहार के किसानों, महिलाओं, युवाओं और उद्यमियों के लिए तकनीक-बाजार-रोजगार का समेकित मंच है। यह महोत्सव किसानों को उन्नत किस्मों, गुणवत्तापूर्ण पौध/बीज, आधुनिक संरक्षित खेती (पॉली हाउस/शेडनेट), प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, भंडारण तथा विपणन से जोड़कर घर-घर समृद्धि का रास्ता प्रशस्त करेगा। महोत्सव में राज्य भर से लगभग 1500 किसानों की सहभागिता तथा 60 से अधिक स्टॉल/प्रदर्शनी (10,000 से अधिक प्रदर्शन) के माध्यम से फल, फूल, सब्जियां, मशरूम, मखाना, मधु, औषधीय एवं सुगंधीय पौधों सहित विविध बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आगंतुक उच्च गुणवत्ता की नर्सरी, बीज/रोपण सामग्री, बागवानी यंत्र तथा फल-सब्जी के प्रसंस्कृत उत्पादों का प्रदर्शन सहित क्रय करने का अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान दे रहा मधुबनी व गोदना पेंटिंग का प्रशिक्षण

वस्त्र मंत्रालय की सीएचसीडीएस योजना के तहत 60 प्रतिभागियों की 50 दिवसीय ट्रेनिंग शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की सीएचसीडीएस योजना के तहत पटना में 60 प्रतिभागियों की ट्रेनिंग शुरू हो गई है। पटना स्थित उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान इन सभी प्रतिभागियों को 50 दिनों तक मधुबनी व गोदना पेंटिंग का प्रशिक्षण देगा। यह प्रशिक्षण पारंपरिक लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं तकनीकी उन्नयन के उद्देश्य से

सीएचसीडीएस योजना से दिया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रशिक्षण के पहले सभी अभ्यर्थियों की व्यावहारिक दक्षता परीक्षा ली गई और दस्तावेज का सत्यापन किया गया। मधुबनी पेंटिंग के लिए 30 व गोदना पेंटिंग के लिए भी 30 प्रतिभागियों का चयन हुआ है। इन सबको 3 फरवरी से पारंपरिक कला कौशल के साथ आधुनिक डिजाइन एवं तकनीकी नवाचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य पारंपरिक शैली और तकनीकों का सुदृढ़ अभ्यास, डिजाइन विकास व उत्पाद विविधीकरण, गुणवत्ता उन्नयन, समकालीन बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करना आदि सिखाया जा रहा है।

सोनालीका ने 10 महीनों में शानदार बिक्री प्रदर्शन दर्ज की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 30वें वर्षगांठ की शानदार शुरुआत करते हुए सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के 10 महीनों के दौरान 151604 ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज कुल बिक्री दर्ज की है। भविष्य के लिए तैयार तकनीकों से लैस हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा सोनालीका ने विभिन्न क्षेत्रों में कृषि समृद्धि का नेतृत्व करना जारी रखा है और यह बदलते कृषि परिदृश्य में निरंतर वृद्धि देने की कंपनी की क्षमता को दर्शाता है। इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का अब तक का सबसे तेज आंकड़ा दर्ज करके हम बेहद प्रसन्न हैं। इससे हमें 2026 में अपने 30वीं वर्षगांठ के लिए एक मजबूत शुरुआत मिली है। यह हमारे इस सरल विश्वास की पुष्टि करता है कि निरंतर विकास मजबूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित होता है और हमारे ब्रांड पर किसानों का भरोसा एक स्पष्ट प्रमाण है।

होली पर पूर्व मध्य रेल द्वारा चलाएंगी 285 होली स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। होली के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनको सुगम आवागमन की सुविधा मुहैया कराने हेतु भारतीय रेलवे द्वारा 01 मार्च से 22 मार्च के मध्य अभी तक 1410 होली स्पेशल ट्रेन (ट्रिप) के परिचालन का निर्णय लिया गया है । इसमें पूर्व मध्य रेल द्वारा 285 होली स्पेशल ट्रेन (ट्रिप) का परिचालन किया जायेगा । इनमें से कुछ ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-गाड़ी सं. 09821/09822 सोगरिया(कोटा)-दानापुर-सोगरिया स्पेशल (कटनी-प्रयागराज छिवकी-डीडीयू-बक्सर-आरा के रास्ते)- गाड़ी सं. 09821 सोगरिया-दानापुर स्पेशल 28.02.2026 एवं 07.03.2026 शनिवार को सोगरिया (कोटा) से होली स्पेशल के रूप में 23.10 बजे खुलकर अगले दिन 20.00 बजे डीडीयू रूकते हुए 23.45 बजे दानापुर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 09822 दानापुर-सोगरिया स्पेशल 02.03.2026 एवं 09.03.2026 सोमवार को दानापुर से होली स्पेशल के रूप में 01.15 बजे खुलकर 05.15 बजे डीडीयू रूकते हुए अगले दिन 01.10 बजे सोगरिया पहुंचेगी। गाड़ी सं. 01667/01668 रानीकमलापति-दानापुर-रानीकमलापति स्पेशल (इटारसी-जबलपुर- प्रयागराज छिवकी-डीडीयू-आरा के रास्ते)- गाड़ी सं. 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 27.02.2026 एवं 02.03.2026 को रानी कमलापति से होली स्पेशल के रूप में 14.25 बजे खुलकर अगले दिन 05.40 बजे डीडीयू रूकते हुए 08.45 बजे दानापुर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 01668 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल 28.02.2026 एवं 03.03.2026 को दानापुर से होली स्पेशल के रूप में 11.15 बजे खुलकर 17.00 बजे डीडीयू रूकते हुए अगले दिन 08.55 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी ।

राज्य को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने पर तेजी से चल रहा काम

विस सत्र के दौरान किए गए प्रश्नों पर राज्य के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने दिया जवाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अष्टादश बिहार विधान सभा के सत्र के दौरान गुरुवार को कृषि मंत्री डॉ. राम कृपाल यादव ने कहा कि राज्य में ग्रामीण मंडियों के सुदृढ़ीकरण व राज्य को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। इन सब पर तेजी से काम चल रहा है। वे सदन में कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इसे लेकर सदस्य श्याम रजक व अमरेन्द्र कुमार ने प्रमुख रूप से सवाल किए जिनका कृषि

मंत्री ने विस्तारपूर्वक जवाब दिया। मंत्री ने कहा कि पटना सिटी, मुसल्लहपुर, दानापुर, बिहटा, फतुहा, बाढ़, मोकामा आदि जगहों पर किसानों को अपनी उपज के विपणन में काफी सुलभ हुआ है। इसके साथ ही सभी जिलों में प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर ग्रामीण मंडियों के सुदृढ़ीकरण का कार्य राज्य सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत तेजी से किया जा रहा है। कहा कि बाजार समितियों को निरसित किए जाने के बाद पुरानी व जर्जर मंडियों का जीर्णोद्धार भी कराया जा रहा है। कृषि मंत्री ने दाल उत्पादन से संबंधित प्रश्न के उत्तर में सदन को अवगत कराया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 ग्राम दाल की आवश्यकता होती है। दलहन उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से राज्य सरकार कृषि रोडमैप के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से दलहन फसलों को प्रोत्साहित कर रही है। बताया कि प्रधानमंत्री ने दलहन की खेती को प्राथमिकता देते हुए चालू वर्ष में विशेष 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन' लागू किया है। इसके लिए 93.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त राज्य योजना के अंतर्गत 30 करोड़ रुपए व्यय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य में 1,15,742 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले बीज किसानों को अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे लगभग 4.14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहनी फसलों का विस्तार कराया जाना है। अगले 5 वर्षों में दलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए दलहन आच्छादन को 4.48 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 9.19 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 3.93 लाख मीट्रिक टन को बढ़ाकर 11.27 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से राहत की उम्मीद, पर कई सवाल अब भी बाकी

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है।ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है।दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी। यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है।इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं।

जहां तक इस कुत्सित सोच की वैधानिक न्यायसंगतता के आधार का सवाल है तो भारतीय संविधान समानता (अनुच्छेद 14-16) और सामाजिक न्याय पर जोर देता है, लेकिन अतीत के अपराधों के लिए वर्तमान निर्दोषों को 'सजा' देना प्रतिशोधात्मक लगता है, जो अबतलक बदस्तूर जारी है। अतीत के भेदभाव को आधार बनाकर सवर्ण समाज के वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को दंडित करने या आरक्षण जैसी नीतियों से बांधना न्यायसंगतता के सिद्धांतों के विरुद्ध प्रतीत होता है, क्योंकि यह व्यक्तिगत योग्यता को नजरअंदाज कर सामूहिक दोषारोपण करता है। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि अतीत में हुए भेदभाव पर सवर्णों के वर्तमान-भविष्य को कानूनी शिकंजे में कसना दलित-ओबीसी नेतृत्व की न्यायसंगतता का तकाजा नहीं है!

अतीत में हुए भेदभाव पर सवर्णों के वर्तमान-भविष्य को कानूनी शिकंजे में कसना न्यायसंगतता का तकाजा नहीं?

(कमलेश पांडे)

लिहाजा, उन्मुक्त हृदय से उनके मौजूदा प्रगतिशील नेताओं को गहराई पूर्वक विचार करना चाहिए और अपने पूर्वजों के प्रतिगामी नजरिए को बदलकर स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के राष्ट्रव्यापी लोकतांत्रिक भाव को मजबूत करना चाहिए। अन्यथा सामाजिक विघटन को परमाण्विक प्रक्रिया तेज होगी और इससे पैदा हुए जनविद्वेष की आग में देर-सबेर हरेक शांतिप्रिय लोगों के भी झुलसने का आसन्न खतरा बना रहेगा। ऐसा इसलिए कि यह नीतिगत, वैधानिक और रणनीतिक सवाल है जिसे कूटनीतिक स्वार्थवश विदेशों से हवा दी गई, इसे संवैधानिक स्वरूप प्रदान किया गया, जिससे जातिविहीन हिंदुत्व के राष्ट्रवादी विचार को गहरा धक्का लगा है।

जहां तक इस कुत्सित सोच की वैधानिक न्यायसंगतता के आधार का सवाल है तो भारतीय संविधान समानता (अनुच्छेद 14-16) और सामाजिक न्याय पर जोर देता है, लेकिन अतीत के अपराधों के लिए वर्तमान निर्दोषों को 'सजा' देना प्रतिशोधात्मक लगता है, जो अबतलक बदस्तूर जारी है। इसलिए कहीं न कहीं यह सामाजिक एकता को कमजोर करता प्रतीत होता है। वहीं, जहां तक इस आशय की हुई क्षतिपूर्ति की अवधारणा की बात है तो यह अतीत-वर्तमान के अंतर्संबंध पर आधारित है, परंतु यह तब न्यायपूर्ण होती है जब यह पीड़ितों को शक्ति प्रदान करे, न कि नए भेदभाव को जन्म दे।

खासकर भारतीय संदर्भ में जातिगत भेदभाव के विरुद्ध अनुसूचित जाति, जनजाति और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (एससी/एसटी*ओबीसी) आरक्षण ऐतिहासिक अन्याय सुधारने का ब्रितानी और भारत सरकार का विषैला सियासी प्रयास है, किंतु यूजीसी बिल (2026) जैसे नए प्रतिगामी नियमों व

कदमों के दुरुपयोग की आशंका पैदा करते हैं, जहां झूठे आरोप सामाजिक कड़वाहट बढ़ा सकते हैं। यह ठीक है कि रोहित वेमुला या पायल तडवी जैसे मामले दर्दनाक हैं, लेकिन नीतियां ऐसी हों जो योग्यता और समावेश को प्राथमिकता दें।

ऐसा इसलिए कि एक तो छात्र राजनीति से पढ़ाई-लिखाई पर आंच आई, विश्वविद्यालय कैम्पस की गरिमा गिरी है और अब उन्हें जातीय नजरिए से बांटना आग से खेलने जैसा मूर्खता भरा सियासी कदम है। इससे सांप्रदायिक राष्ट्रवाद की तरह ही जातिवादी राष्ट्रवाद की भावना को बल मिलेगा।

इसलिए बेहतर होगा कि हमारा सत्ता प्रतिष्ठान वैकल्पिक दृष्टिकोण विकसित करे। मेरे विचार से शिक्षा, जागरूकता और आर्थिक उत्थान से भेदभाव दूर करना अधिक न्यायसंगत है, क्योंकि संस्थागत भेदभाव को समाप्त करने से भविष्य स्वाभाविक रूप से समान बनेगा।

कहना न होगा कि अतीत को याद रखना जरूरी है, किंतु वर्तमान को उसके बोझ से मुक्त रखना ही सामाजिक प्रगति का आधार है। हमें यह सोचना पड़ेगा कि जिन्नावादी सांप्रदायिक सोच से निरंतर झुलस रहे भारतीय उपमहाद्वीप को ब्रितानी और अंबेडकरवादी/लोहियावादी जातिवादी सोच से विखंडित करने का जो मूर्खतापूर्ण सरकारी प्रयास जारी है, उससे जब सत्तर साल बाद भी मुट्ठीभर दलित-आदिवासी-ओबीसी की ही भलाई हो पाई है और उनमें भी नवसामंती भावना प्रबल हुई है, जिससे विखंडित जनादेश आने से अवसरवाद बढ़ा है। यह भारत के समावेशी विकास में भी अब बाधक बनता प्रतीत होता है।

यह ठीक है कि भारत में जातिगत भेदभाव के लिए

क्षतिपूर्ति मुख्यतः सकारात्मक कार्रवाई के रूप में लागू होती है, जो ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने का प्रयास करती है। क्योंकि यह आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और विधायी सुरक्षा के माध्यम से कार्य करती है। इस हेतु संवैधानिक प्रावधान भी नियत हैं।भारतीय संविधान अनुच्छेद 15, 16, 46 और 335 के तहत एससी/एसटी/ओबीसी को शिक्षा, नौकरियों और विधायी सुरक्षा प्रदान करता है, जो भेदभाव रोकने और उत्थान सुनिश्चित करने के लिए हैं। वहीं, अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है। जबकि एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 अपराधों पर दंड और पीड़ितों को राहत देता है।

आरक्षण सम्बन्धी प्रमुख नीतियां भी स्पष्ट हैं। सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण एससी को 15 प्रतिशत, एसटी को 7.5 प्रतिशत, ओबीसी को 27 प्रतिशत कोटा नियत है। इसी आधार पर उन्हें छात्रवृत्तियां भी दी जाती हैं। उन्हें पोस्ट-मैट्रिक, प्री-मैट्रिक और अन्य योजनाएं वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। वहीं, कल्याणकारी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वरोजगार ऋण, कौशल विकास और आवास योजनाएं (जैसे अंबेडकर आवास योजना) से भी उन्हें लाभान्वित किया जाता है। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर यानी गरीब सवर्णों को भी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, लेकिन अन्य सहूलियत उन्हें मिलना अभी बाकी है। हालांकि, भारत की जातिवादी आरक्षण वाली सोच के समक्ष कुछ मजबूत चुनौतियां भी हैं। अगड़े भारतवासी इन्हें जाति की बजाए आर्थिक करने की मांग निरंतर करते आये हैं। वैश्विक नजरिए से भी ये नीतियां दक्षिण अफ्रीका या अमेरिका जैसे देशों की क्षतिपूर्ति से भिन्न हैं, जहां प्रत्यक्ष आर्थिक मुआवजा दिया जाता है; जबकि भारत में फोकस सशक्तिकरण पर है, लेकिन इसके दुरुपयोग और सामाजिक तनाव की अकसर आलोचना होती है। सवाल है कि आखिर ऐतिहासिक भेदभाव या उत्पीड़न क्या है? तो जवाब होगा कि ऐसे ऐतिहासिक भेदभाव या उत्पीड़न से तात्पर्य उन सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक प्रक्रियाओं से है जो लंबे समय से चली आ रही हैं और जिनके कारण कुछ समूहों को व्यवस्थित रूप से हाशिए पर धकेल दिया गया। यह अक्सर जाति, नस्ल, लिंग या धर्म जैसे आधारों पर आधारित होता है, जिसकी जड़ें सदियों पुरानी सामाजिक संरचनाओं में निहित हैं। वहीं, उत्पीड़न इसके हिंसक या शोषणकारी रूप को दर्शाता है, जैसे बहिष्कार या हिंसा। इस प्रकार ऐतिहासिक भेदभाव किसी विशिष्ट विशेषता (जैसे जाति या नस्ल) के आधार पर समूहों के साथ जानबूझकर भिन्न व्यवहार है, जो पीढ़ियों तक चलता रहता है। भारत में यह जाति व्यवस्था से जुड़ा है, जहां दलितों को मंदिर, पानी या शिक्षा से वंचित रखा गया था। भारत में इसके लिये अकसर सवर्ण समाज खासकर ब्राह्मणों को आरोपित किया जाता है, जबकि सनातनी ब्राह्मणों ने तो उन्हें धार्मिक रूप से भी हिंदुत्व की माला में पिरोया है और उन्हें श्रेष्ठता प्रदान की है। जबकि मुस्लिम काल और अंग्रेजी काल में उनके हुए उत्पीड़न व शोषण से इनकार नहीं किया जा सकता है। चूंकि भारत सरकार में भी इस्लामिक व ब्रिटिश सत्तागत सोच वाली बुराइयों को निरंतरता प्रदान की गई है, जो बहस का विषय है। उदाहरणस्वरूप, जातीय उत्पीड़न को ही लेते हैं। आपको पता होना चाहिए कि दलितों पर शारीरिक हिंसा, यौन शोषण या सामाजिक बहिष्कार, जो औपनिवेशिक काल से चला आ रहा, निंदनीय है। वहीं, नस्लीय भेदभाव का भी यही आलम है। जैसे दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद नीति या अमेरिका में रेडलाइनिंग, जहां नस्ल के आधार पर ऋण अस्वीकार किए गए। कुछ वैसा ही घटनाक्रम भारत में भी चला ब्रिटिश प्रभाव वश। वहीं, उपनिवेशिक प्रभाववश मुगलिया और ब्रिटिश राज में भारतीय अभिजात वर्ग को भी भेदभाव का शिकार बनाया गया, जो सामाजिक विषमता को गहरा करने वाला था। यह भेदभाव आज भी असमानता को बनाए रखता है, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा या रोजगार में अवसरों की कमी। कानूनी उपाय जैसे भारत का संविधान (अनुच्छेद 15, 17) इसे समाप्त करने का प्रयास करते हैं। भारत में भेदभाव रोकने के लिए संविधान और विभिन्न कानून प्रमुख भूमिका निभाते हैं, खासकर जाति, नस्ल या लिंग आधारित ऐतिहासिक भेदभाव के खिलाफ। ये प्रावधान समानता सुनिश्चित करते हैं और दंडनीय अपराध बनाते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 समानता का अधिकार देते हैं। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 15 धर्म-जाति-लिंग आदि पर भेदभाव निषेध, अनुच्छेद 16 सरकारी नौकरियों में समान अवसर, अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता उन्मूलन, और अनुच्छेद 18 उपाधियों का अंत सुनिश्चित करते हैं। वहीं, कुछ प्रमुख कानून भी बनाए गए हैं। जैसे नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955- अस्पृश्यता या छुआछूत को दंडनीय बनाता है। एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989- अनुसूचित जाति/जनजाति पर अत्याचार रोकने के लिए सख्त प्रावधान। इसी सिलसिले की अगली कड़ी तष्ट विनियम, 2026 है, जिससे उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव रोकने के नए नियम बनाये गए हैं। जहां तक इनके कार्यान्वयन की बात है तो ये कानून अदालतों द्वारा लागू होते हैं, जैसे इंद्रा साहनी मामले में आरक्षण को मान्यता। शिकायत के लिए समर्पित सेल और पोर्टल उपलब्ध हैं। यूजीसी बिल पर भी सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश विचारणीय है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गांव-गांव घूमकर भारत को समझते रहे मार्क टली

(राजेश प्रियदर्शी)

भारत में बीबीसी की पहचान रहे सर मार्क टली का जाना दुखद है। बीबीसी परिवार के लिए तो मानो पितामह के गुजर जाने जैसा है। मेरी खुशकिस्मती है कि उनसे कई बार मिलने और बातें करने का अवसर मिला, लेकिन हमसे पहले वाली पीढ़ी ज्यादा खुशकिस्मत थी, जिसने उनको और ज्यादा करीब से, उनकी सक्रियता वाले दौर में देखा।

मार्क टली पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, लेकिन कुछ महीनों पहले तक हिन्दुस्तान टाइम्स में उनका कॉलम देखकर यह आश्वस्ति होती थी कि वह ठीक हैं। उनसे सीखने लायक अनेक बातों में से एक बात तो यही थी कि मार्क टली हर किसी से, हर समय सीखते रहते थे। भारत के समाज और राजनीति की उनकी समझ बहुत गहरी थी, लेकिन वह अक्सर अपने वाक्य की शुरुआत कुछ यूं करते, 'मुझे तो ज्यादा मालूम नहीं, आप बताइए कि...।' जिन बातों की उन्हें पक्की जानकारी होती थी, उनके बारे में भी वह यही कहते थे, 'जहां तक मुझे मालूम है...।'

मुझसे कई बार वह झारखंड के बारे में पूछते थे। मार्क टली से बात करते हुए डर कभी नहीं लगा, क्योंकि उनके व्यक्तित्व में ज्ञान के आतंक की जगह विनम्र विद्वता की आभा थी, लेकिन इस बात का एहसास मुझे हमेशा रहता था कि वह संथालों और मुंडाओं के बारे में उतना ही जानते थे, जितना उत्तर प्रदेश के निषादों और बिहार के मुसहरों के बारे में या फिर केरल के पानियन या मुथुवन लोगों के बारे में। उनकी किताब नो फुल स्टॉप इन इंडिया हर उस व्यक्ति को पढ़नी चाहिए, जो भारत को गहरे समझना चाहता है। वह सबसे पहले अच्छी तरह यही समझाते हैं कि भारत समझ में क्यों नहीं आता? टली ने एक ब्रितानी अर्थशास्त्री के हवाले से कहीं लिखा था- 'भारत के बारे में जो आप सच कह सकते हैं, उसके ठीक विपरीत बात भी सच होती है।'

तकरीबन 90 साल पहले ब्रिटिश शासन के दौरान जन्मे मार्क टली हर तरह से एक खांटी हिन्दुस्तानी थे। ज्यादातर समय खादी के कुरते और सैंडल पहनने वाले टली साहब लंबे समय तक दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में रहे और धूप में घूमते रहने के कारण उनका गोरा रंग एक उम्र के बाद लगभग तांबई हो गया था। कोई अनजान आदमी उन्हें देखकर एकबारगी यह नहीं कह सकता था कि वह अंग्रेज हैं।

कई दशकों तक भारत और दक्षिण एशिया की ऐतिहासिक घटनाओं पर शानदार पत्रकारिता करने वाले मार्क टली को आपातकाल के दौरान उनकी रिपोर्टिंग के कारण कुछ समय के लिए यहां से निकाल दिया गया था। वह लगातार निडर, लेकिन संतुलित पत्रकारिता करते रहे। मेरे बीबीसी पहुंचने से तीन साल पहले ही1994 में उन्होंने इस संस्थान से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह लगातार सक्रिय बने रहे। मार्क टली ने कोई दस किताबें लिखी हैं, जो बहुत ही दिलचस्प और पठनीय हैं।

मेरी उनसे पहली लंबी बातचीत सन् 2001 के कुंभ मेले के दौरान हुई थी। तब उन्होंने बहुत विस्तार और गहराई से समझाया कि विदेशी लोग कुंभ मेले में क्यों खिंचे चले आते हैं? किसी भी विषय पर मार्क टली से बात करने का मतलब समझ की एक नई खिड़की का खुलना होता था। उन्होंने भारत को गांव-गांव घूमकर समझा था। वह हमेशा ऐसे लोगों के बीच रहना चाहते थे, जो उनको 'फर्स्ट हैंड' जानकारी दें। वह दिल्ली में संपादकों और बड़े पत्रकारों से जानकारी लेने में कम ही यकीन रखते थे। एक और बात, जो उन्हें विलक्षण बनाती थी, वह थी सहृदयता। मैंने कभी मार्क टली के मन में किसी के प्रति कटुता या दुराव का भाव नहीं देखा। उनको पसंद करने वालों की संख्या लाखों में थी, क्योंकि उन्हें नापसंद करने का कोई वास्तविक कारण खोजना मुश्किल काम था। मार्क टली को जैसी लोकप्रियता और प्रतिष्ठा मिली, वह शायद ही किसी और पत्रकार को नसीब हो, लेकिन उन्होंने हमेशा अपने व्यक्तित्व को सेलिब्रिटी होने की सहज संभावना से दूर रखा। मार्क टली से हर मुलाकात के बाद यह विस्मय रह जाता था कि वह इतने अद्भुत कैसे हैं? एक ऋषि जैसा जीवन जीकर विदा हुए सर मार्क टली को श्रद्धांजलि! (लेखक वरिष्ठ संपादक, बीबीसी हैं) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सांसद निधि की तुलना दूसरी योजनाओं से नहीं हो सकती

सांसद स्थानीय विकास निधि को लेकर इन दिनों एक वितंडा खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों कुछ सांसदों के बारे में दावा किया गया कि उन्होंने इस मद का एक रुपया भी खर्च नहीं किया। इसी आधार पर कई लोग दलील दे रहे हैं कि इस योजना को ही खत्म कर देना जाना चाहिए, मगर सच यह है कि इसकी ऐसी उपयोगिता है, जिसकी विकास की अन्य योजना निधियों से तुलना नहीं की जा सकती। इसे व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। इसका कारण है। देश की आधारभूत संरचनाओं में प्रगति अब ठोस यथार्थ बन चुकी है। सड़क, पानी, बिजली, नाली, सीवर आदि जो कल तक स्थानीय लोगों की ज्वलंत समस्याएं हुआ करती थीं और लोग उसके समाधान की अपेक्षा सांसद-विधायक विकास निधि से रखते थे, वह बात अब प्रायः नहीं रही। पंचायत से लेकर जिले तक का बजट पिछले दस वर्षों में कई गुना बढ़ा है।

(राकेश सिन्हा)

यहां एक बात और स्पष्ट करना जरूरी है। दुनिया के सभी पदों के पास घोषित शक्तियां होती हैं और पद के अनुपात में उनका विशेषाधिकार रहता है, परंतु सांसद के पास शक्ति शून्य है। वह जनता की वैधानिक ताकत से प्रतिनिधि बनता है, जनता के जीवन के सभी आयामों से उसका सरोकार होता है। अतः सांसद की ताकत विशेषाधिकार के गर्भ से उपजता है। सांसद निधि इसी विशेषधिकार को रेखांकित करता है।

इसके उपयोग में जितनी प्रयोगधर्मिता होगी, परिणाम उतने ही प्रभावी होंगे। एक उदाहरण देना चाहूंगा। बिहार के बेगूसराय के एक छोटे-से मुहल्ले (टोला) में सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिये के लोग रहते हैं। युवाओं से संवाद में पुस्तकालय-निर्माण की मांग उठी। इसकी घोषणा करके राशि आवंटित कर देना एक मिनट का काम था। मैंने ऐसा नहीं किया। घंटों अनौपचारिक संवाद चलता रहा। उसी सिलसिले में टोले का जातिसूचक नाम बदलने पर राय बनी। नया नाम तय हुआ- हनुमान-शिव टोला। मैंने पाया है कि ग्रामीण क्षेत्रों

में पुस्तकालयों के प्रति आकर्षण है। एक पुस्तकालय पीढ़ियों की सोच के निर्माण का पवित्र स्थल है, जहां अध्ययन, चिंतन, सृजन और संकल्प निर्माण होता है। पुस्तकालय भौतिकता, अनैतिकता, संकीर्णता आदि से उत्पन्न आपदाओं से समाज को बचाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से सत्ता संभाली है, खेल के प्रति उन्होंने युवाओं में उत्साह बढ़ाया है। खेल में भी सुनहरा करियर है, गांव-कस्बों तक यह संदेश गया है। अतः खेल-सुविधाओं की भी मांग अब सांसदों से होने लगी है। चाहे निर्माण या विकास का रूप जो भी हो, इसमें बहुआयामी संवाद का जरिया बनने की असीम क्षमता है। सांसद निधि के साथ नैतिकता का आयाम लगते ही उसकी व्यापकता बढ़ जाती है। एक तरफ, निर्माण कार्य होता है, दूसरी तरफ संकीर्णता की दीवार ढहने लगती है। सूची बनाकर विकास योजनाओं को जारी करना या मांग के आधार पर आवंटन की अपनी उपयोगिता है, पर वे जिलाधिकारी की योजना की तरह हो जाती हैं। उससे सांसद निधि का सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष अंकुरित भी नहीं हो पाता है।

मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स में कोंगथोंग गांव को मैंने 2020 में गोद लिया था। सेंगखासी (जनजाति) का स्कूल सरकारी सहायता से वंचित था। सहायता देने से पूर्व लोगों के सामूहिक श्रमदान, स्वच्छता अभियान आदि पर संवाद होते रहे। ऐसे में, सांसद निधि स्कूल के विकास से अधिक वहां सामूहिकता के भाव को आगे बढ़ाने का माध्यम बन गई। श्रमदान द्वारा निधि का उपयोग हुआ। सुखद बात यह रही कि ईसाई और सेंगखासी समुदायों के बीच चली आ रही कटुता मिट गई।

हमारे लोकतंत्र में एक कमी है, सांसदों के कार्यकलापों, विशेषकर सांसद निधि के उपयोग का सोशल ऑडिटिंग न होना। यह 'सब धान बाईस पसेरी' कर देता है। सोशल ऑडिटिंग से उनकी कमियों पर प्रभावी अंकुश लग सकता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र सिर्फ जनादेश नहीं है। इसकी बुनियाद में नैतिक व्यवस्था है। इसलिए सांसद निधि का उपयोग रचनात्मक तरीके से होना चाहिए। (लेखक पूर्व सदस्य, राज्यसभा) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

महापौर पद के तीन प्रत्याशियों का नामांकन पर्चा हुआ रद्द

सात फरवरी को होगा प्रतीक आवंटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव में बृहस्पतिवार को धनबाद नगर निगम के महापौर के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो की उपस्थिति में निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बाल किशोर महतो तथा सहायक निर्वाची पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय ने की। स्क्रुटनी के बाद अखिलेश्वर महतो, डॉ सुशील कुमार एवं पुष्पा कुमारी का नामांकन रद्द किया गया। महापौर के लिए 33 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। स्क्रुटनी के बाद अमित कुमार अग्रवाल, आकाश दुसाध, इंदु देवी, उमेश पासवान, कुसुम देवी, चंद्र शेखर अग्रवाल, जावेद इकबाल, दिलीप कुमार, दीनानाथ ठाकुर, नवल किशोर पासवान, नीलम मिश्रा, मोहम्मद परवेज खान, प्रकाश कुमार, बिनोद कुमार सिंह, भृगु नाथ भगत, मुकेश कुमार पांडेय, योगेंद्र प्रधान, रवि चौधरी, रवि बुंदेला, राजकुमार कनौजिया, राम विनय सिंह, राहुल कुमार चौहान, मोहम्मद रुस्तम अंसारी, लक्ष्मी देवी, शमशेर आलम अंसारी, शांतनु कुमार चंद्रा, शिल्पी शर्मा, संजीव कुमार, संजीव सिंह तथा के.सी. सिंहराज सहित 30 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र सही

पाया गया।

शुक्रवार 6 फरवरी को नाम वापस लेने की तिथि तथा 7 फरवरी को प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रतीक आवंटित किया जाएगा। वहीं 23 फरवरी को सुबह 7:00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक मतदान होगा तथा 27 फरवरी 2026 को सुबह 8:00 बजे से मतों की गिनती की जाएगी।

स्क्रूटनी में सफल हुए अध्यक्ष पद के सभी अभ्यर्थी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद । नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के नामांकन पत्रों की स्कूटनी की गयी, कार्यालय में एलआरडीसी सह निर्वाची पदाधिकारी गौरांग महतो सभी आठ अध्यक्ष पद के लिए सभी अभ्यर्थियों की नामांकन पत्रों की जांच की गयी जांच में सभी लोगों के नामांकन परचा सही पाया गया। निर्वाची पदाधिकारी गौरांग महतो ने बताया की 6 फरवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है। उन्होंने कहा की नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिऐ आठ अभ्यर्थियों ने अपना अपना नामांकन परचा दाखिल किया था , सभी नामांकन पत्रों की जांच बारीकी से की गयी , जांच में सभी नामांकन पत्र सही पाय गये हैं। अभ्यर्थियों में शशि कुमार, उषा देवी, रामेश्वर राम, अजय कुमार भारती, मुन्ना कुमार देव, बिरेंद्र राम, पवन कुमार चौधरी, जय किशोर कुमार के नाम शामिल है। वहीं प्रखंड सह अंचल कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी सुनील वर्मा ने बताया की वार्ड संख्या 1के वार्ड संख्या 8 तक कुल 42 वार्ड पार्षद पद के नामांकन परचा दाखिल किया था स्क्रूटनी में सभी नामांकन परचा जॉच में सही पाया गया। वहीं वार्ड संख्या 9 से लेकर वार्ड संख्या 16 वार्ड संख्या में कुल 44 पार्षद पदों के लिऐ अपना नामांकन परचा दाखिल किया था, अंचल

पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया की 44वार्ड पार्षदों के नामांकन पत्रों की आज जॉच की गयी, जॉच के क्रम में वार्ड संख्या 14 के वार्ड पार्षद पद के लिए दो अभ्यर्थियों ने पार्षद पद के लिए नामांकन परचा दाखिल किया था जिसमें अजय पासवान, सुनील कुमार चौधरी के नाम शामिल थे। आज स्क्रूटनी के दौरान अजय पासवान का जाति प्रमाण पत्र नामांकन पत्र में संलग्न नहीं रहने के कारण अजय पासवान के नामांकन परचा को रद्द कर दिया गया,यानी कुल अभ्यर्थी 43 हैं लेकिन सुनील कुमार चौधरी वार्ड संख्या में सिर्फ एक उमीदवार ही बच गए। जिसके बाद सम्भावित उन्हें निर्विरोध साबित किया जा सकता हैं। अब सुनील के समर्थकों में खुशी की लहर हैं। हालांकि अभी अंचलाधिकारी निवार्ची पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया इस सबन्ध अग्रेतर कार्रवाई के उपरांत सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

अभिनेत्री- मॉडल इशिका टोरिया अब दिखेंगी भोजपुरी गानों में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुजराती म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी अभिनेत्री और मॉडल इशिका टोरिया अब भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। 80 से अधिक गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम कर चुकी इशिका जल्द ही वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के नए गानों व फिल्मो में नजर आएंगी। गुजराती और पंजाबी के बाद अब उनका भोजपुरी में आना दर्शकों के लिए एक नया आकर्षण होगा।

इसको कंफर्म करते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के रत्नाकर कुमार ने इशिका की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें टैलेंट और मेहनत का बेजोड़ मेल है। उनके जरिए हम भोजपुरी में नई प्रतिभा को इंट्रोड्यूस करवा रहे हैं, जो बेहद खास होने वाली है। उन्होंने विश्वास जताया कि इशिका भोजपुरी दर्शकों को भी अपने अभिनय और अंदाज से प्रभावित करेंगी। वहीं, इशिका टोरिया ने भी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स से जुड़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी म्यूजिक कंपनी के साथ काम करना उनके लिए गर्व की बात है और वह दर्शकों के लिए आने वाले समय में कुछ खास और यादगार लेकर आएंगी। साथ ही उन्होंने रत्नाकर कुमार का भी आभार जताया। बता दें कि इंडस्ट्री में भी उनकी भोजपुरी एंट्री को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

बता दें कि इशिका टोरिया वर्ष 2015 से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और धीरे-धीरे गुजराती इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। उनकी मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय बनाया है।इशिका ने अब तक दो गुजराती फिल्मों लव नो भवाड़ो और 3 चक्करम में अभिनय किया है। इसके साथ ही वह कुछ पंजाबी म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। इशिका का अनुभव और अलग अंदाज उन्हें अन्य कलाकारों से अलग बनाता है।

आशीर्वाद एवं शुभाशीष समारोह सम्पन्न

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 के प्रांगण में यज्ञ-हवन की पावन वेदध्वनि एवं सुगंधित धूम्र रेखाओं से परिपूर्ण वातावरण में दसवीं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों हेतु आशीर्वाद तथा शुभाशीष समारोह का मंगल शुभारंभ किया गया। इस विशिष्ट मौके पर बच्चों के कुशल मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन हेतु विशिष्ट अतिथियों के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करने आए अतुल कुमार चौबे (जिला शिक्षा पदाधिकारी, बोकारो) एवं विकास कुमार (कैरियर काउंसलर एवं डायरेक्टर, साइकोग्राफिक समिति रांची) ने सभी परीक्षार्थियों से विशेष रूप से सीधे संवाद स्थापित किए एवं परीक्षा काल के दौरान होने वाले तनाव , शैक्षणिक जिज्ञासाओं एवं कैरियर संबंधी विकल्पों पर उनके जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का प्रेरक एवं संतोषजनक प्रत्युत्तर दिया। साथ ही उन्होंने परीक्षा काल के दौरान परीक्षार्थियों को अपने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य व संतुलन को कायम रखने हेतु उपयोगी परामर्श भी दिए।

भाजपा किसी भी चुनाव को नहीं समझती छोटा, कार्यकर्ता अरूणा शंकर को पुनः जिताएंगे : भानु प्रताप शाही

भाजपा नगर मंडल की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में भाजपा का वोट है। अरूणा शंकर पुनः मेयर बनेंगी। इसमे किसी को कोई संशय नहीं होना चाहिए। भाजपा किसी भी चुनाव को छोटा नहीं समझती है। नगर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता पूरी मेहनत से जी-जान लगाकर चुनाव जीतेंगे। उक्त बातें भाजपा मेदिनीनगर निगम के प्रभारी पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही ने कही। वे अरुणा शंकर के कार्यालय परिसर में भाजपा नगर मंडल की आयोजित बैठक में बोल रहे थे। भानु प्रताप शाही ने कहा कि हेमंत सरकार समझ रही है कि दलीय चुनाव होगा तो जिसे भी तीर कमान का सिंबल देंगे वह जीत नहीं पाएगा। अरुणा शंकर ही कमल को लेकर पुणः आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जैसा डरपोक मुख्यमंत्री उन्होंने नहीं देखा। लेकिन गर्व इस बात का है कि बीजेपी के सिंबल, कार्यकर्ता व मेयर से सूबे के मुख्यमंत्री को डर लगता है। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में बैलेट पेपर से गड़बड़ी नहीं होने देंगे। चुनाव समाप्त होने तक वे डटे रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के भटके कार्यकताओं व नेताओं को मनाएंगे। नहीं माने तो बाहर का रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि हर हाल में भाजपा समर्थित प्रत्याशी अरुणा शंकर को जिताना है। इसके पूर्व पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशि भूषण मेहता ने कहा कि चुनाव को चुनौती के रूप में लेना है। 2 साल कोरोना में बीत गया। 3 साल में अरुणा शंकर ने नगर निगम क्षेत्र का बेहतर ढंग से विकास किया है। उन्होंने कार्यकताओं को हर बूथ पर लग जाने की सलाह दी। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अरुणा शंकर को जिताने के लिए पूरी तरह

संकल्पित है। अरूणा शंकर मेयर बनकर नगरवासियों की सेवा की है और आगे भी करेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा समर्थित प्रत्याशी अरुणा शंकर ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद प्रथम दो साल कोरोना में बीत गए। बचे हुए तीन सालों में नगर निगम क्षेत्र का बेहतर ढंग से विकास किया है। यही कारण है कि लोग उनके कार्य प्रणाली व विकास से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि बदलते मेदिनीनगर एक झलक नाम से किताब में नगर निगम के विकास कार्यों को उल्लेखित किया गया है। इसे देखने पर पता चलेगा कि तब का नगर कैसा था। और अब नगर का किस तरह विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि शहर को सुंदर व साफ रखने के लिए अपनी पूरी शक्ति को लगा दिया है। ?आने वाले दिनों में और भी बेहतर ढंग से विकास किया जाएगा। कहा कि पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए 172 करोड रुपए की योजना का कार्य चल रहा है। चार जल मीनार का निर्माण हो रहा है।

चंद्रवंशियों का नाम लेकर राजनीतिक रोटी ना सेंके प्रत्याशी : मनोहर कुमार

राजनीतिक दल का फैसला समाज का फैसला नहीं हो सकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। चुनाव आते ही सभी को चंद्रवंशी समाज का ख्याल सताने लगता है। सत्ता में पांच साल रहने पर कभी भी चंद्रवंशी समाज का ख्याल नहीं आया। नगर निगम चुनाव आते ही चंद्रवंशी समाज के प्रति प्रेम उमड़ने लगा है।

चंद्रवंशी समाज को कमजोर कहने वाले बयान को लेकर की जा रही राजनीतिक टिप्पणियों पर पत्रकार सह समाजसेवी मनोहर कुमार चंद्रवंशी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

समाजसेवी मनोहर कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी राजनीतिक दल या व्यक्ति का फैसला पूरे समाज का फैसला नहीं हो सकता। चंद्रवंशी समाज इतना सक्षम, जागरूक व परिपक्व है कि वह अपना निर्णय स्वयं लेने की क्षमता रखता है। सही समय पर सही फैसला लेना जानता है। उन्होंने कहा कि चंद्रवंशी समाज को किसी की सलाह, दबाव या निर्देश की कोई आवश्यकता नहीं है। समाज की एकता, चेतना व स्वाभिमान के सामने धन और बाहुबल का कोई महत्व नहीं है।

मनोहर कुमार ने दो टूक कहा कि चंद्रवंशी समाज को कमजोर समझने की भूल करने वालों को यह समझ लेना चाहिए कि चंद्रवंशी समाज सर्वोपरि है और हमेशा सर्वोपरि रहेगा। समाज के सम्मान व अधिकारों पर कोई भी आंच आई तो उसका जवाब संगठित होकर लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा। उन्होंने चंद्रवंशी समाज के सभी लोगों से एकजुट रहने व भ्रम फैलाने वाली राजनीति से सतर्क रहने की अपील की है।

सिर्फ चुनाव के समय राजनीतिक दलों को याद आता है समाज

साइबर ठगों ने डीसी के नाम से बनाया फर्जी फेसबुक अकाउंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। साइबर ठगों द्वारा एक बार फिर उपायुक्त अजय नाथ झा के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर भ्रामक एवं संदिग्ध पोस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने आमजनों को सतर्क रहने की अपील की है।

मामले की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह मामला साइबर फ्रॉड से संबंधित है। उपायुक्त के नाम से बने किसी भी फर्जी फेसबुक आइडी, अनाधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट या अज्ञात फोन नंबर से यदि पैसे मांगे जाएं या किसी प्रकार का प्रलोभन दिया जाए, तो उस पर किसी भी स्थिति में विश्वास नहीं करें। इसके अतिरिक्त उनकी केवल दो ही फेसबुक आईडी है। इनके अलावा उनके नाम से बनी कोई भी अन्य फेसबुक आईडी पूरी तरह फर्जी है।

प्रशासन ने आमजनों से अपील की कि ऐसे फर्जी अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करें तथा यदि किसी संदिग्ध मैसेज, पोस्ट या लिंक की प्राप्ति होती है, तो उसे न खोलें और न ही साझा करें।

इस पूरे मामले की जानकारी साइबर थाना बोकारो को दे दी गई है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। साइबर ठगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने यह भी बताया है कि यदि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी का दुरुपयोग हुआ हो या किसी प्रकार की आर्थिक क्षति हुई हो, तो वे राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं अथवा अपने नजदीकी थाना में संपर्क कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

धनबाद। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गोविंदपुर आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही इसे मॉडल आंगनवाड़ी के अनुरूप विकसित करने के लिए आवश्यक बिंदुओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र में आए बच्चों का अपने सामने वजन कराया। मोबाइल ऐप एवं रजिस्टर में बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की प्रविष्टियां देखी।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसएएनडीटी/सीओएन/एचडब्ल्यूएच/टीएन/16/2026, दिनांक 04.02.2026, उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा उचित वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव के साथ वैध ठेकेदार का लाइसेंस रखने वाले अनुभवी सिग्नलिंग एवं टेलीकम्यूनिकेशन ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्म आदि से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं. : एसएएनडीटी-सीओएन-16-2026-एचडब्ल्यूएच, कार्य का नाम:** "भागलपुर - दुमका- रामपुरहाट दोहरीकरण (177 किमी) के संबंध में पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के रामपुरहाट से दुमका (छोड़कर) लंबाई 64 किमी के इंजीनियरिंग कार्य के संबंध में उल्लंघन हटाना और संबंधित गतिविधि"। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु.45,60,36,617.77, **बयाना राशि जमा:** रु.24,30,200/- जो एफए एंड सीएओ/कॉन/पूर्व रेलवे/कोलकाता के पक्ष में जमा की जाएगी। **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, (1) प्रस्ताव और बयाना राशि की वैधता निविदा के खुलने की तिथि से 90 दिन रहनी चाहिए। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 26.02.2026 को 11.00 बजे। (3) **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। निविदा कागजात वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं इस निविदा के लिए उल्लिखित अंतिम तिथि और समय पर या उससे पूर्व वर्णित "निविदा कागजात की लागत" एवं "बयाना राशि" के ऑनलाइन भुगतान के बाद बोली उक्त वेबसाइट पर जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से संपूर्ण निविदा, ऊपर वर्णित सभी कागजातों के साथ **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं इस प्रकार प्राप्त किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई है) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 के सूचना पट पर भी देखा जा सकता है।

CON-65/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्वदेश के आधार पर ही भारत दुनिया में एक आर्थिक महाशक्ति बन सकती है : मनोज कुमार सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच स्वदेश के आधार पर ही भारत दुनिया में एक आर्थिक महाशक्ति बन सकती है। इसका उद्घोष कर रहा था और आज यह उद्घोष पूरे देश में अर्थशास्त्रियों से लेकर प्रधानमंत्री कर रहे हैं। उपरोक्त कहना है स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय परिषद सदस्य मनोज कुमार सिंह का। वे मजदूर मैदान मे स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला के समापन समारोह में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मंच अपने स्थापना कल से ही देश की आर्थिक रोजगार और अपनी सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि के लिए सतत कार्य कर रहा है और बटो की दौड़ ने जब इस दुनिया कि विकसित देश और विकासशील देश के संसाधन संसाधनों पर कब्जा और उनके रोजगार को समाप्त कर रहे हैं इस दौरान मंच मेला के माध्यम से स्वदेशी आंदोलन का उद्घोष कर रहा है ।

इसके उपरांत स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय पर्यावरण प्रमुख वंदे शंकर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में स्वदेशी आंदोलन को विस्तार

रूप से साझा किया। अन्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संयोजक (उत्तर पूर्व क्षेत्र) अमरेंद्र कुमार सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि बोकारो इस्पात प्रबंधन द्वारा अपेक्षित सहयोग न मिल पाना एक कसक तो रहेगा और खलना स्वाभाविक है । कार्यक्रम की अध्यक्षता मेला संयोजक एवं उद्यमी स्वदेशी जागरण मंच के अनिल गोयल ने किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन मंच के राष्ट्रीय परिषद सदस्य सह प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने किया।

स्वागत मंच के प्रांत सह मेला प्रमुख अजय कुमार सिंह ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन मंच के राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रांत मेल प्रमुख दिलीप वर्मा ने किया। इसके पूर्व सर्वप्रथम आगत अतिथियों ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पर्जन कर सभागार की ओर बढ़े। यहां भारत माता , बाबू गेनू, दांतोपंत बिरसा मुंडा आदि की तस्वीर के निकट दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हुई। इसके उपरांत मेला के दौरान आयोजित विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल छात्र-छात्राओं के बीच प्रमाण पत्र सहित पुरस्कार वितरण किया गया।

इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में मंच कि महिलाओं ने आम भूमिका निभाते हुए सफल बनाया ।जिसमें अनुजा सिंह, अनीता सिंह ,मनोरमा चौधरी ,पूनम सिन्हा ,राधा सिंह, पूनम सिंह, आशा सिन्हा, प्रतिमा कुमारी विनीत श्रीवास्तव शाहिद जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, कुमार संजय ,सुरेश प्रसाद सिन्हा, विवेकानंद झा, सुजीत श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश ,नवीन कुमार सिंह,ददन प्रसाद, मनीष श्रीवास्तव, दीपक कुमार, अनंत शेखर, संजय श्रीवास्तव, राकेश रंजन आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टाटीझरिया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विद्यालयों में छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड, स्वच्छ शौचालय और पेयजल की अनिवार्य व्यवस्था के स्पष्ट निर्देश के बाद भी टाटीझरिया प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। हालात बता रहे हैं कि शिक्षा विभाग की उदासीनता का खामियाजा सीधे तौर पर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है।

मासिक धर्म के दौरान सेनेटरी पैड की अनुपलब्धता और शौचालयों की बदहाल स्थिति के कारण कई छात्राएं विद्यालय आना ही छोड़ देती हैं। मध्य विद्यालय खंभवा में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय तो बने हैं, लेकिन शौचालय में नल टूटा हुआ है, गंदगी पसरी हुई है और दुर्गंध के कारण वहां जाना मुश्किल हो जाता है।

सेनेटरी पैड के बारे में पूछे जाने पर प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार साव ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व कुछ पैड मिले थे, जिन्हें छात्राओं में वितरित कर दिया गया था। इसके बाद न तो दोबारा आपूर्ति हुई और न ही विभाग की ओर से कोई पूछताछ।

मध्य विद्यालय अमनारी में हाल ही में उन्नयन कार्य कराया गया है। यहां दो-दो शौचालय बने हुए हैं और उनकी स्थिति भी अपेक्षाकृत बेहतर है। हालांकि उन्नयन कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन उखाड़ दी गई, जिसे आज तक दोबारा नहीं लगाया गया।

परिणामस्वरूप छात्राओं को पैड उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। प्रधानाध्यापक छोटन राम ने बताया कि विद्यालय में पानी की भी गंभीर समस्या है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं.सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/एमएसएस/26 **दिनांक: 03.02.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **एमआईएससी.-स्टैटिक-सर्विसेस: नीलामी की कैटेगरी: एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस, ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एमएसएस-एएसएन-1802, **ई-नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** 18.02.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., प्रकार और स्टेशनों/स्थानों के नाम:** निम्नानुसार हैं: (1) डिजिटल लॉकरों की स्थापना एवं परिचालन के लिए अनुबंध, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन। (2) डिजिटल लॉकरों की स्थापना एवं परिचालन के लिए अनुबंध, बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन। (3) रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन। (4) रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध, मधुपुर रेलवे स्टेशन। (5) रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध, ईआरईसीएस बैंक के पास आसनसोल रेलवे स्टेशन। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-335/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

झुनझुनवाला की शेयर होल्डिंग

भारत-अमेरिका डील से रेखा झुनझुनवाला को हुआ 858 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी गई है। मंगलवार को निफ्टी 50 सूचकांक 26,341 के स्तर के करीब पहुंच गया, जो लगभग एक नया शिखर है। बुधवार को भी भारतीय सूचकांक ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इस सकारात्मक रुझान के दो दिनों में दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में भी बड़ी बढ़त दर्ज हुई है। इन दो दिनों में, रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो की एक प्रमुख कंपनी टाइटन कंपनी के शेयर एनएसई पर 3,953.20 रुपये से बढ़कर 4,135.10 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए, जिससे दो सत्रों में 181.90 रुपये की बढ़त दर्ज हुई। टाइटन के शेयर में इस वृद्धि के चलते रेखा झुनझुनवाला की कुल संपत्ति में लगभग 858 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक के शेयर होल्डिंग पैटर्न के अनुसार, रेखा झुनझुनवाला निजी हैसियत से कंपनी के 4,71,84,470 शेयर (कुल चुकता पूंजी का 5.31 प्रतिशत) रखती हैं। शेयर की कीमत में 181.90 रुपये प्रति शेयर की वृद्धि के साथ, उनकी कुल संपत्ति में 858 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के पास भी टाइटन कंपनी के 2,23,24,301 शेयर हैं। शेयर की कीमत में हुई 181.90 रुपये प्रति शेयर की बढ़त से एलआईसी के पोर्टफोलियो में भी लगभग 406 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

टेक शेयरों की पिटाई ने अरबपतियों की दौलत घटाई

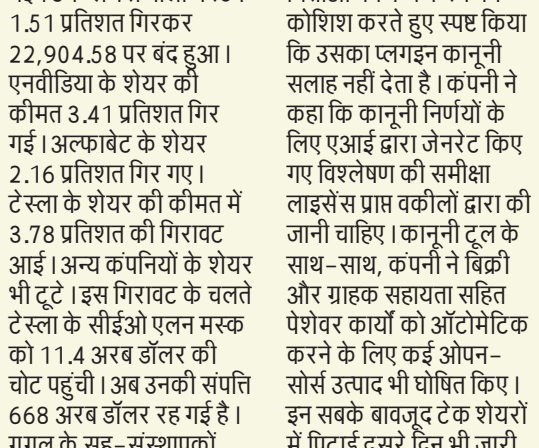

एलिसन 200 अरब डॉलर क्लब से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दिन से दुनिया भर में टेक शेयरों की पिटाई के चलते कई अरबपतियों की दौलत में भारी कमी देखी जा रही है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में अब केवल छह लोग ही टेक इंडसट्रीज से रह गए हैं। स्टीव बाल्मर और जेनसेन हुआंग ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 से बाहर गए हैं। वहीं, अब लैरी एलिसन की संपत्ति 200 अरब डॉलर से भी कम रह गई है। बुधवार को भी वॉल स्ट्रीट में टेक शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखी गई। टेक शेयरों वाला नैस्डैक 1.51 प्रतिशत गिरकर 22,904.58 पर बंद हुआ। एनवीडिया के शेयर की कीमत 3.41 प्रतिशत गिर गई। अल्फाबेट के शेयर 2.16 प्रतिशत गिर गए। टेस्ला के शेयर की कीमत में 3.78 प्रतिशत की गिरावट आई। अन्य कंपनियों के शेयर भी टूटे। इस गिरावट के चलते टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को 11.4 अरब डॉलर की चोट पहुंची। अब उनकी संपत्ति 668 अरब डॉलर रह गई है। गूगल के सह-संस्थापकों लैरी पेज को 5.55 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन को 5.12 अरब डॉलर का झटका लगा। जेफ बेजोस को 5.09 और मार्क जुकरबर्ग को 7.80 अरब डॉलर की चोट पहुंची। लैरी एलिसन को 8.62 अरब डॉलर का झटका लगा। इस गिरावट के पीछे मुख्य वजह ऐन्थ्रोपिक नामक कंपनी द्वारा अपडेट किए गए एआई चैटबॉट को माना जा रहा है। निवेशकों को डर है कि यह एआई टूल आईटी सर्विस कंपनियों के मेन बिजनेस को नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि, ऐन्थ्रोपिक ने चिंताओं को कम करने की कोशिश करते हुए स्पष्ट किया कि उसका प्लगइन कानूनी सलाह नहीं देता है। कंपनी ने कहा कि कानूनी निर्णयों के लिए एआई द्वारा जेनरेट किए गए विश्लेषण की समीक्षा लाइसेंस प्राप्त वकीलों द्वारा की जानी चाहिए। कानूनी टूल के साथ-साथ, कंपनी ने बिक्री और ग्राहक सहायता सहित पेशेवर कार्यों को ऑटोमेटिक करने के लिए कई ओपन-सोर्स उत्पाद भी घोषित किए। इन सबके बावजूद टेक शेयरों में पिटाई दूसरे दिन भी जारी रही।

50 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुके हैं शेयर

कंपनी को 500 करोड़ का मुनाफा

5345 करोड़ रुपये रहा ट्रेंट का रेवेन्यू, 50 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं ट्रेंट के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की फैशन और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी ट्रेंट को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 513 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर ट्रेंट का प्रॉफिट 3 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में ट्रेंट को 497 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट उछलकर 4013.20 रुपये पर बंद हुए हैं। इस तेजी के बाद भी ट्रेंट के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 50 पर्सेंट से ज्यादा नीचे हैं। ट्रेंट अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 5345 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले ट्रेंट का रेवेन्यू 15 पर्सेंट बढ़ा है। दिसंबर 2024 तिमाही में ट्रेंट का रेवेन्यू 4657 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2025 तिमाही में स्टैंडअलोन बेसिस पर ट्रेंट का टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा 36 पर्सेंट बढ़कर 640 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में स्टैंडअलोन बेसिस पर कंपनी का प्रॉफिट 469 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में ट्रेंट का कंसॉलिडेटेड ऑपरेटिंग इबिट्डा 837 करोड़ रुपये रहा है, जो कि सालाना आधार पर 20 पर्सेंट ज्यादा रहा। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर अपने ऑल

टाइम हाई लेवल से 50 पर्सेंट से ज्यादा नीचे हैं। ट्रेंट के शेयर 14 अक्टूबर 2024 को अपने ऑल टाइम हाई 8345.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 4 फरवरी 2026 को 4013.20 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक साल में ट्रेंट के शेयर 30 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में ट्रेंट के शेयरों में 23 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। एक महीने में ट्रेंट के शेयर करीब 10 पर्सेंट टूटे हैं। ट्रेंट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 6259 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 3643.70 रुपये है।

10 टुकड़ों में बंट चुके हैं ट्रेंट के शेयर

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट अपने शेयर का भी बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) कर चुकी है। ट्रेंट ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। ट्रेंट ने सितंबर 2016 में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। ट्रेंट में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 37.01 पर्सेंट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 62.99 पर्सेंट है।

रेयर-अर्थ संकट के बाद 2026-27 में 18 प्रतिशत तक उछाल संभव

मुंबई, एजेंसी। दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति में सुधार से देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया (ई-दोपहिया) वाहनों की बिक्री अगले वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 16-18 फीसदी बढ़ सकती है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं के कारण ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि 12-13 फीसदी तक सीमित रह सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की वृद्धि अस्थायी रूप से दुर्लभ खनिजों (रेयर-अर्थ मैग्नेट) की आपूर्ति में व्यवधान और आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) मॉडलों पर जीएसटी युक्तिकरण के कारण धीमी रह सकती है। हालांकि, हाल के महीनों में ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री में सुधार हुआ है।

स्टॉक मार्केट, बैंक या सोना-चांदी कहां पैसा लगाना बेहतर

- भारत पारंपरिक रूप से बचत करने वालों का देश रहा है लेकिन अब समय है कि लोग निवेश करके देश के आगे बढ़ने का फायदा उठाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ साल से लोगों के निवेश का पैटर्न बदला है। अब लोग बैंकों में बचत करने की बजाए शेयर बाजार में निवेश को तवज्जो दे रहे हैं। अरबपति मुकेश अंबानी ने भी इस पैटर्न को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि यह दौर देश की युवा पीढ़ी के लिए निवेश का एक बहुत बड़ा अवसर होगा। उन्होंने कहा कि भारत पारंपरिक रूप से बचत करने वालों का देश रहा है लेकिन अब समय है कि लोग निवेश करके देश के आगे बढ़ने का फायदा उठाएं।

मुकेश अंबानी ने कहा- सोने जैसी फिजिकल एसेट्स के प्रति देश की पुरानी पसंद ने प्रोडक्टिव वेल्थ क्रिएशन को रोक रखा है। पिछले साल भारत ने लगभग 60 बिलियन का सोना और 10-15 बिलियन की चांदी इम्पोर्ट को इंपोर्ट किया था। इसमें से ज्यादातर का इस्तेमाल प्रोडक्टिव तरीके से नहीं किया जाता बल्कि इसे बचत के रूप में रखा जाता है। हालांकि, सोना और चांदी देश की आर्थिक ग्रोथ में सीधे तौर पर हिस्सा लेने में ज्यादा मदद नहीं करते। अंबानी ने कहा कि अगर हम भारतीय बचत करने वालों को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से भारतीय

कैपिटल मार्केट में इन्वेस्ट करने के लिए मना पाते हैं, तो अच्छा रिटर्न मिल सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि घरों में पड़े पैसे को ऐसे एसेट्स से हटाकर इक्विटी और फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स में लगाने का अच्छा मौका है। अंबानी के अनुसार आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए इन्वेस्ट करना अभी भी बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल मार्केट तक आसान पहुंच भारत की युवा पीढ़ी की बेसिक मांग होनी चाहिए। मुकेश अंबानी ने कहा कि हमने जियो के जरिए भारत के टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर को बदल दिया। यही तरीका इन्वेस्टिंग को सबके लिए आसान बना सकता है और लाखों लोगों को कैपिटल मार्केट में ला सकता है।

अगर एआई एमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है

तो रिक्रूटर यहां 36+ एलपीएक्यों ऑफर कर रहे

मुंबई, एजेंसी। ग्रेजुएशन के बाद लाखों छात्रों की इच्छा एमबीएकरने की होती है। वह अपने करियर को लॉन्ग टर्म के लिए सही दिशा देना चाहते हैं। लेकिन उनके सामने दुविधा है कि एआई उनकी एमबीएस्किल को रिप्लेस कर देगा। उन्हें इंडस्ट्री में टिकने नहीं देगा। क्या रियल में ऐसा है क्योंकि बड़े रिक्रूटर एमबीएग्रेजुएट्स को भारी पैकेज के साथ हायर कर रहे हैं। सवाल है कि ये कौन छात्र हैं इनमें ऐसा कौन सा हुनर है

जहां टेक्नोलॉजी है वहां बदलाव होगा, जरूरत है खुद को बदलने की। अगर एआई चुनौती है तो ऐसी स्किल्स में महारत हासिल की जाए, जिन्हें वह रेप्लिकेट न कर पाए। सवाल है कि क्या भारत में मैनेजमेंट छात्रों को इस तरह की ट्रेनिंग दी जा रही है जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भारत का पहला एआई बी-स्कूल है, जहां सब्जेक्ट के बजाय पूरे करिकुलम में एआई को इंटीग्रेट किया गया है। जयपुरिया में एआई को एक अलग सब्जेक्ट के तौर पर नहीं देखा गया, इसे सीखने और काम करने के तरीकों में शामिल किया गया है। अपनी इंटर्नशिप के दौरान, मैं सिर्फ प्रोसेस को ऑब्जर्व नहीं कर रहा थी, मैं डेटा

और एआई टूल्स का इस्तेमाल करके मेजरेबल आउटकम वाले रियल प्रोजेक्ट्स में योगदान दे रही थी विजनरी एंटरप्रेन्योर और युवाओं के रोल मॉडल स्टीव जॉब कहते हैं, टेक्नोलॉजी अलोन इज नॉट एनफ। इसका मतलब है कि प्रोडक्टिविटी या समाज के भले के लिए टेक्नोलॉजी को कल्चर, स्ट्रैटेजी, एथिक्स और ह्यूमैनिटीज जैसे ह्यूमन एलिमेंट के साथ इंटीग्रेट करने की जरूरत है। इसके लिए स्किल्ड और क्लियर विजन वाले लोगों की जरूरत होगी। कंपनियां ऐसे एमबीएग्रेजुएट्स को रिक्रूट कर रही हैं, जो ह्यूमन जजमेंट को टेक्निकल फ्लुएंसी के साथ आसानी से इंटीग्रेट कर पाए। जिनके लिए एआई एक टूल से बढ़कर हो। वह इसका इस्तेमाल स्ट्रैटेजिक और ह्यूमन सेंट्रिक आउटकम में करे। कंपनियां ऐसे ही स्किल लोगों को हाईएस्ट पैकेज देकर हायर कर रही हैं। जयपुरिया का पिछले साल का प्लेसमेंट पैकेज 36.7 एलपीए रहा। इतना बड़ा पैकेज पाने के पीछे संस्थान के तीन पीलर्स हैं - स्टूडेंट फर्स्ट, एआई नेटिव और करियर रेडी। स्टूडेंट फर्स्ट - 100 घंटे से ज्यादा छात्रों पर पर्सनलाइज्ड मॉनिटरिंग की जाती है, जिससे उनकी स्ट्रेंथ और वीकनेस का पता चलता है। इससे उनके परफॉर्मेंस को ट्रैक करने में मदद मिलती है।

- **एआई नेटिव** - जयपुरिया भारत का पहला एआई नेटिव बी-स्कूल है, जहां एआई एक कोर सब्जेक्ट है। छात्र एआई प्लेटफॉर्म जैसे स्क्रिप्ट, रिहर्स, शोरनर और जयपुरिया एआई स्पेस का इस्तेमाल करके अपनी परफॉर्मेंस को इवैल्यूएट करते हैं। इस तरह के प्लेटफॉर्म रिसर्च, रिपोर्ट, डेटा एनालाइज और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के काम में छात्रों की मदद करते हैं।
- **करियर रेडी** - संस्थान में छात्रों की प्लेसमेंट ग्रूमिंग होती है, जिससे उन्हें 275+ रिक्रूटर्स में प्लेसमेंट पाने का मौका मिलता है। ब्लैकरॉक, मेलन, डेलॉइट, जेनपैक्ट, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले इंडिया, कोलगेट-पामोलिव, फेरेरो, महिंद्रा फाइनेंस, अङ्कुर मोटर कंपनी, लैंडमार्क ग्रुप और नायका फैशन।

चांदी फिर 3 लाख के करीब पहुंची, तगड़ी गिरावट के बाद सोने की भी तेज वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना-चांदी जैसे कीमती धातुओं ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में अपनी तेजी को बरकरार रखा। इस दौरान चांदी की कीमतें बढ़कर 2.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं और सोना 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 14,300 रुपये, या 5.03 प्रतिशत बढ़कर 2,98,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

पिछले सत्र में चांदी 2,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी तेजी से बढ़ा और 7,400 रुपये या 4.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,65,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया, जबकि मंगलवार को यह 1,57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

जानकारों ने कहा, सोने और चांदी ने बुधवार को अपनी तेजी जारी रखी, सोने की कीमतें तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ीं और लगभग 1.6 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गईं, जबकि चांदी में भारी अस्थिरता और सुधार की अवधि के बाद दिन के कारोबार के दौरान छह प्रतिशत तक का उछाल आया।

क्यों बढ़ने लगे दाम

कारोबारियों ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुख, कमजोर डॉलर ने इस उछाल में योगदान दिया। पिछले सप्ताह की भारी बिकवाली के बाद डॉलर के कमजोर होने से निवेशकों में बहुमूल्य धातुओं के प्रति रुचि फिर से जगी थी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से सुरक्षित निवेश की नई

खरीदारी के कारण बुधवार को सोने और चांदी में तेजी आई। यह टकराव इस सप्ताह के आखिर में होने वाली अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता को लेकर उम्मीदों को कमजोर करता है और अमेरिका और ईरान के बीच और ज़्यादा टकराव की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे सोने पर जोखिम प्रीमियम बढ़ सकता है और सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में बहुमूल्य धातुओं की मांग बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर चांदी 4.28 डॉलर, या 5.03 प्रतिशत बढ़कर 89.35 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि सोना 100.03 डॉलर, या 2.02 प्रतिशत बढ़कर 5,047.07 डॉलर प्रति औंस हो गया।

सोने-चांदी की कीमतें और चढ़ेंगी

सोने और चांदी के दाम 5 फरवरी, गुरुवार को लगातार तीसरे सत्र में भी बढ़े। निवेशक रिकॉर्ड ऊंचाई से भारी गिरावट के बाद इन धातुओं को खरीदते रहे। एशियाई ट्रेडिंग के शुरुआती घंटों में स्पॉट गोल्ड करीब 2 प्रतिशत चढ़कर 5,039 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। वहीं, स्पॉट सिल्वर 6 प्रतिशत तक उछलकर 89.34 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था। बुधवार के बंद पर गोल्ड अपने 29 जनवरी के रिकॉर्ड हाई से 11 प्रतिशत नीचे था, लेकिन साल भर में 15 प्रतिशत ऊपर बना हुआ है। सिल्वर के दाम भी बढ़े। भू-राजनीतिक मोर्चे पर ईरान और अमेरिका शुक्रवार को बातचीत करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से लंबी चर्चा की, जो अप्रैल में चीन यात्रा की तैयारी में हैं। शी ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वर्चुअल मीटिंग भी की। वहीं, आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी प्राइवेट सेक्टर में जनवरी में सिर्फ 22,000 नौकरियां बढ़ीं, जो 48,000 के अनुमान से कम रहीं। जॉब्स रिपोर्ट 11 फरवरी को आएगा, जो सरकारी बंदी के कारण लेट हो गया था और मंगलवार को बंदी खत्म हुई। पिछले महीने कीमती धातुओं में तेजी सट्टा खरीदारी, भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर चिंताओं से आई।

100 रुपये तक जा सकता है यह शेयर, मजबूत तिमाही नतीजे से एक्सपर्ट बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। शानदार तिमाही नतीजे के बाद बाजार में लिस्टेड रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को शेयर मामूली बढ़त के साथ 63.40 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि शेयर में 55 प्रतिशत से ज्यादा उछाल आने वाला है।

एलारा कैपिटल ने रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया शेयर के लिए टारगेट प्राइस 100 रुपये तय किया है। यह वर्तमान कीमत से 55 प्रतिशत से ज्यादा है। ब्रोकरेज एलारा कैपिटल के मुताबिक कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें ऑपरेटिंग लीवरेज का मजबूत असर दिखा। कंपनी का सेम-स्टोर सेल्स ग्रोथ (स्स्स्त) 4.5 प्रतिशत रहा। यह पिछले 10 तिमाहियों का उच्च स्तर है। कंपनी ने 31 दिसंबर को खत्म हुए तीन महीनों में 43.54 करोड़ रुपये का नेट लॉस बताया जबकि एक साल पहले यह लॉस 50.4 करोड़ रुपये था।

कंपनी के मुताबिक भारत में कंज्यूमर-फेसिंग बिजनेस में डिमांड धीरे-धीरे बेहतर हो रही है

क्योंकि महंगाई कंट्रोल में है और सरकार की कंजम्पशन टैक्स कटौती से खरीदारों के पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे बच रहे हैं। हालांकि, पश्चिमी फास्ट-फूड ब्रांड्स को लोकल डाइनर्स और क्लाउड किचन से कड़ी टक्कर मिल रही है, जिससे उन्हें ज्यादा डिस्काउंट देने पड़ रहे हैं। जैसे-जैसे ग्राहक ज्यादा सेलेक्टिव हो रहे हैं, रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया का मकसद कीमतों को सही रखकर उन्हें वापस लाना है इन कोशिशों से बर्गर किंग को सेम-स्टोर सेल्स में 4.5 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल करने में मदद मिली, जो कम से कम 12 महीनों से खुले स्टोर्स की सेल्स को दिखाता है, जो पिछले क्वार्टर की 2.8 प्रतिशत ग्रोथ से ज्यादा तेज है। रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया का ऑपरेशन से कुल रेवेन्यू, जो इंडोनेशिया में भी रेस्टोरेंट चलाता है, लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 715 करोड़ रुपये हो गया। पिछले महीने, कंपनी ने कहा कि रियल एस्टेट से लेकर रेस्टोरेंट ग्रुप इंस्पिरा ग्लोबल फर्म में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी के लिए 3416 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा, क्योंकि प्राइवेट इक्विटी फर्म एवरस्टोन अपनी हिस्सेदारी बेच रही है।

1 पर 3 शेयर बोनस देगी मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयर फोकस में हैं। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में ही 2 पर्सेंट तक चढ़कर 1,928.50 रुपये पर आ गए थे। दरअसल, कंपनी के बोर्ड ने पहली बार बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी है। कंपनी 3:1 के रेशियो में बोनस इश्यू लाएगी। यानी जिन निवेशकों के पास 1 शेयर है, उन्हें 3 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेंगे। सभी शेयर 2 के फेस वैल्यू के होंगे। हालांकि, इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान अभी नहीं हुआ है। बोनस शेयर का यह प्रस्ताव कंपनी की आम बैठक और जरूरी वैधानिक व नियामकीय मंजूरियों के बाद लागू होगा। निवेशकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। कंपनी अब तक अपने शेयरधारकों को 40 प्रति शेयर का डिविडेंड दे चुकी है, जिसकी शुरुआत साल 2020 से हुई थी। बोनस इश्यू का फैसला यह

दिखाता है कि कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत है और मैनेजमेंट भविष्य को लेकर कॉन्फिडेंट नजर आ रहा है। दिसंबर तिमाही के नतीजों की बात करें तो मेट्रोपोलिस ने मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 429.19 करोड़ पहुंच गया। वहीं, मुनाफा भी 32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52.67 करोड़ रहा। कंपनी के मुताबिक, मरीजों की संख्या में 14 प्रतिशत और टेस्ट वॉल्यूम में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

फेक कंटेंट पर भूमि पेडनेकर ने रखी अपनी राय

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।

बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ। कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

क्या रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधरः द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

क्या होगी यामी गौतम की भूमिका?

पिंकविला की एक खबर के अनुसार, यामी गौतम 'धुरंधरः द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइजिंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है।

क्या विक्की कौशल आएंगे नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल अपनी 2019 की फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' वाले किरदार मेजर विहान सिंह शेरगिल को फिर से निभा सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने दोनों कहानियों के समय में फर्क होने के बावजूद 'उरी' का एक ट्रैक शामिल किया है। इसमें कुछ एक्शन सीन होंगे, लेकिन ये साफ नहीं है कि विक्की का किरदार रणवीर सिंह के किरदार से मिलेगा या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस अफवाह को खारिज भी किया गया है।

कैसी होगी 'धुरंधर 2'

पहली फिल्म 'धुरंधर' 2025 में सुपरहिट रही थी। अब इस सीक्वल में ज्यादा डार्क, एक्शन और प्रतिशोध की कहानी होगी। फोकस रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी (जो हमजा के नाम से भी जाना जाता है) की असली पहचान और उसके अगले मिशन पर होगा। पहली फिल्म में रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत के बाद, अब हमजा बड़े साजिशकर्ताओं खासकर 'बड़े साहब' को पकड़ने की कोशिश करेगा। फिल्म में आर. माधवन (इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल) की भूमिका और बड़ी होगी। वो हमजा को एडवांस ट्रेनिंग देंगे। कुल मिलाकर, ये सीक्वल पहले से ज्यादा एक्शन और रिवेंज वाली होगी।

29 साल बाद 'इक्का' में साथ दिखेंगे सनी देओल-अक्षय खन्ना

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' में एक साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अब 29 साल बाद दोनों एक साथ कोर्ट रूम ड्रामा मूवी 'इक्का' में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी खास झलक आज जारी की गई है। जिसे देखने के बाद फैंस बहुत उत्साहित हैं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'इक्का'

नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को एक खास इवेंट में अपनी नई फिल्म 'इक्का' का नाम और फर्स्ट लुक जारी किया। इस फिल्म में सनी देओल और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। दोनों अभिनेता इस इवेंट में नहीं पहुंचे। लेकिन नेटफ्लिक्स पर इसकी झलक देखने के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हैं।

क्या है फिल्म 'इक्का'?

यह सनी देओल की ओटीटी (नेटफ्लिक्स) पर पहली फिल्म है। 'इक्का' एक कोर्टरूम थ्रिलर है। कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील की है, जिसे मजबूरी में एक हत्या के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। यह आरोपी वही व्यक्ति है, जिसके करियर को उस वकील ने पहले बर्बाद कर दिया था। वकील को केस जीतने के लिए हर तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं- चाहे वे सही हों या गलत, क्योंकि हारने पर वह सब कुछ खो देगा। फिल्म में तिलोत्तमा शोम, दीया मिर्जा और अन्य कलाकार भी हैं। 'इक्का' जल्द ही सिर्फ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

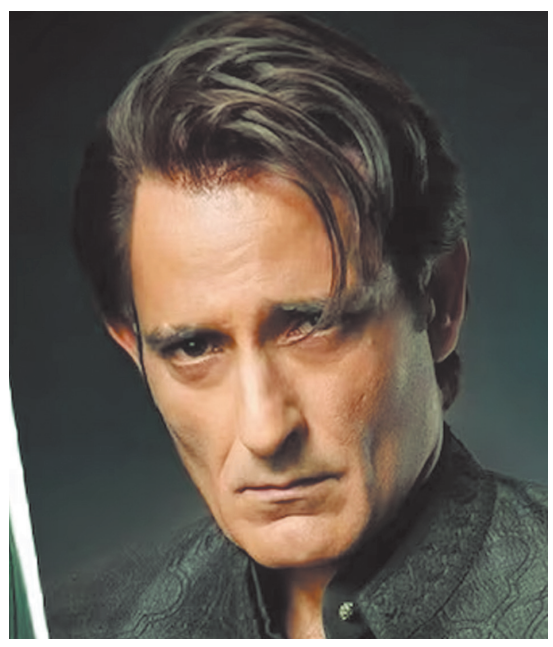

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के टीजर पर दी प्रतिक्रिया

आदित्य धर की रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर 2', जिसे 'धुरंधरः द रिवेंज' के नाम से भी जाना जाता है, का टीजर आज मंगलवार को जारी किया गया, जिस पर राम गोपाल वर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राम गोपाल वर्मा ने इसके साथ रिलीज हो रही फिल्म के लिए भी खास बात लिखी है।

राम गोपाल वर्मा को पोस्ट

मंगलवार को रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' का टीजर जारी किया गया। टीजर रिलीज के कुछ देर बाद राम गोपाल वर्मा ने अपने ङ्क (ट्विटर) अकाउंट पर इसे शेयर करते हुए लिखा, 'यह बदला नहीं, बल्कि आदित्य धर फिल्म्स का रैम्पेज (तूफान) है। यश की 'टॉक्सिक' की ओर इशारा राम गोपाल वर्मा की इस पोस्ट से लग रहा है कि वह बिना नाम लिए कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की तरफ इशारा कर रहे हैं, क्योंकि यह दोनों फिल्में 19 मार्च 2026 को एक साथ रिलीज होंगी और बॉक्स ऑफिस पर टक्कर लेंगी।

कब रिलीज हो रही है 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के अलावा सारा अर्जुन, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, और संजय दत्त जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी रिलीज होगी। कहानी पहले भाग की बची हुई रिवेंज पर आधारित है। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं, साथ में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, और बाकी कलाकार हैं। यह यश की 'केजीएफ' के बाद बड़ी फिल्म है। दोनों फिल्मों के बीच 19 मार्च को बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश होने वाला है।

धनुष मेरे लिए भाई की तरह....

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

धनुष मेरे लिए भाई समान

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

ईशा ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीता

10 मीटर एयर पिस्टल सम्राट को ब्रॉन्ज, पहले दिन भारत ने 9 मेडल जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशा सिंह ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा ने 239.8 का स्कोर किया। वहीं मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में सम्राट राणा को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

19वें शॉट में बढ़त बनाई- बुधवार को खेले गए फाइनल में ईशा ने शुरुआती पांच शॉट के बाद सातवें स्थान से वापसी करते हुए 19वें शॉट के बाद निर्णायक बढ़त बनाई। चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग को सिल्वर और यू वी एन को ब्रॉन्ज मिला।

सम्राट राणा को ब्रॉन्ज- पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत के सम्राट राणा ने 220.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में उज्बेकिस्तान के विलामदिर स्वेश्निकोव ने गोल्ड (242.0) और कजाखस्तान के वैलीरी राखीमजान ने सिल्वर जीता।

मनु भाकर को टीम इवेंट में गोल्ड- टीम इवेंट में भी भारत ने शानदार खेल दिखाया। विमेंस एयर पिस्टल टीम में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि सिंह की तिकड़ी ने 1726 अंकों के साथ गोल्ड जीता, जो वियतनाम से 13 अंक अधिक रहा। पुरुष टीम में सम्राट राणा, श्रवण कुमार और वरुण तोमर को सिल्वर मिला।

जोनाथन को गोल्ड- जूनियर वर्ग में जोनाथन गेविन एंटोनी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में 240.9 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और चिराग शर्मा और प्रियांशु यादव के साथ टीम गोल्ड भी हासिल किया। दिन के आखिरी इवेंट, पुरुष यूथ 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत ने 1-2 फिनिश किया। धैर्य पराशर ने गोल्ड और मंदीप चौहान ने सिल्वर जीता, जबकि दोनों ने गिरीश गुप्ता के साथ मिलकर टीम गोल्ड भी अपने नाम किया।

रणजी ट्रॉफी

क्वार्टर फाइनल मैच से पहले मुंबई को बड़ा झटका, सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले मुंबई को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज सरफराज खान बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और वह इस अहम नॉकआउट मुकाबले से बाहर हो गए हैं। सरफराज को बुधवार को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन ठीक होने में

कुछ दिन लगेंगे जिससे क्वार्टर फाइनल में उनके खेलने की संभावना बहुत कम है। यह 28 वर्षीय क्रिकेटर इस रणजी सीजन में मुंबई के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, उन्होंने मिडिल ऑर्डर में काफी रन बनाए हैं और बल्लेबाजी लाइनअप को स्थिरता दी है। उम्मीद है कि उनकी गैरमौजूदगी से मजबूत कर्नाटक टीम के खिलाफ मुंबई की बल्लेबाजी कमजोर होगी। मुंबई शुक्रवार से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। टीम मैनेजमेंट ने अभी तक किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का नाम नहीं बताया है, हालांकि टीम में लौटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद है। कई अनुभवी खिलाड़ियों वाली कर्नाटक की टीम मुंबई की इस परेशानी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी, क्योंकि दोनों टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाने पर नजर गड़ाए हुए हैं।

अंडर 19 वर्ल्ड कप

भारत-इंग्लैंड के बीच फाइनल आज

● भारत का सामना अपराजेय इंग्लैंड से, इस गेंदबाज से बचने की जरूरत

हरारे (एजेंसी)। छठा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम जब आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड से खेलेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जीत दर्ज की जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज ने यादगार पारियां खेली। इस जीत से पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम का हौसला बढ़ा है जिसने पिछली बार 2022 में खिताब जीता था।

नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेगी

भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले ग्रुप मैच से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपराजेय रिकॉर्ड कायम रखा। अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा। भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा और नजरें वैभव सूर्यवंशी पर भी लगी होंगी जिनके बल्ले से हो रही आतिशबाजी का जवाब तलाशने के लिए विरोधी गेंदबाज जूझते नजर आए हैं। अगले महीने 15 वर्ष के हो रहे सूर्यवंशी तीन अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के सामने उन्हें हालांकि संयम से खेलना होगा क्योंकि मैन्नी लुम्सडेन की अगुवाई में उसके पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है।

आरोन का शतक, अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

दुबई (एजेंसी)। भारत ने 10वीं बार अंडर-19 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। 6 फरवरी को टीम इंडिया का फाइनल मैच इंग्लैंड के साथ होगा। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए हैं। टीम से फैजल शिनोजादा (110 रन) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं। भारत से दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट झटके। 311 रन के जवाब में भारतीय टीम ने ओपनर आरोन जॉर्ज (115 रन) के शतक की बदौलत 41.1 ओवर में 3 विकेट पर जीत हासिल कर ली। टीम से वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62 रन) ने फिफ्टी लगाई। भारत ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज किया है। इतना ही नहीं, भारत ने यूथ वनडे में सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। इस मुकाबले में 620 रन बने। जोकि भारत और अफगानिस्तान की टीमों के बीच यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा हैं। पिछला रिकॉर्ड 521 रनों का था, जोकि 5 साल पहले 27 दिसंबर 2021 को आईसीसी के दुबई मैदान पर बना था।

भारत को मैन्नी लुम्सडेन से बचना होगा

ऐसे में स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका अहम हो जाएगा हालांकि टीम संयोजन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा। टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में कोई भारतीय नहीं है। इंग्लैंड के मैन्नी लुम्सडेन 15 विकेट लेकर शीर्ष पर है। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड के लिए बेन मायेस ने एक शतक और दो अर्धशतक समेत 399 रन बनाए हैं। कप्तान थॉमस रियू भी अच्छे फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक समेत 299 रन बना चुके हैं।

टी20 वर्ल्ड कप

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर पीएम शरीफ की बांग्लादेश ने की सराहना

ढाका (एजेंसी)। आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव बढ़ता दिख रहा है। इसी बीच बांग्लादेश के युवा एवं खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के रुख की खुलकर सराहना की है। नजरुल ने कहा कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का पाकिस्तान का फैसला बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दर्शाता है, जिसे टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद समर्थन की जरूरत थी। इस बयान ने पूरे मामले को और चर्चा में ला दिया है।

आसिफ नजरुल की प्रतिक्रिया- गुरुवार को आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए पाकिस्तान के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह कदम बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से हटाए जाने के विरोध में उठाया गया है। नजरुल ने पोस्ट में पाकिस्तान का धन्यवाद करते हुए इसे खेल भावना और आपसी समर्थन का उदाहरण बताया।

शहबाज शरीफ के बयान का हवाला

नज़रुल ने इस्लामाबाद में हुई पाकिस्तान कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की टिप्पणियों का भी ज़िक्र किया। शरीफ़ ने कहा था कि भारत के खिलाफ़ मैच न खेलने का फैसला राजनीति से प्रेरित नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है।

● हरियाणा के खिलाड़ियों का जर्मनी में दबदबा

वेटलिफ्टिंग में भिवानी के संदीप कुमार ने जीता स्वर्ण

● ज्योति प्रकाश ने पाया कांस्य पदक

नारनौल (एजेंसी)। जर्मनी के शहर पोट्सडम में आयोजित 5वीं ओपन इंटरनेशनल मास्टर्स वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। इन पदकों में 3 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में हरियाणा के दो खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया।

हरियाणा मास्टर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की जॉइंट सेक्रेटरी व नारनौल की कविता ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत की ओर से 10 सदस्यों की टीम ने भाग लिया। टीम का नेतृत्व भारतीय मास्टर्स वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी उदय शेट्टी की अगुवाई में किया गया।

हरियाणा के दो खिलाड़ी शामिल

उन्होंने बताया कि हरियाणा के भिवानी जिला के संदीप कुमार ने 65 किलो पुरुष भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की, जबकि हरियाणा के ही ज्योति प्रकाश ने 110 किलो पुरुष भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

पंजाब के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन

पंजाब के संतोष कुमार ने 110 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा राजविंदर सिंह (79 किलो), चरणजीत सिंह (88 किलो) और पलसाना कुलकर्णी (94 किलो) ने रजत पदक जीते।

बीएसएफ के राजेश बत्रा ने 88 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। आर्मी की 102 इंजीनियर रेजीमेंट के सूबेदार इकबाल सिंह ने प्लस 110 किलो वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि केरल की लेवियस बाबा ने प्लस 86 किलो महिला वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया।

पूर्व मंत्री ने दी बधाई

इस प्रतियोगिता में भारतीय मास्टर वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के उपाध्यक्ष संतोष कुमार ने चीफ कोच की भूमिका निभाई। पूर्व मंत्री व नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव सहित कई खेल प्रेमियों और संगठनों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

ईशान को बैटर्स रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा

● ऑलराउंडर्स में पाकिस्तान के सईम अयूब नंबर-1, शिवम दुबे टॉप-10 में आए

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बैटर ईशान किशन को आईसीसी रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा हुआ है। बुधवार को जारी प्लेयर्स रैंकिंग में ईशान 584 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

भारत के शिवम दुबे को भी ऑलराउंडर्स में दो स्थान का फायदा हुआ। वे अब 186 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 11वें से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर, श्रीलंका के पथुम निसांका, भारत के सूर्यकुमार यादव और न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। वहीं चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेलने वाले

तिलक वर्मा को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वे पांच मैचों की सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ईशान ने चार मैचों में कुल 215 रन बनाए।

नवाज को 8 स्थान का फायदा- पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की बढ़त के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वह अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग पॉइंट्स पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में उन्होंने छह विकेट चटकाए।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने भी बड़ी छलांग लगाई है। वे आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज के आखिरी मैच में उनके पांच विकेट काफी अहम साबित हुए।

अयूब ने सीरीज में 119 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में सईम अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिए। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने एक स्थान की बढ़त हासिल की और ऑलराउंडर्स रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

उनके बाद 289 रेटिंग पॉइंट्स के साथ सिकंदर रजा दूसरे नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पांड्या 247 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज चौथे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज पांचवें स्थान पर हैं।

फेड कप 2026 चयन विवाद

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को 'अनुचित' बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

- **चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति-** विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।
- **उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी-** फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।
- **ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं-** विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।
- **निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट-** स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

संक्षिप्त समाचार

दुबई में हवाला के जरिए खरीदी करोड़ों की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा कानून का उल्लंघन करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली में की गई छापेमारी में यह खुलासा हुआ है कि कुछ रईस लोगों ने गैर-कानूनी तरीके से पैसा भेजकर दुबई में करोड़ों रुपये की संपत्तियां खरीदी हैं। जांच में सामने आया कि दिल्ली के रहने वाले कपिल अग्रवाल और संगीता अग्रवाल ने दुबई में कुल 10 संपत्तियां खरीदीं, जिनकी कीमत लगभग 34.14 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि यह खरीदारी किसी बैंक के जरिए नहीं, बल्कि हवाला के जरिए की गई और इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। जब ईडी ने आरोपियों से इन विदेशी संपत्तियों के पैसों के स्रोत के बारे में पूछा, तो वे कोई ठोस सबूत नहीं दे सके। चूंकि दुबई में स्थित संपत्तियों को सीधे तौर पर जब्त करना मुश्किल है, इसलिए ईडी ने कानून का इस्तेमाल करते हुए भारत में मौजूद उनकी संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया। इस कार्रवाई के तहत कपिल और संगीता अग्रवाल से जुड़ी 5 संपत्तियां जब्त की गई हैं, जिनकी कीमत करीब 17.83 करोड़ रुपये है। इसके अलावा इसी जांच में एस. भट्टाचार्य नामक एक अन्य व्यक्ति की भी 3 संपत्तियां जब्त की गई हैं। ईडी का कहना है कि यह अघोषित विदेशी संपत्ति का मामला है, जिसे गुप्त तरीके से जमा किया गया था।

दिल्ली की सड़कों पर गड्ढे अब 48 घंटे में होंगे चकाचक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम ने सड़कों के बेहतर रखरखाव के लिए एक नई

कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत निगम के अधीन आने वाली किसी भी सड़क के खराब होने की शिकायत मिलने पर उसे 48 घंटे के भीतर सुधारा जाएगा। जर्जर सड़क की मरम्मत के बाद अफसरों को चार दिन के भीतर अपने विभाग प्रमुख को इसकी स्टेटस रिपोर्ट भी सौंपनी होगी। राजधानी में एमसीडी के अधीन 15 हजार से अधिक सड़कें आती हैं। निगम प्रशासन को अक्सर अपार्टमेंट, कॉलोनियों और बाजार परिसरों के आसपास की सड़कें जर्जर होने की शिकायत मिलती रहती हैं। विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद सड़कों की समय पर मरम्मत नहीं होती। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आंकड़ों के मुताबिक, नगर निगम को हर माह सड़कों के गड्ढों व मरम्मत कार्यों से जुड़ी 1200 शिकायतें मिलती हैं। इन्हीं शिकायतों के जल्द समाधान के लिए निगम प्रशासन ने दो दिन के भीतर सड़कों की मरम्मत की योजना बनाई है। इस संबंध में निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब एमसीडी के अधीन आने वाली सड़कों की शिकायत मिलने के बाद जल्द से जल्द उनकी मरम्मत की जाएगी। इसे लेकर निगम के सभी जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। सड़क से संबंधित शिकायत के समाधान और उससे जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट को दो से चार दिन में विभाग प्रमुख को सौंपनी होगी। नगर निगम ने इस वर्ष एक हजार किलोमीटर सड़क के मरम्मत का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री विकास कोष, दिल्ली ग्रामोदय अभियान और दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड से प्राप्त धनराशि का उपयोग कर यह कार्य किया जाएगा। इस पहल से आम लोगों को सड़कों पर आवागमन में सहूलियत होगी। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि निगम के अधीन वाली सड़कों के मरम्मत और रखरखाव कार्य के तुरंत समाधान के लिए निर्देश दिए गए हैं। इसे लेकर निगम की टीम कार्य की निगरानी करेंगी। साथ ही, नई सड़कों के निर्माण के लिए भी आदेश दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि सड़कों के रखरखाव के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों की भागेदारी के साथ ही मिशन को पूरा किया जाएगा। हमारा उद्देश्य है कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। हम इस अभियान की सघन निगरानी करेंगे और लोगों की शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

जनगणना शुरू होते ही नहीं पूछेंगे जाति, दूसरे चरण का इंतजार करना पड़ेगा

पहले चरण के दौरान क्या-क्या पूछे जाएंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में बड़ी जानकारी दी है। सरकार ने साफ-साफ कहा है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होती ही जाति जनगणना नहीं शुरू होगी। इसके लिए लोगों को दूसरे चरण का इंतजार करना पड़ेगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में होने वाली जनगणना का काम दो हिस्सों में बांटा गया है। जाति जनगणना दूसरे चरण के दौरान की जाएगी। मुख्य रूप से पूरे देश में जनसंख्या की गिनती का काम फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, पहाड़ी और बर्फीले राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ दुर्गम इलाकों में यह काम सितंबर 2026 में ही शुरू कर दिया जाएगा। मंत्रालय का कहना है कि इसके बारे में पूरी जानकारी दिसंबर 2025 में ही दे दी गई थी, लेकिन फिर भी कुछ लोग जानबूझकर इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसीलिए सरकार ने दोबारा यह बयान जारी कर तारीखों और पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। दो हिस्सों में होगी जनगणना सरकार ने कहा है कि पहले चरण में मकानों की सूची बनाना और उनकी गणना करना शामिल होगा। दूसरे चरण के दौरान जाति जनगणना का काम किया जाएगा। सरकार ने 22 जनवरी को पहले चरण के दौरान पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों

को अधिसूचित किया था। इस दौरान घर में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, घर में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर के मुखिया का लिंग, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी और आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच, वाहनों के प्रकार सहित अन्य प्रश्न सूचीबद्ध किए हैं जो पहले चरण के दौरान पूछे जाएंगे। इस साल एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा तय की गई 30 दिन की अवधि में हाउसलिस्टिंग का काम होगा। हाउसलिस्टिंग शुरू होने से ठीक पहले 15 दिनों में खुद से जवाब भरने का विकल्प होगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि सत्ताधारी भाजपा का जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है और उस पर पीडीए समुदाय को धोखा देने का आरोप लगाया। एक्स पर पोस्ट में अखिलेश ने कहा था कि जनगणना नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं है।

कुत्तों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को दूर करने से जुड़ी हैं

दिल्ली में भाजपा नेता के घर के बाहर लोगों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भाजपा नेता विजय गोयल के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कई लोग बंगाली मार्केट स्थित उनके आवास के बाहर देर रात नारेबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ये लोग पशुओं को अधिकारी दिलाने से जुड़े कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। उन लोगों की मांगे पशुओं खासकर कुत्तों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को दूर करने से जुड़ी हैं।

वीडियो में एक महिला बार-बार नारे लगाती हुई दिखाई-सुनाई दे रही है- कुत्तों के साथ रेप होता है... कुत्तों के साथ रेप होता है... इस बीच वहां मौजूद लोग भी विजय गोयल के खिलाफ नारेबाजी करते सुनाई देते हैं। लोग कह रहे होते हैं- विजय गोयल हाय हाय, विजय गोयल हाय हाय। विजय गोयल मुर्दाबाद।

न्यूज एजेंसी पीटीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में साझा की गई जानकारी में लिखा था- ये लोग एनिमल राइट एक्टविस्ट हैं। कुत्तों के खिलाफ बढ़ते अपराधों के विरोध में भाजपा नेता विजय गोयल के घर के बाहर इकट्ठा हुए हैं। आपको बताते चलें कि कुत्तों के साथ रेप जैसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने अप्रैल 2025 में शाहदरा जिले के कैलाश नगर इलाके से एक आदमी को कई कुत्तों के साथ रेप करने के आरोप में पकड़ा था

20 साल से क्या कर रहे थे, दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी की लगाई क्लास, आरटीआई पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पारदर्शिता के मुद्दे पर एमसीडी को कड़ी फटकार लगाई है। मामला सूचना का अधिकार कानून के पालन न करने से जुड़ा है। कोर्ट ने हैरानी जताई कि पिछले 20 सालों से एमसीडी ने अपनी वेबसाइट पर जरूरी पब्लिक डॉक्यूमेंट्स अपडेट ही नहीं किए हैं।

बुधवार को चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने एमसीडी से कड़े सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि आरटीआई एक्ट 2005 में लागू हुआ था, लेकिन दो दशक बीत जाने के बाद भी एमसीडी ने पारदर्शिता के नियमों का पालन नहीं किया। एमसीडी ने अपनी वेबसाइट पर सदन के फैसलों, प्रस्तावों और कमेटियों की रिपोर्ट जैसी जानकारियां अपलोड नहीं की हैं।

अदालत ने एमसीडी के वकील से पूछा, आप 20 साल से क्या कर रहे थे? कानून 2005 में पास हुआ था और अब तक आपने यह काम नहीं किया। बेंच ने साफ कहा कि इसके पीछे कोई बहाना नहीं चल सकता। यह साफ है कि आरटीआई एक्ट के तहत जो कानूनी जिम्मेदारी एमसीडी की थी, उसका पालन नहीं किया गया। सेंटर फॉर यूथ कल्चर एंड लॉ एनवायरनमेंट ने कोर्ट को बताया कि एमसीडी की वेबसाइट पर सूचनाओं का सही कैटलॉग तक नहीं है। यहां तक कि बजट की जानकारी भी नदारद है, जबकि आरटीआई एक्ट की धारा 4 के तहत यह सारी जानकारी जनता के लिए खुद-ब-खुद उपलब्ध होनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से दर्ज कराई गई दो एफआईआर के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह मामला लाल किले के पास हुए धमाके के बाद सामने आया, जिसके बाद अल फला यूनिवर्सिटी के संचालन से जुड़ी कई कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

अधिकारी ने बताया कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने भी पहले ही अपनी ओर

से कार्यवाही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

गिरफ्तारी के बाद जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने पुलिस को चार दिन की हिरासत (पुलिस रिमांड) की अनुमति दी है, ताकि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन पूछताछ की जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और मामले से संबंधित और जानकारियां जुटाई जा रही हैं। आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। आपको बताते चलें कि अल फला यूनिवर्सिटी उस वक्त लोगों की नजरों में आई थी, जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए थे। इस डॉक्टर का संबंध इसी अला फला यूनिवर्सिटी से था।

पुलिस के अनुसार, यह अभियान फरीदाबाद पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चलाया गया। आरोपी की पहचान मुजम्मिल शकील के रूप में हुई है, जो अल फला यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था।

टैरिफ में भारत को ढील; भड़के पाकिस्तानी लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील किया है। इस डील के बाद भारत को अमेरिका में निर्यात पर अब 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी का टैरिफ देना होगा। यह समझौता 2 फरवरी को हुआ। इसे भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान को 19 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, भले ही इस्लामाबाद ने ट्रंप प्रशासन के साथ लगातार संपर्क और लॉबिंग की हो।

पाकिस्तान में इस खबर से गुस्सा और निराशा फैल गई है। लोग कह रहे हैं कि महीनों की चापलूसी, नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने के बावजूद पाकिस्तान को भारत से ज्यादा टैरिफ डील मिली। सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं, सम्मान खरीदा नहीं जा सकता।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर इस समझौते की आलोचना तेज हो गई है। लोग ट्रंप के पोस्ट्स को देखकर हैरान हैं, जहां उन्होंने इंडिया गेट की तस्वीरें और

इंडिया टुडे मैगजीन के कवर शेयर किए हैं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप साथ दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने भारतीय सामानों पर टैरिफ 18 प्रतिशत करने की घोषणा की, जो पाकिस्तान के 19 प्रतिशत से एक प्रतिशत कम है। पूर्व पीटीआई मंत्री हम्माद अजहर ने इसे रणनीति की नाकामी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 21वीं सदी में विदेश नीति फोटो ऑप्स या व्यक्तिगत रिश्तों से नहीं चलती। यह आर्थिक ताकत, टैरिफ और बाजार पहुंच पर आधारित होती है। भारत के यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हाल के समझौते इसी बात को साबित करते हैं। चापलूसी और फोटो सेशन बेकार हैं।

चला रखा है भ्रष्टाचार रोधी अभियान

चीन में कुछ होने वाला है, चिनफिंग ने एक साथ हटाए कई जनरल; किए बड़े बदलाव

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शुमार चीन की सत्ता पर काबिज हुए शी चिनफिंग को करीब 14 वर्ष हो गए हैं। उन्होंने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए न केवल सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में बड़े पैमाने पर बदलाव किए हैं बल्कि सेना में शीर्ष स्तर पर कई जनरलों की छुट्टी कर चुके हैं। लेकिन सेना में जिस तरह जनरलों और एडमिरलों के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उसके पीछे की वजह संदेह और खतरा बताया जा रहा है।चीनी रक्षा मंत्रालय ने गत 24 जनवरी को यह बताया था कि सेना के शीर्ष

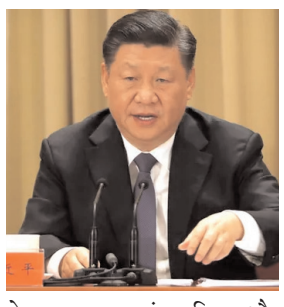

नेतृत्व जनरल झांग यूशिया और एसोसिएट जनरल लियू झेनली गंभीर उल्लंघनों को लेकर जांच में दायरे में हैं। झांग को चिनफिंग का वफादार माना जाता है। यह तो महज एक ताजा घटनाक्रम है, लेकिन बीते तीन वर्षों में चीनी सेना में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। न्यूयार्क टाइम्स के विश्लेषण के अनुसार, चिनफिंग ने खुद के द्वारा 2022 में केंद्रीय सैन्य आयोग में नियुक्त किए गए छह जनरलों में से एक को छोड़कर सभी को हटा दिया है। जबकि 2023 की शुरुआत में 30 जनरल और एडमिरल थे, जो विभिन्न थिएटर कमांड और विशेष अभियानों की कमान संभाल रहे थे। इनमें से लगभग सभी को निकाल दिया गया है या गायब हो गए हैं। इन कदमों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना में शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपान हो गया है।

कनाडा की टो-ट्रक हिंसा जांच में बड़ा खुलासा, टोरंटो पुलिस 9 अधिकारी भी संगठित अपराध में शामिल !

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा और संगठित अपराध के मामलों में टोरंटो पुलिस के नौ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के हवाले से सीबीसी न्यूज ने बताया कि इन अधिकारियों पर मानव तस्करी, हत्यारों को पते लीक करने, पुलिस अधिकारियों के पते उजागर करने और एक जेल अधिकारी की हत्या की साजिश रचने जैसे आरोप हैं।

सूत्रों के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया है कि टोरंटो साउथ डिटेंशन सेंटर के एक यूनिट कमांडर की हत्या की साजिश रची गई थी। इनमें से दो अधिकारी बुधवार को अदालत में पेश हुए और उन्हें अगली सुनवाई तक जमानत पर रिहा किया गया है, जबकि अन्य अधिकारियों की कोर्ट में पेशी गुरुवार को होनी है।इस पूरे मामले की जांच यॉर्क रीजनल पुलिस कर रही है। टोरंटो पुलिस ने फिलहाल इस पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा है कि गुरुवार

को यॉर्क पुलिस की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी दी जाएगी। टोरंटो पुलिस प्रमुख मायरोन डेमकिव भी इस प्रेस वार्ता में शामिल होंगे। टोरंटो में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है।

युद्धविराम के बावजूद इजराइली हमले में 24 फिलीस्तीनी ढेर

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी में संघर्षविराम के दौरान इजराइल द्वारा किए गए ताजा हमलों में रातभर दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 24 फिलीस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।फिलीस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, यह हमले संघर्षविराम लागू होने के बाद सबसे घातक घटनाओं में से एक हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में सात बच्चे शामिल हैं, जबकि कम से कम 38 लोग घायल हुए हैं। यह हिंसा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा चौकी को आंशिक रूप से फिर से खोला गया था।

हालांकि, फिलीस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि इजराइल ने बुधवार को मरीजों को रफाह के रास्ते बाहर जाने से रोक दिया। इजराइली सेना ने दावा किया कि उसके सैनिकों पर गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ। इजराइल और हमास एक-दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप

लगा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि गाजा में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आवागमन की जरूरत है। कार्रवाई में तीन शीर्ष चरमपंथी और कुछ ऐसे लोग मारे गए जो उसकी सेना के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घातक इजराइली हमलों ने 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम का बार बार उल्लंघन किया है। फलस्तीनी नागरिकों की बढ़ती मौतों के बीच गाजा के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो युद्ध थमा ही नहीं है। अस्पताल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बुधवार को मारे गए फलस्तीनियों में कम से कम पांच बच्चे, सात महिलाएं और ड्यूटी पर तैनात एक पैरामेडिक शामिल है। गाज़ा सिटी के शिफ़ा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सलमिया ने फ़ेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, गाज़ा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ़ जनसंहार जारी है।

दस फरवरी से शुरू होगा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। फाइलेरिया उन्मूलन के लिए दस फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा। 10 फरवरी को जिले के 2262 बूथ पर 4583 दवा प्रशासक द्वारा 26 लाख से अधिक लोगों को अपने सामने दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित है। अभियान को सफल बनाने के लिए 435 सुपरवाइजर भी रहेंगे। वहीं छूटे हुए लोगों को 11 से 25 फरवरी तक दवा प्रशासक द्वारा घर-घर जाकर अपने सामने डीईसी एवं एल्बेंडाजोल दवा खलाई जाएगी। दवाई लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति के शरीर में माइक्रो फाइलेरिया की मौजूदगी होगी तो उसे सरदर्द, बुखार होने की संभावना है। अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज स्वास्थ्य विभाग के साथ बैठक कर सभी 435 सुपरवाइजरों की कंट्रोल रूम से वीडियो कॉल द्वारा अटेंडेंस लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुपरवाइजर सुनिश्चित करेंगे कि एक भी घर अभियान में छूट नहीं और लक्ष्य के अनुरूप हर व्यक्ति दवा का सेवन करें। वहीं कंट्रोल रूम से फोन करने और सुपरवाइजरों द्वारा फोन कॉल रिसीव नहीं करने पर माना जाएगा कि वे अपने स्थल पर उपस्थित नहीं है। 1 से 2 साल तक के बच्चे को एल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 एमजी) पानी में घोलकर दी जाएगी। 2 से 5 वर्ष तक को डीईसी की एक गोली (100 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली (400 एमजी), 6 वर्ष से 14 वर्ष तक डीईसी की 2 गोली (200 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली, 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को डीईसी की तीन गोली 300 (एमजी) एवं एल्बेंडाजोल की एक गोली खिलाई जाएगी।

सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के दोषी तीन आरोपियों को एक वर्ष की सजा व जुर्माना

पेटरवार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति ने नावाडीह थाना अंतर्गत सूरही निवासी रऊफ अंसारी, मोहीद्दीन अंसारी उर्फ मोहीउद्दीन अंसारी एवं साधु अंसारी को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने में दोषी करार दिया है। श्री प्रजापति ने उन्हें एक एक वर्ष की सजा सुनाई है। बताते चले कि नावाडीह अंचल अधिकारी अंगार नाथ मिश्रा ने नावाडीह थाना प्रभारी के समक्ष रऊफ अंसारी, मोहीद्दीन अंसारी उर्फ मोहिउद्दीन अंसारी, साधु अंसारी तथा पचास अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया था कि अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो के साथ सशत्र पुलिस बल और चौकीदार जब सुरही मौजा के खाता नंबर 72 के प्लॉट नंबर 504 रकवा 20 डिसमल पर पहुंचे तो उपरोक्त अभियुक्तगण और 50 अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंच गए और विरोध करने लगे। पथराव करने लगे। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि यह सरकारी जमीन है और आप सरकारी कार्य में बाधा नहीं पहुंचा सकते। लेकिन अभियुक्तगण गाली गलौज करने लगे। यह भी आरोप लगाया कि अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश को नहीं माना और विरोध एवं गाली गलौज किया गया। उक्त बयान के आधार पर नावाडीह थाना में मामला दर्ज किया गया। आरोप पत्र समर्पित होने के बाद मामला स्थानांतरित होकर एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति के न्यायालय में आया। न्यायालय में प्रस्तुत गवाह एवं दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद मनोज कुमार प्रजापति ने रऊफ अंसारी, मोहीद्दीन अंसारी उर्फ मोहिउद्दीन अंसारी एवं साधु अंसारी को एक एक वर्ष की सजा एवं 5 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी पक्ष के अधिवक्ता द्वारा आवेदन दिया गया कि अभियुक्त सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। उक्त आवेदन के आधार पर अभियुक्तगणों को जमानत पर छोड़ा गया। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक लोक अभियोजक नवीन कुमार मिश्रा ने बहस की।

हाथी का कहर, बड़कीपुन्नू करमाली टोला में पति-पत्नी समेत तीन की मौत

पेटरवार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल के गोमिया प्रखंड अंतर्गत बड़कीपुन्नू करमाली टोला में आज तड़के हाथी के हमले में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनकी गोतनी शामिल हैं। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है। मृतकों की पहचान गंगा करमाली, उनकी पत्नी कमली देवी एवं गोतनी भागिया देवी के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अहले सुबह जंगली हाथी गांव में घुस आया और लोगों पर हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ग्रामीणों ने हाथियों की बढ़ती आवाजाही पर रोक लगाने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। खबर है कि आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को जाम कर दिया है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

डीइओ सह डीसी ने जिला नियंत्रण कक्ष का लिया जायजा, दिया जरूरी दिशा-निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थापित जिला नियंत्रण कक्ष का गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नियंत्रण कक्ष को निर्वाचन प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए इसकी सतत एवं प्रभावी कार्यप्रणाली पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के क्रम में डीईओ सह डीसी ने समाहरणालय परिसर में ही समेकित नियंत्रण कक्ष को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने का निर्देश उपस्थित अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को दिया, ताकि निर्वाचन से संबंधित सभी प्रकार की सूचनाओं, शिकायतों एवं समन्वय कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं कर्मियों से अब तक प्राप्त शिकायतों की विस्तृत जानकारी ली तथा शिकायतों के त्वरित निष्पादन, अभिलेख संधारण एवं नियमित मॉनिटरिंग को लेकर आवश्यक दिशाझनिर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीईओ सह डीसी ने स्पष्ट किया कि नियंत्रण कक्ष के माध्यम से आम नागरिकों, प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

डीडीसी ने मैट्रिक व इंटर परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में संचालित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा को शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी द्वारा प्रोजेक्ट हाई स्कूल, चास, वीकेएम इंटर स्कूल तथा मध्य विद्यालय कुर्रा,स्थित परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा कक्षों, वीक्षण व्यवस्था, सीसीटीवी, केंद्र पर तैनात दंडाधिकारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। डीडीसी ने केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा पूरी तरह कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराई जाए तथा परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को अनुशासित एवं सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा के तीसरे दिन आयोजित विषयों की जानकारी ली।

हाथियों के झुंड से कुचलकर एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत पर उपायुक्त ने जताया गहरा शोक

मुआवजा, पारिवारिक लाभ एवं अन्य योजनाओं से आच्छादित करने का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोमिया प्रखंड अंतर्गत बड़की पुन्नू क्षेत्र में गुरुवार को हाथियों के झुंड द्वारा कुचलकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु की हृदयविदारक घटना ने पूरे जिले को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस अत्यंत दुखद और पीड़ादायक घटना पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षति अपूरणीय है और शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उपायुक्त ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहन सहानुभूति प्रकट करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार को नियमानुसार देय मुआवजा, पारिवारिक लाभ तथा अन्य सभी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि दुख की इस घड़ी में परिवार को आर्थिक एवं मानसिक संबल प्रदान किया जाए, ताकि वे इस गहरे आघात से उबर सकें। घटना की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला वन पदाधिकारी के साथ बैठक कर पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली। बैठक के दौरान हाथियों के पारंपरिक विचरण मार्ग, हालिया गतिविधियों तथा मानवझहाथी संघर्ष के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए ठोस एवं व्यवहारिक रणनीति अपनानी होगी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि हाथी विचरण से प्रभावित पंचायत क्षेत्रों बड़की पुन्नू, गोपो, कंडेर, ललपनिया, रहावन आदि में सोलर लाइट अधिष्ठापन हेतु स्थल चिन्हित कर सर्वे कराया जाए तथा शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर जिला को समर्पित करें। इससे रात्रि के समय ग्रामीणों की आवाजाही सुरक्षित होगी और हाथियों की गतिविधियों की समय रहते पहचान संभव हो सकेगी। इसके अतिरिक्त वन विभाग को हाथी बचाव दल गठित करने, आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को सतर्क करने की प्रभावी प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने विशेष रूप से पतझड़ के मौसम में अनाज के सुरक्षित भंडारण को कहा, ताकि हाथियों को गांवों की ओर आकर्षित होने से रोका जा सके। साथ ही, जंगल क्षेत्र में हाथियों के लिए सुलभ एवं प्राकृतिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि मानव-हाथी संघर्ष केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि समन्वित प्रयास की चुनौती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं वन विभाग आपसी तालमेल के साथ मानवीय, संवेदनशील एवं दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कार्य करेंगे, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह की दर्दनाक त्रासदी का सामना नहीं करना पड़े।

रेल पुलिस ने बोकारो रेलवे स्टेशन से 4 नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू, एक मानव तस्कर गिरफ्तार

रोजगार दिलाने का झांसा देकर तमिलनाडु ले जाने की थी तैयारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑपरेशन 'आहट' के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने मानव तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए चार नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर की गई। रेलवे सुरक्षा बल, बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 02/03 पर नाबालिग बच्चों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर आर पी एफ की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान ट्रेन संख्या 02831 से यात्रा करने की तैयारी कर रहे यात्रियों को रोका। जांच में चार नाबालिग बच्चे पाए गए, जिन्हें रोजगार का झांसा देकर तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। बच्चों को न तो अपने गंतव्य की स्पष्ट जानकारी थी और न ही उनके अभिभावकों की इस यात्रा के लिए कोई सहमति थी। मौके से एक व्यक्ति रामू कुमार राय को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में बच्चों को काम दिलाने के बहाने बाहर ले जाने की बात स्वीकार की। तस्कर के पास से दो मोबाइल फोन, सात यात्रा टिकट और नकद रुपये बरामद किए गए। रेस्क्यू किए गए चारों नाबालिग बच्चों को चाइल्ड लाइन की मौजूदगी में बाल कल्याण समिति बोकारो को सौंप दिया गया है। वहीं आरोपी के खिलाफ जी आर पी थाना बोकारो में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष लीला देवी ने बताया कि आरपीएफ के द्वारा बच्चों को हमे सौंपा गया है। परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। बच्चों की काउंसलिंग किया जाएगा। जो आरोपी है उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए अनुशंसा की गई है।यह मामला बाल तस्करी से जुड़ा है, क्योंकि धागा फैक्ट्री में काम करने की बात कह कर गिरिडीह से बच्चों को सड़क के रास्ते बोकारो रेलवे स्टेशन लाया गया था और उसे ले जाने की तैयारी थी।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 :

बोकारो में सामान्य - व्यय प्रेक्षकों की तैनाती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के अंतर्गत चास नगर निगम एवं फुसरो नगर परिषद् निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सामान्य - व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। दोनों सामान्य - व्यय प्रेक्षक का आगमन बोकारो जिला में हो चुका है तथा उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। निर्वाचन से संबंधित शिकायत, सुझाव अथवा अभ्यावेदन के लिए आम नागरिक, निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि निर्धारित समय पर सामान्य - व्यय प्रेक्षकों से मुलाकात कर सकते हैं। चास नगर निगम (वर्ग-ख) के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्याम नारायण राम बोकारो परिसदन, नया भवन, कमरा संख्या-02, बी.एस. सिटी में आवासित हैं।

पीठासीन पदाधिकारियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को प्रशिक्षण कोषांग के तत्वावधान में पीठासीन पदाधिकारियों हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की निगरानी व संचालन वरीय पदाधिकारी प्रभाष दत्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी जगन्नाथ लोहरा, कोषांग प्रभारी डॉ. अतुल कुमार चौबे, राज कुमार शर्मा सहित मास्टर ट्रेनर अमन कुमार झा, परमेश्वर शर्मा, अनिल कुमार सिंह, आशुतोष कुमार, सुमन कुमार, श्री रंजीत कुमार, विनोद कुमार, रूपेश कुमार आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान पीठासीन पदाधिकारियों को निर्वाचन कार्य से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की व्यवहारिक जानकारी दी गई। इसमें मतपत्र के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया, मतपेटी को विधिवत सील करने की प्रक्रिया, मतपत्रों का लेखा संधारण, पीठासीन पदाधिकारी द्वारा की जाने वाली घोषणाएं, डायरी संधारण एवं निर्वाचन से संबंधित विभिन्न प्रपत्रों को सही ढंग से भरने संबंधी बिंदुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग द्वारा सत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया एवं निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि पीठासीन पदाधिकारी निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, अतः उनका पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है।

नप चुनाव 2026 को लेकर जिला नियंत्रण कक्ष सक्रिय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो पूरी तरह कार्यरत है। निर्वाचन अवधि के दौरान लागू आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन समेत निर्वाचन से संबंधित अन्य किसी भी प्रकार की शिकायत आम नागरिक, निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जिला नियंत्रण कक्ष में दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीसी - डीडीसी ने किया निरीक्षण

डिस्ट्रिक्ट रामरूद्र सीएम एसओई चास विद्यालय में आज छात्रों से संवाद करेंगे राज्यपाल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के प्रस्तावित जिला भ्रमण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है। इसी क्रम में उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट रामरूद्र सीएम एसओई चास विद्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय परिसर, सभागार, कक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, माइकिंग एवं यातायात प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब हो कि कल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार डिस्ट्रिक्ट रामरूद्र सीएम एसओई चास विद्यालय में छात्रों से संवाद करेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अलग-अलग दायित्व सौंपा गया। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।

पीएलसी S7-400 बेसिक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 'वर्किंग टुगेदर ऐज वन सेल' पहल के अंतर्गत सेल की यूनिट्स जैसे भिलाई इस्पात संयंत्र, दुगार्पुर इस्पात संयंत्र, इस्को इस्पात संयंत्र एवं बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए 'पीएलसी र7-400 बेसिक' विषय पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम 'दक्ष' का आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में दिनांक 05-07 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न यूनिट्स से कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक अजय कुमार द्वारा किया गया. इस अवसर पर सुश्री नीता बा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) तथा हरिहर राउत, महाप्रबंधक (ईटीएल) की उपस्थिति रही. उद्घाटन सत्र के दौरान सुश्री नीता बा ने सभी अतिथियों एवं सेल के विभिन्न यूनिट्स से आए प्रतिभागियों का स्वागत किया. उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में सिम्युलेटर के माध्यम से हैंड्स-ऑन अभ्यास पर विशेष ध्यान दिया गया है जो प्रतिभागियों के लिए एक प्रभावी एवं व्यावहारिक सीखने का वातावरण प्रदान करेगा. अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने परिणाम-आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया. उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करें तथा यह स्पष्ट रूप से पहचानें कि उन्होंने क्या सीखा है, क्या लागू किया है और किन क्षेत्रों में और सीखने की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण एक निवेश है, जिसका लाभ समय के साथ प्राप्त होता है, इसलिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के अंत में कार्यस्थल पर अनुप्रयोग हेतु स्पष्ट लर्निंग पॉइंट्स तैयार करने चाहिए. कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में नियमित रूप से किया जाना चाहिए तथा प्रतिभागियों को ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से निरंतर सीखने एवं कौशल उन्नयन पर ध्यान देना चाहिए. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन श्री जय नारायण यादव, प्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) द्वारा किया गया.

बीएसएल में शिफ्ट प्रबंधकों हेतु 'परिचालन 2.0' रणनीतिक क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का शुभारंभ

बोकारो इस्पात संयंत्र में शॉप फ्लोर पर परिचालन की अग्रिम पंक्ति में कार्यरत शिफ्ट प्रबंधकों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र द्वारा 'परिचालन 2.0'' शीर्षक से दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन 05 से 06 फरवरी 2026 तक बीएसएल लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-1 में किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिफ्ट प्रबंधकों (ऑपरेशन्स) की परिचालन, तकनीकी, वाणिज्यिक, डिजिटल, गुणवत्ता तथा ईएसजी से संबंधित दक्षताओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना है. इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी द्वारा किया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक अजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव नीता बा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. सत्र के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) सुश्री नीता बा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के रणनीतिक महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला. अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री बनर्जी ने भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना करने हेतु सतत अधिगम एवं कौशल उन्नयन की अनिवार्यता पर बल दिया. वहीं, मुख्य महाप्रबंधक एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार ने वर्तमान प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिवेश में इस प्रकार की क्षमता संवर्द्धन पहलों की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया. उल्लेखनीय है कि शिफ्ट प्रबंधकों की भूमिका संगठन की रणनीतियों को वास्तविक समय में परिचालन गतिविधियों में रूपांतरित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. 'परिचालन 2.0' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रबंधकों की मूलभूत प्रक्रियागत समझ को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शिफ्ट स्तर पर लिए जाने वाले निर्णयों को उत्पादकता वृद्धि, लागत दक्षता, गुणवत्ता उत्कृष्टता, डिजिटल परिवर्तन तथा ईएसजी अनुपालन से संबंधित संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप समन्वित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 19 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक महाप्रबंधक अमित आनंद द्वारा किया जा रहा है. कार्यक्रम के संचालन में मानव संसाधन-एल एंड डी विभाग के अनुभाग अधिकारी ऋषिकेश रंजन तथा प्रशासनिक सहयोगी सिद्धो चरण मुर्मू का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com